MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । सोमवार, 09 फरवरी, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-39

हिंदू एकता ज़िंदाबाद

बांग्लादेशी हिन्दुओं को भागवत संदेश

मुंबई, 08 फरवरी (एजेंसियां)। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को मुंबई में एक कार्यक्रम के दौरान बांग्लादेश में रहने वाले हिंदुओं की सुरक्षा पर कड़ा और साफ संदेश दिया। उन्होंने कहा कि वहां के हिंदुओं को अकेले पड़ने की जरूरत नहीं है, बल्कि पूरी दुनिया का हिंदू समाज उनके समर्थन में खड़ा है।

मुंबई के नेहरू सेंटर में संघ के 100 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित एक लेक्चर में भागवत जी ने कहा, बांग्लादेश में करीब सवा करोड़ (1.25 करोड़) हिंदू हैं। अगर वे वहीं रहकर अपने अधिकारों के लिए लड़ने का फैसला करते हैं तो दुनिया भर के सभी हिंदू उनकी मदद के लिए आगे आएंगे।

पिछले कुछ समय से बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों, खासकर हिंदुओं के खिलाफ हिंसा की घटनाएं बढ़ी हैं। यह सब अगस्त 2024 में शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद शुरू हुआ। इस तख्तापलट के बाद बांग्लादेश में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन शुरू हुए। इस उथल-पुथल के बीच हिंसक भीड़ ने हिंदू व्यापारियों, मजदूरों और छात्रों को निशाना बनाया। कई लोगों की जान गई और संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया गया। इसके बाद, छात्र नेताओं की मौत और राजनीतिक अस्थिरता के बाद ये हमले संगठित रूप से हिंदुओं के खिलाफ मुड़ गए।

एकता पर जोर

भागवत जी ने जोर देकर कहा कि ऐसी मुश्किल घड़ी में एकता ही सबसे बड़ा समाधान है। उन्होंने यह संदेश दिया कि बांग्लादेश के हिंदुओं को डरकर भागने के बजाय अपनी जगह सुरक्षित करने के लिए हिम्मत जुटानी होगी और इसमें बाहरी दुनिया के हिंदू उनका साथ देंगे।

देश के संतुलन के लिए जरूरी हैं 3 बच्चे

आरएसएस के प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को देश के कई जरूरी मुद्दों पर अपनी बात रखी। उन्होंने बताया कि भारत को मजबूत बनाने के लिए सिर्फ सरकार ही नहीं, बल्कि आम जनता और समाज को भी जागरूक होना पड़ेगा। जनसंख्या के मुद्दे पर मोहन भागवत ने कहा कि समाज को संतुलित रखने के लिए परिवारों में तीन बच्चों का होना जरूरी है। उन्होंने इसके पीछे पुराने अनुभवों और सेहत से जुड़े कारणों का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि शादी सिर्फ दो लोगों का मामला नहीं है, बल्कि समाज के प्रति एक जिम्मेदारी भी है। भागवत जी ने आबादी के बिगड़ते संतुलन के तीन बड़े कारण बताए, जिनमें बच्चों के जन्म की दर, धर्म परिवर्तन और बाहर से आने वाले घुसपैठिए शामिल हैं। उन्होंने लोगों से कहा कि अगर उन्हें कोई संदिग्ध व्यक्ति दिखे तो तुरंत पुलिस को जानकारी दें।

सिर्फ जीडीपी से देश अमीर नहीं होता

देश की आर्थिक स्थिति पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि हमें सिर्फ जीडीपी के आंकड़ों को देखकर खुश नहीं होना चाहिए। जीडीपी से सिर्फ सामान के आने-जाने का पता चलता है, लेकिन इससे यह नहीं पता चलता कि हर व्यक्ति कितना खुशहाल है। उन्होंने कहा कि हमारा रुपया तभी मजबूत होगा जब हम अपने देश में बनी चीजों की क्वालिटी और उत्पादन पर ज्यादा ध्यान देंगे।

क्या आरएसएस सरकार चलाता है?

अक्सर लोग कहते हैं कि आरएसएस पर्दे के पीछे से सरकार को कंट्रोल करता है। इस पर भागवत जी ने साफ किया कि जो लोग सरकार में बैठे हैं, वही उसे चला रहे हैं। हम पीछे से बैठकर ड्राइविंग नहीं करते। हां, जब भी सरकार को देश की भलाई के लिए हमारी जरूरत होगी, हम साथ देने के लिए हमेशा तैयार हैं।

हाल ही में दिल्ली में हुए धमाके का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि सिर्फ पुलिस और खुफिया विभाग के भरोसे रहना ठीक नहीं है। ▶10 पर

नामपल्ली फोरेंसिक लैब अग्निकांड

भवन सील जाँच तेज़

हैदराबाद,08 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। एक आग की घटना के बाद रविवार को पुलिस ने नामपल्ली स्थित फोरेंसिक प्रयोगशाला भवन को सील कर दिया, जिससे नामपल्ली फोरेंसिक लैब आग की जांच और तेज हो गई है। अधिकारियों ने पुष्टि की कि तेलंगाना फोरेंसिक साइंस लैब के कंप्यूटर कक्ष में आग लगी, जिससे विस्तृत जांच शुरू हुई। पुलिस के अनुसार, कर्मचारियों ने सुबह करीब 10:30 बजे कंप्यूटर सेक्शन से घना धुआं आते हुए देखा और तुरंत बाहर भागे। एक ऑफिस बॉय ने फायर एक्स्टिंग्यूशर का उपयोग करके आग पर काबू पाने का प्रयास किया। हालांकि, आग तेजी से फैलने के कारण यह प्रयास विफल रहा। बाद में वह भारी धुएं में कुछ देर फंसने के कारण बीमार हो गया।

नामपल्ली फोरेंसिक लैब आग की जांच के हिस्से के रूप में, क्लूज टीम एसपी ने रविवार को एक और निरीक्षण किया । वह घटना के समय कार्यालय में कौन मौजूद था, इसकी पुष्टि करेंगे। वह परिसर से सीसीटीवी फुटेज की भी जांच करेंगे। इस बीच, पुलिस ने पुष्टि की कि आग में करीब 40 कंप्यूटर के साथ-साथ हार्ड ड्राइव, लैपटॉप और पेन ड्राइव नष्ट हो गए।

फोरेंसिक साइंस लैब निदेशक शिखा गोयल जल्द ही स्थल का दौरा करने वाली हैं। वह प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण करेंगी और बाद में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करने की उम्मीद है। इसी समय, पुलिस यह जांच कर रही है कि क्या आग दुर्घटनावश हुई या कोई साजिश का एंगल है। फायर विभाग के कर्मचारियों ने सूचना मिलने के बाद त्वरित प्रतिक्रिया दी। छह फायर इंजन तैनात किए गए और दमकल कर्मियों ने आग को पूरी तरह से काबू करने के लिए करीब तीन घंटे तक काम किया।

एफएसएल डीजी शिखा गोयल, फायर विभाग डीजी विक्रम सिंह मान और हैदराबाद नॉर्थ रेंज डीआईजी श्वेता रेड्डी सहित वरिष्ठ अधिकारी राहत कार्यों के दौरान मौजूद थे।

मामले से संबंधित संपत्ति सुरक्षित: शिखा गोयल

एक बयान में, शिखा गोयल ने कहा कि मामले से संबंधित संपत्ति और एफएसएल के प्रमुख उपकरण सुरक्षित रहे। उन्होंने कहा कि अधिकारी आग से हुए नुकसान की सीमा का आकलन कर रहे हैं। अधिकारियों ने यह भी पुष्टि की कि कोई जानमाल का नुकसान नहीं हुआ, जिससे कर्मचारियों और अधिकारियों को राहत मिली।

संवेदनशील सबूतों पर असर की जांच

प्रयोगशाला संवेदनशील सबूतों को संभालती है, जिसमें दस्तावेज, डीएनए नमूने और इलेक्ट्रॉनिक डेटा शामिल हैं।

▶10 पर

पीड़ितों को बचाने वाले नागरिकों को 25,000 ईनाम

'राहा-वीर' योजना शुरू

हैदराबाद,08 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। सड़क दुर्घटनाओं के कारण होने वाली मौतों को कम करने के लिए तेलंगाना परिवहन विभाग ने राहा-वीर योजना के प्रभावी कार्यान्वयन की घो-षणा की है, जिसके तहत दुर्घटना पीड़ितों को बचाने के लिए आगे आने वाले नागरिकों को 25,000 रुपये और प्रशंसा पत्र से सम्मानित किया जाएगा। यह योजना गुड समरिटन, आम नागरिकों को प्रोत्साहित करने का लक्ष्य रखती है जो सड़क दुर्घटना पीड़ितों को तत्काल सहायता प्रदान करते हैं, उनके जीवन बचाने के प्रयासों को पहचान देकर और उन्हें पूर्ण कानूनी सुरक्षा का आश्वासन देकर।

परिवहन विभाग ने कहा कि यदि पीड़ितों को समय पर चिकित्सा सहायता मिले तो कई कीमती जानें बचाई जा सकती हैं। पुलिस पूछताछ या कानूनी जटिलताओं का डर अक्सर लोगों को दुर्घटना पीड़ितों की मदद करने से रोकता है।

राहा-वीर योजना इन डरों को दूर करने और नागरिकों को बिना हिचकिचाहट के कार्य करने के लिए एक सहायक वातावरण बनाने का प्रयास करती है। कोई भी व्यक्ति जिसकी समय पर सहायता से एक जान बचती है, उसे सरकार द्वारा राहा-वीर (सड़क हीरो) के रूप में सम्मानित किया जाएगा।

राहा-वीर योजना के उद्देश्य

-सड़क दुर्घटना पीड़ितों को तत्काल चिकित्सा सहायता सुनिश्चित करन। -नागरिकों को बिना डर या हिचकिचाहट के मदद करने के लिए प्रेरित करना

-गुड समरिटन को कानूनी सुरक्षा प्रदान करना

-जीवन बचाने वाले कार्यों को पहचानना और सम्मानित करना

योजना के तहत प्रोत्साहन

-नकद पुरस्कार: 25,000 रुपये (पच्चीस हजार रुपये मात्र) -परिवहन विभाग द्वारा जारी प्रशंसा प्रमाण पत्र

विभाग ने योजना के व्यापक प्रचार और उचित कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए सभी जिला कलेक्टरों को एक परिपत्र जारी किया है।

नया ज़िला नहीं अलबत्ता

रेवंत ने अटकलों पर लगाया विराम

वरंगल,08 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने रविवार को उन आरोपों को खारिज कर दिया कि सरकार भूपालपल्ली जिले को समाप्त कर देगी और स्पष्ट किया कि नए जिले बनाने या मौजूदा जिलों को समाप्त करने की कोई योजना नहीं है।

मुख्यमंत्री ने यहाँ एक चुनाव प्रचार सभा के दौरान कहा कि अस्थायी राजनीतिक लाभ के लिए एक दुर्भावनापूर्ण अभियान चलाया जा रहा है जिसमें दावा किया जा रहा है कि भूपालपल्ली जिले को समाप्त कर दिया जाएगा। लेकिन यह सच नहीं है, भूपालपल्ली नहीं मिटेगा। यह क्षेत्र, जिसने दुनिया को पी.वी. नरसिंहा राव जैसे दूरदर्शी और प्रोफेसर जयशंकर जैसे क्रांतिकारी दिए, तेलंगाना के इतिहास में एक विशेष स्थान रखता है।

मुख्यमंत्री ने कहा यदि सरकार को जिलों का पुनर्धारण करना होगा तो यह सभी हितधारकों के साथ व्यापक परामर्श और विधानसभा में विस्तृत बहस के बाद ही किया जाएगा। रेवंत रेड्डी ने याद दिलाया कि भूपालपल्ली को मंडल मुख्यालय बनाकर कोयला खनन की नींव रखने वाले पहले व्यक्ति एन.टी. रामा राव थे।

सिंगरेनी श्रमिकों को भरोसा, मेडिकल अनफिट बोर्ड होगा समाप्त

सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड के कोयला खनिकों को राष्ट्र के लिए रोल मॉडल बताते हुए, मुख्यमंत्री ने विवादास्पद मेडिकल अनफिट बोर्ड को समाप्त करने का वादा किया, जो कोयला खनिकों की एक लंबे समय से चली आ रही शिकायत रही है। उन्होंने आश्वासन दिया कि कांग्रेस सरकार वंशानुक्रमिक नौकरियों की रक्षा और 217 बर्खास्त कर्मचारियों के मुद्दों को सुलझाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, यह सरकार सिंगरेनी श्रमिकों की है। यह उनके हितों को नुकसान पहुंचाने वाला एक भी कदम नहीं उठाएगी।

इससे पहले, मुख्यमंत्री ने मंत्रियों पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, दुड्डिला श्रीधर बाबू और कोंडा सुरेखा तथा विधायक गांद्रा सत्यनारायणा के साथ जयशंकर भूपालपल्ली जिले के घनपुर मंडल में पुनर्निर्मित ऐतिहासिक कोटांचा श्री लक्ष्मी नरसिंहा स्वामी मंदिर का पुनर्उद्घाटन किया और विशेष पूजा-अर्चना की।

बीआरएस प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के परिवार पर तीखा हमला करते हुए, ▶10 पर

अज़हर के लिए 'बलि'

कोई एमएलसी छोड़ेगा अपनी सीट

हैदराबाद,08 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी की निजामाबाद में शुक्रवार को एक सार्वजनिक सभा में की गई घोषणा कि मोहम्मद अजहरुद्दीन को एमएलसी बनाया जाएगा, इसके बाद राज्य में अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री को विधान परिषद भेजने के उपलब्ध विकल्पों पर चर्चा शुरू हो गई है। अजहरुद्दीन 31 अक्टूबर 2025 को मंत्री पद की शपथ ली थी और उन्हें 30 अप्रैल से पहले या तो एमएलसी या विधायक बनना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने अजहरुद्दीन और प्रोफेसर एम कोदंडराम को राज्यपाल कोटे के तहत एमएलसी नामित किए जाने की वैधता पर 19 मार्च को सुनवाई की तारीख तय की है।

कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री और टीपीसीसी नेतृत्व ने यह फैसला किया है कि पार्टी के विधायक कोटे के तहत चुने गए एमएलसी में से एक इस्तीफा देगा, जिससे अजहरुद्दीन के एमएलसी के रूप में शपथ लेने का रास्ता साफ होगा। उन्होंने कहा कि यह तब किया जाएगा जब अजहरुद्दीन को एमएलसी बनाने के अन्य विकल्प सामने नहीं आते। एक वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने बताया कि सबसे पहले रेवंत और टीपीसीसी नेतृत्व को उम्मीद है कि सुप्रीम कोर्ट में ▶10 पर

उपभोक्ताओं के लिए खुशखबरी

नए बिजली कनेक्शन के नियम जारी

हैदराबाद, 08 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना राज्य बिजली नियामक आयोग (ईआरसी) ने नए बिजली कनेक्शन को लेकर महत्वपूर्ण आदेश जारी किए हैं। ईआरसी ने कनेक्शन लेने वाले उपभोक्ताओं के लिए अनुमान तैयार करने के नियमों को पूरी तरह से समाप्त कर दिया है।

ईआरसी के आदेशों के अनुसार, बिजली वितरण कंपनियों और डिस्कॉम ने गुरुवार से नए नियमों को लागू करने का फैसला किया है। अतीत में, यदि कोई नया बिजली कनेक्शन लेना चाहता था, तो कुछ बिजली विभाग के कर्मचारी अपने पसंदीदा ठेकेदारों को ले आते थे और अनुमानित लागत के नाम पर पैसे की मांग करते थे। इसी को देखते हुए, तेलंगाना राज्य बिजली नियामक आयोग (ईआरसी) ने उनके इस धंधे पर रोक लगाने के लिए यह संवेदनशील निर्णय लिया है। उल्लेखनीय है कि बिजली वितरण कंपनियों और डिस्कॉम ने इन नियमों को गुरुवार से लागू करने का फैसला किया है।

नए दिशानिर्देश जारी

तत्काल कनेक्शन की व्यवस्था

सरकार ने नए दिशानिर्देश जारी करके इस संबंध में निर्णय लिया है। विद्युत कंपनियों ने नए कनेक्शन और अतिरिक्त लोड के जारी करने में बदलाव करने का निर्णय लिया है। ईआरसी ने समझाया कि तेलंगाना राज्य के गठन के बाद, 2015 में एक बार बिजली नियमों में संशोधन किया गया था, और फिर दस साल बाद एक और महत्व-पूर्ण संशोधन किया गया है।नए नियमों के अनुसार, राज्य में कोई भी व्यक्ति जो नया बिजली कनेक्शन चाहता है, उसे डिस्कॉम में आवेदन करने के तुरंत बाद कनेक्शन प्रदान किया जाना चाहिए। किसी भी परिस्थिति में बिजली कर्मचारी उपभोक्ताओं से अनुमानित लागत और पूरी राशि का भुगतान करने के लिए नहीं कह सकते। दिशानिर्देशों की मुख्य बातें-

अपार्टमेंट और वाणिज्यिक भवनों के लिए नियम

अब तक, बिल्डर किसी भी व्यक्ति से जो अपार्टमेंट में फ्लैट या वाणिज्यिक भवन का हिस्सा खरीदता है, विकास शुल्क के नाम पर बिजली कनेक्शन के लिए नया ट्रांसफॉर्मर लगाने की लागत वसूल करते थे। अब यह अनुमति नहीं है। डिस्कॉम अब सीधे अपार्टमेंट और वाणिज्यिक भवनों के लिए विशेष ट्रांसफॉर्मर शुल्क नहीं वसूल सकते। ▶10 पर

नागार्जुन सागर नहर में कार गिरने से महिला की मौत, पति लापता

नलगोंडा ,08 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राज्य आपदा प्रतिक्रिया टीम ने रविवार को नलगोंडा के निदमनूर मंडल के मुकुंदापुरम में नागार्जुनसागर लेफ्ट नहर से एक कार बरामद की, जिसमें एक महिला का शव मिला।

यह कार, जिसमें त्रिपुराराम मंडल के कंपासागर के निवासी तल्लम पुल्लैया और उनकी पत्नी पदमा यात्रा कर रहे थे, शनिवार रात चालक के नियंत्रण खो देने के बाद नहर में गिर गई।

घटना के बाद, एक एसडीआरएफ टीम मौके पर पहुंची और खोज अभियान शुरू किया। क्रेन का उपयोग करके, टीम ने रविवार को वाहन को नहर से बाहर निकाला। कार के अंदर पदमा का शव मिला, जबकि उनके पति अभी भी लापता हैं। उनके लिए खोज अभियान जारी है। जिला कलेक्टर बी. चंद्रशेखर और पुलिस अधीक्षक शरत चंद्र पवार ने घटनास्थल का दौरा किया और बचाव प्रयासों की समीक्षा की। अधिकारियों से बात करते हुए, कलेक्टर ने कहा कि शनिवार शाम करीब 7:30 बजे कार के नहर में गिरने के तुरंत बाद रात्रि की स्थिति के कारण खोज अभियान शुरू नहीं किया जा सका। उन्होंने कहा कि अभियान रविवार सुबह शुरू हुआ, ▶10 पर

रूसी खुफिया एजेंसी के शीर्ष अधिकारी पर हमले का आरोपी दुबई में गिरफ्तार

मॉस्को, 08 फरवरी (एजेंसियां)।
रूस की संघीय सुरक्षा सेवा (एफएसबी) ने दावा किया है कि मॉस्को में रूसी सैन्य खुफिया एजेंसी के वरिष्ठ अधिकारी पर गोलीबारी करने वाले संदिग्ध को दुबई से गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी को रूस को सौंप दिया गया है और उससे पूछताछ जारी है।

एफएसबी के अनुसार, संदिग्ध की पहचान रूसी नागरिक ल्यूबोमिर कोर्बा के रूप में हुई है, जिस पर रूस की सैन्य खुफिया एजेंसी के उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल व्लादिमीर

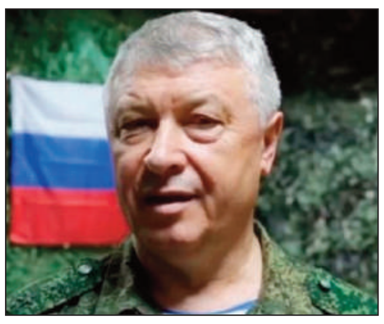

अलेक्सेयेव पर गोली चलाने का आरोप है। यह हमला शुक्रवार को मॉस्को के उत्तर-पश्चिमी इलाके में एक अपार्टमेंट बिल्डिंग के बाहर हुआ था। हमले में अलेक्सेयेव को कई गोलियां लगी थीं, जिसके बाद उन्हें गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया।

हमले में दो और लोगों की भूमिका आई सामने

रूसी जांच एजेंसियों के मुताबिक, इस हमले में दो और लोगों की भूमिका सामने आई है एक सहयोगी को मॉस्को से गिरफ्तार किया गया है, जबकि दूसरा कथित रूप से यूक्रेन भाग गया। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने इस घटना को संभावित आतंकी हमला करार देते हुए आरोप लगाया कि इसका उद्देश्य शांति वार्ता को नुकसान पहुंचाना था। हालांकि, यूक्रेन की ओर से इन आरोपों पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। यह हमला ऐसे समय हुआ है जब रूस, यूक्रेन और अमेरिका के प्रतिनिधियों के बीच अबू धाबी में युद्ध समाप्त करने को लेकर दो दिनों तक बातचीत चली थी। दिलचस्प बात यह है कि इन वार्ताओं में रूसी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व खुफिया एजेंसी प्रमुख एडमिरल इगोर कोस्त्युकोव कर रहे थे, जो अलेक्सेयेव के वरिष्ठ अधिकारी हैं।

व्लादिमीर अलेक्सेयेव को 'हीरो ऑफ रूस' सम्मान से नवाजा गया था

64 वर्षीय व्लादिमीर अलेक्सेयेव वर्ष 2011 से रूसी खुफिया विभाग में प्रथम उप प्रमुख के पद पर तैनात हैं। उन्हें सीरिया में रूस के सैन्य अभियान में भूमिका निभाने के लिए हीरो ऑफ रूस सम्मान से नवाजा जा चुका है। वे 2023 में वैगनर ग्रुप के विद्रोह के दौरान भी सुर्खियों में आए थे, जब उन्होंने येवगेनी प्रिगोजिन से बातचीत की थी।

पहले भी हो चुके हैं अधिकारियों पर हमले

यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से रूस के कई बड़े सैन्य अधिकारियों पर हमले हुए हैं। इससे पहले 22 दिसंबर 2025 को एक कार बम धमाके में लेफ्टिनेंट जनरल फानिल सरवारोव की मौत हो गई थी। उनकी कार में बम लगाया गया था। इसी तरह, 25 अप्रैल 2025 को भी मॉस्को के पास बालाशिखा इलाके में एक कार बम विस्फोट हुआ था। इस हमले में लेफ्टिनेंट जनरल यारोस्लाव यारोस्लाविच मोस्कालिक की जान चली गई थी। वे रूसी जनरल स्टाफ के मेन ऑपरेशंस निदेशालय में डिप्टी चीफ के पद पर तैनात थे।

न्यूज ब्रीफ

रेयर अर्थ में टूटेगी चीन की बादशाहत...........जापान ने समुद्र से खोज निकाली जादुई कीचड़

टोक्यो। जापान ने रेयर अर्थ की खोज पर बड़ी सफलता हासिल की है। जापान को अपने एक द्वीप से दुर्लभ खनिज वाले गहरे समुद्र के तलछट को सफलतापूर्वक ड्रिल करके निकालने में कामयाबी मिली है। इस जापान की रेयर अर्थ रिच मड (जादुई कीचड़) बताया जा रहा है। इस खोज ने जापान की रेयर अर्थ से जुड़ी उम्मीदों को बढ़ा दिया है। जापानी सरकार को उम्मीद है कि इससे रेयर अर्थ के लिए उनकी चीन पर निर्भरता कम होगी। जापानी प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची ने कहा, गहरे समुद्र में ड्रिलिंग करने वाले जहाज चिक्यू ने मिनमिटोरिशिमा (मार्कस द्वीप) के पास 6,000 मीटर (19,700 फीट) की गहराई से तलछट सफलतापूर्वक इकट्ठा किया। इतनी गहराई से दुर्लभ खनिजों को निकालने का यह परीक्षण दुनिया में पहली बार हुआ है। ताकाइची ने कहा है कि यह जापान में घरेलू स्तर पर दुर्लभ खनिजों के औद्योगीकरण की दिशा में पहला कदम है। हम किसी एक देश पर अत्यधिक निर्भरता से बचने के लिए दुर्लभ खनिजों के लिए मजबूत आपूर्ति श्रृंखला हासिल करने की दिशा में प्रयास होगा। इस समय रेयर अर्थ की ग्लोबल सप्लाई पर चीन का प्रभाव है। जापानी आधिकारियों ने बताया है कि उनका जहाज चिक्यू 12 जनवरी को टोक्यो से रवाना होकर 1,900 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में मिनमिटोरिशिमा द्वीप पहुंचा। जहाल ने 30 जनवरी को रिकवरी ऑपरेशन शुरू किया और 1 फरवरी को इनोवेटिव ओशन डेवलपमेंट ने समुद्र तल से दुर्लभ तलछट के सफल निष्कर्षण का ऐलान किया।

रोजाना जंक फूड का सेवन हो सकता है खतरनाक

वाशिंगटन। हर उम्र के लोगों में आजकल जंक फूड को लेकर दीवानगी देखी जा रही है। जंक फूड खाने में स्वादिष्ट होते हैं, लेकिन सेहत के लिए नुकसानदायक हैं। जंक फूड खाना आजकल फैशन बन गया है। अधिकतर लोगों को घर का बना खाना पसंद नहीं आ रहा है और वे जमकर जंक फूड का सेवन कर रहे हैं। बर्गर, पिज्जा, फ्रेंच फ्राइज, पैकेट वाले स्नैक्स और शुगरी ड्रिंक्स देखते ही लोग खिंचे चले जाते हैं। डाक्टर्स की मानें तो कभी-कभार स्वाद के लिए जंक फूड खा सकते हैं, लेकिन रोज इनका सेवन करना बेहद खतरनाक होता है। जंक फूड में पोषण कम और कैलोरी, नमक, शुगर व ट्रांस फैट बहुत ज्यादा मात्रा में होता है। इससे कई गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। लंबे समय तक जंक फूड खाना जानलेवा भी हो सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि जंक फूड हाई कैलोरी और लो फाइबर होता है, जिससे पेट जल्दी नहीं भरता और बार-बार भूख लगती है। इससे वजन तेजी से बढ़ता है और पेट, कमर व जांघों पर चर्बी जमा होने लगती है। मोटापा सिर्फ एक समस्या नहीं, बल्कि डायबिटीज, हार्ट डिजीज और जोड़ों के दर्द जैसी कई बीमारियों की जड़ है। बच्चों और युवाओं में जंक फूड मोटापे की सबसे बड़ी वजह है।

सूर्य पर बना विशाल सनस्पाट वैज्ञानिकों के लिए बना चिंता का विषय

वाशिंगटन। वैज्ञानिकों के लिए सूर्य पर बना एक विशाल और तेजी से सक्रिय होता सनस्पाट नई चिंता का विषय बन गया है। हाल के दिनों में रीजन 4366 नाम का यह सनस्पाट कई शक्तिशाली सौर ज्वालाएं छोड़ चुका है। अमेरिकी एजेंसी एनओएए के स्पेस वेदर प्रेडिक्शन सेंटर के अनुसार 5 फरवरी को धरती पर भू-चुंबकीय गतिविधि बढ़ने की संभावना है। इसके चलते सामान्य से कम अक्षांशों पर भी नार्दर्न लाइट्स यानी आरोरा देखने का मौका मिल सकता है। हालांकि, इसकी पुष्टि अभी पूरी तरह नहीं हुई है। वैज्ञानिकों के मुताबिक रीजन 4366 अचानक उभरकर बेहद तेज गति से फैल रहा है। इसका आकार 1859 के ऐतिहासिक कैरिंगटन इवेंट वाले सनस्पाट के लगभग आधे तक पहुंच गया है, जिसने अब तक का सबसे विनाशकारी भू-चुंबकीय तूफान पैदा किया था। इस तेज विस्तार ने इसे अत्यंत अस्थिर बना दिया है।

सऊदी और इजरायल को थोक में हथियार देगा अमेरिका 30 फ्लाइंग टैंक अपाचे, 730 पैट्रियट मिसाइल

15 अरब अमेरिकी डालर से ज्यादा के हथियारों की बड़ी बिक्री को मंजूरी

वाशिंगटन, 08 फरवरी (एजेंसियां)।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मध्य पूर्व को अमेरिकी हथियारों से पाटने की तैयारी में जुट गए हैं। ट्रंप प्रशासन ने मध्य पूर्व के अपने दो महत्वपूर्ण सहयोगियों को 15 अरब अमेरिकी डालर से ज्यादा के हथियारों की बड़ी बिक्री को मंजूरी दे दी है। रिपोर्ट के अनुसार, इस मंजूरी के तहत इजरायल को 6.67 अरब डालर के हथियार दिए जाएंगे। वहीं, मुस्लिम देश सऊदी अरब को 9 अरब डालर के हथियारों की बिक्री होगी। अमेरिकी विदेश विभाग ने देर रात इस बिक्री की घोषणा की।

इन बिक्री के बारे में जानकारी तब सामने आई, जब विदेश विभाग ने कांग्रेस को मंजूरी के बारे में सूचना दी। यह घोषणा तब हुई है जब मिडिल ईस्ट में ईरान पर संभावित अमेरिकी सैन्य हमलों की योजना को लेकर तनाव बढ़ रहा है। इसके साथ ही राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप गाजा के लिए अपनी संघर्ष विराम योजना को आगे बढ़ा रहे हैं। इसका मकसद इजरायल-हमास संघर्ष को खत्म करना और दो साल के युद्ध के बाद फिलिस्तीनी क्षेत्र का निर्माण करना है। वहीं ट्रंप प्रशासन ने सऊदी अरब को 9 अरब डालर के हथियारों की बिक्री की मंजूरी दी है। इसमें 730 पैट्रियल मिसाइलों और संबंधित उपकरणों की बिक्री शामिल है। विदेश विभाग ने कहा कि यह मंजूरी खाड़ी क्षेत्र में राजनीतिक स्थिरता और आर्थिक प्रगति के लिए अमेरिका की विदेश नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा उद्येश्यों का समर्थन करेगी। यह घोषणा तब हुई, जब सऊदी रक्षा मंत्री प्रिंस खालिद बिन सलमान वाशिंगटन दौरे पर हैं, जहां उन्होंने विदेश मंत्री मार्को रुबियो और रक्षा सचिव पीट हेगसथ जैसे शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठक की। जहां इजरायल को अमेरिकी हथियारों की बिक्री को चार अलग-अलग पैकेजों में बांटा गया है। इसमें 30 अपाचे अटैक हेलीकाप्टर और संबंधित उपकरण व हथियार शामिल हैं। इसके अलावा 3250 सामरिक वाहनों की भी मंजूरी दी है। अपाचे हेलीकाप्टर को उड़ता टैंक कहते है। अमेरिकी विदेश के अनुसार, अपाचे हेलीकाप्टर की कीमत 3.8 अरब डालर होगी जो पैकेज का सबसे बड़ा हिस्सा हैं। ये फ्लाइंग टैंक राकेट लान्चर और एडवांस टारगेटिंग गियर से लैस होगा। इजरायल को पैकेज का एक बड़ा हिस्सा हल्के सामरिक वाहनों के लिए है। इसकी लागत 1.98 अरब डालर है। हालांकि, इजरायल के लिए मंजूरी पर ट्रंप का विरोध हो रहा है। हाउस फारेन अफेयर्स कमेटी में डेमोक्रेट प्रतिनिधि ग्रेगरी मीक्स ने ट्रंप प्रशासन पर इजरायल के लिए डील की घोषणा करने में जल्दबाजी का आरोप लगाया है। इसके अलावा इजरायल बख्तरबंद गाड़ियों के पावर पैक पर 74 करोड़ डालर खर्च करेगा। ये बख्तरबंद वाहन 2008 से इजरायली बलों की सेवा में हैं। बाकी के 15 करोड़ डालर हल्के यूटिलिटी हेलीकाप्टरों पर खर्च किए गए हैं।

बांग्लादेश को 30 साल बाद नया पीएम मिलेगा

ढाका। बांग्लादेश में 12 फरवरी को संसदीय चुनाव होने जा रहे हैं। पूर्व पीएम शेख हसीना के देश छोड़ने और खालिदा जिया के निधन के बाद यह पहला चुनाव है। 1991 से 2024 तक बांग्लादेश की राजनीति में इन दो नेताओं का दबदबा रहा। ऐसे में 35 साल बाद देश को नया प्रधानमंत्री मिलेगा। शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग को इस चुनाव में हिस्सा लेने की इजाजत नहीं दी गई है। चुनाव आयोग का कहना है कि 2024 में हुए छात्र आंदोलन के दौरान हुई हिंसा में पार्टी की भूमिका की वजह से यह फैसला लिया गया है। बांग्लादेश के ये चुनाव सिर्फ देश की राजनीति ही नहीं, बल्कि पूरे साउथ एशिया की डिप्लोमेसी और पावर बैलेंस को बदल सकते हैं। इसलिए भारत, पाकिस्तान और चीन भी इन चुनाव पर नजर बनाए हुए हैं। बांग्लादेश में अगस्त 2024 से नोबेल विजेता मोहम्मद यूनुस की लीडरशिप में अंतरिम सरकार काम कर रही है। राजनीतिक जानकारों के मुताबिक, हसीना के सत्ता से हटने के बाद बांग्लादेश की विदेश नीति में बड़ा बदलाव आया है। भारत के साथ रिश्ते अब अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए हैं, जबकि पाकिस्तान के साथ संबंध बेहतर हुए हैं और चीन के साथ रणनीतिक रिश्ते और मजबूत हुए हैं।

सऊदी अरब में भारतीय कारोबारी को निशाना बनाने वाला वीडियो हुआ वायरल

रियाद एग्जिबिशन का बताया जा रहा वीडियो

रियाद, 08 फरवरी (एजेंसियां)।
सऊदी अरब में एक बार फिर भारतीयों को लेकर नस्लीय और धार्मिक टिप्पणी का मामला सामने आया है। राजधानी रियाद में आयोजित एक बिजनेस एग्जिबिशन के दौरान एक भारतीय कंपनी के स्टाल पर पहुंचे सऊदी नागरिक ने वहां मौजूद कर्मचारियों के धर्म को लेकर आपत्तिजनक सवाल उठाए। इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसे लेकर तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। सोशल मीडिया पर सामने आई कथित वीडियो क्लिप की ईएमएस एजेंसी पुष्टि नहीं करती है, जिसमें एक सऊदी नागरिक भारतीय कंपनी के स्टाफ से बहस करता नजर आ रहा है। वीडियो में वह यह कहते हुए सुना जा सकता है कि कंपनी में सभी कर्मचारी हिंदू हैं और एक भी मुस्लिम कर्मचारी क्यों नहीं रखा गया। वह इस बात को धार्मिक कट्टरता से जोड़ते हुए नस्लीय और भड़काऊ टिप्पणियां करता दिखाई देता है। हालांकि यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि वीडियो कब का है और इस बहस की शुरुआत किन परिस्थितियों में हुई।

इस वीडियो को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राजनीतिक विश्लेषक अमजद ताहा ने अपने एक्स (पूर्व में ट्विटर) अकाउंट से साझा किया है। उन्होंने इसे खुले तौर पर नस्लवाद करार देते हुए सऊदी नागरिक के व्यवहार की कड़ी आलोचना की। अमजद ताहा ने पोस्ट में लिखा कि एक सऊदी व्यक्ति रियाद की एक एग्जिबिशन में भारतीय कारोबारी को उसके हिंदू होने और कंपनी की धार्मिक पहचान को लेकर धमकाने और ताने मारने जैसा व्यवहार कर रहा है। उन्होंने आगे लिखा कि कंपनी में मुसलमान कर्मचारी न होने को लेकर सवाल उठाना अज्ञानता को हथियार बनाने जैसा है। यह गरिमा, आस्था और स्वतंत्र व्यापार पर सीधा हमला है। अमजद ताहा ने कहा कि भारत एक महान सभ्यता है और उस पर इस तरह का हमला स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने यह भी टिप्पणी की कि व्यापार कोई धार्मिक स्थल नहीं है और आधुनिक समाज में आस्था की पुलिसिंग की कोई जगह नहीं होनी चाहिए।

ड्रोन हमले में 8 बच्चे समेत 24 की मौत

खार्तूम। सूडान में पिछले तीन साल से जारी गृह युद्ध के चलते देश में मानवीय संकट और ज्यादा गहरा होता जा रहा है। सेना और रैपिड सपोर्ट फोर्स (आरएसएफ) के बीच जारी संघर्ष ने देश की राजनीतिक पारदर्शिता को पूरी तरह से बदल कर रख दिया है। इसी बीच सूडान के नार्थ कोर्डोफान प्रांत के रहाद के पास शनिवार को एक ड्रोन हमले में कम से कम 24 लोग मारे गए, जिनमें आठ बच्चे भी शामिल हैं। यह हमला देश के कुख्यात पैरा-मिलिट्री समूह रैपिड सपोर्ट फोर्स (आरएसएफ) ने किया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार मृतकों में दो शिशु भी शामिल हैं। हमला उस वाहन पर हुआ था जिसमें दुबेकिर इलाके से भागे हुए विस्थापित लोग जा रहे थे। डाक्टर्स नेटवर्क ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय और मानवाधिकार संगठनों से अपील की है कि वे सिविलियनों की सुरक्षा सुनिश्चित करें और आरएसएफ नेतृत्व को इन अपराधों के लिए सीधे जिम्मेदार ठहराएं।

परमाणु परीक्षण विवाद: अमेरिका ने लगाया चीन पर विस्फोट का आरोप, वैश्विक सुरक्षा पर संकट

बीजिंग, 08 फरवरी (एजेंसियां)।
परमाणु हथियारों को लेकर दुनिया की दो महाशक्तियों, अमेरिका और चीन के बीच तनाव एक बार फिर चरम पर पहुंच गया है। अमेरिका ने बीजिंग पर बेहद गंभीर आरोप लगाते हुए दावा किया है कि चीन ने साल 2020 में अंतरराष्ट्रीय नियमों की अनदेखी कर चुपचाप एक परमाणु परीक्षण किया और इसे पूरी दुनिया से छिपाने का प्रयास किया। यह खुलासा ऐसे समय में हुआ है जब अमेरिका और रूस के बीच परमाणु हथियारों को नियंत्रित करने वाली आखिरी महत्वपूर्ण संधि न्यू स्टार्ट भी आधिकारिक तौर पर समाप्त हो चुकी है। अमेरिकी प्रशासन के अनुसार, चीन ने 22 जून 2020 को एक कम तीव्रता वाला परमाणु विस्फोट किया था। गौर करने वाली बात यह है कि यह कथित परीक्षण भारत और चीन के बीच लद्दाख में हुई हिंसक झड़प के महज एक महीने बाद ही अंजाम दिया गया था। हथियार नियंत्रण मामलों के शीर्ष

अमेरिकी अधिकारी थामस डिनैनो ने वियना में आयोजित वैश्विक निरस्त्रीकरण सम्मेलन में दावा किया कि चीन ने सैकड़ों टन विस्फोटक क्षमता वाले इस परीक्षण को पूरी तैयारी के साथ अंजाम दिया। डिनैनो के मुताबिक, चीनी सेना को इस बात का स्पष्ट आभास था कि यह कदम अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं का उल्लंघन है, इसलिए उन्होंने एक विशेष तकनीक का सहारा लिया। इस तकनीक का उद्देश्य विस्फोट से उत्पन्न होने वाले झटकों को कम करना था ताकि वैश्विक निगरानी तंत्र को धोखा दिया जा सके। अमेरिका का आरोप है कि चीन ने अपने परमाणु जखीरे की मारक क्षमता और आधुनिकता को परखने के लिए यह गुप्त रास्ता अपनाया। हालांकि, परमाणु परीक्षणों पर नजर रखने वाली अंतरराष्ट्रीय संस्था काम्प्रिहेन्सिव न्यूक्लियर-टेस्ट-बैन ट्रीटी आर्गेनाइजेशन के पास इस घटना के ठोस प्रमाण फिलहाल नहीं हैं। संस्था के अनुसार, उनके इंटरनेशनल मानिटरिंग सिस्टम को उस दिन कोई ऐसा संकेत नहीं मिला जो स्पष्ट रूप से परमाणु विस्फोट की पुष्टि कर सके। विशेषज्ञों का तर्क है कि आमतौर पर निगरानी तंत्र 500 टन या उससे अधिक क्षमता वाले विस्फोटों को आसानी से पकड़ लेते हैं, लेकिन यदि विस्फोट की तीव्रता बहुत कम हो और उसे विशेष तरीके से जमीन के भीतर दबाया गया हो, तो उसे पकड़ना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। यही वह तकनीकी खामी है जिसके चलते अमेरिका और अंतरराष्ट्रीय जांच एजेंसियों के दावों में विरोधाभास दिख रहा है। चीन ने अमेरिका के इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इन्हें पूरी तरह बेबुनियाद और काल्पनिक बताया है। चीनी राजदूत शेन जियान ने स्पष्ट किया कि बीजिंग परमाणु परीक्षण रोकने की अपनी पुरानी नीति पर भी कायम है। उन्होंने अमेरिका पर आरोप लगाया कि वह अपनी जिम्मेदारियों से भागने के लिए झूठी कहानियां गढ़ रहा है।

अमेरिका ने धमकाया अल्जीरिया को लेकिन असर हुआ भारत तक

अगर रुसी एसयू-57 जेट खरीदा तो लगा देंगे बैन

भारत भी टेंशन में, इस अत्याधुनिक जेट पर भारत समेत कई देशों की है नजर

अल्जीयर्स, 08 फरवरी (एजेंसियां)।
अल्जीरिया की रूस से एसयू-57 फाइटर जेट खरीदने से जुड़ी रिपोर्ट पर अमेरिका ने नाराजगी जाहिर की है। अमेरिका इस डील के लिए सबसे बड़े अफ्रीकी देश अल्जीरिया के खिलाफ बैन लगाने की सोच रहा है। अमेरिकी ब्यूरो आफ ईस्टर्न अफेयर्स के हेड राबर्ट पैलाडिनो ने कहा है कि सुखोई-57 खरीदने के लिए अल्जीरिया पर प्रतिबंध लग सकते हैं।

सीनेट कमेटी के सामने पैलाडिनो ने यह जानकारी दी है।

एसयू-57 रूस का अत्याधुनिक जेट है, जिस पर भारत समेत कई देशों की नजर है लेकिन अमेरिका ने साफ कर दिया है कि इसकी डील करने वाले देशों पर वह सख्त रुख अपनाया जाएगा। ऐसे में भारत को मुश्किल का सामना करना पड़ सकता है। पैलाडिनो ने कहा कि अल्जीरिया के रूस से सैन्य उपकरण खरीदने की रिपोर्ट अमेरिकी प्रशासन के लिए चिंता का विषय हैं। अल्जीरियाई सरकार के साथ हम कई मुद्दों पर मिलकर काम कर रहे हैं लेकिन कुछ विषयों पर हमारे गंभीर मतभेद हैं। हथियारों का सौदा भी मतभेद का विषय है। फिलहाल अमेरिका बातचीत का रास्ता अपनाए हुए है लेकिन जरूरत पड़ने पर हम काउंटरिंग अमेरिकाज एडवर्सरीज थ्रू सैंक्शन्स एक्ट लागू करके ऐसे सौदों को रोक सकते हैं।

बता दें अल्जीरिया ने बीते साल रूस से उसके लेटेस्ट फाइटर जेट एसयू-57 खरीदने की पुष्टि की थी। वह रूस के लिए इस विमान का पहला विदेशी ग्राहक बना है। रूस की अल्जीरिया को एडवांस्ड फाइटर जेट सप्लाई करने की योजना है। डिलीवरी इस साल के आखिर में होना है। फिलहाल अल्जीरियाई पायलट रूस में ट्रेनिंग ले रहे हैं। एसयू-57 जेट को रूस के सुखोई डिजाइन ब्यूरो ने डेवलप किया है। इस विमान ने 2010 में अपनी पहली उड़ान भरी और इसका पहला बैच 2020 में रूसी सेना में शामिल हुआ था। रूस का सुखोई एसयू-57 फेलान पांचवीं पीढ़ी का विमान है। इसने हालिया समय में अमेरिका, फ्रांस और चीन को वैश्विक बाजार में कड़ी चुनौती दी है।

भारत के लिए रूसी हथियार दशकों से भरोसेमंद रहे हैं। रूस के एसयू-57 की खरीद पर भारत भी विचार कर रहा है। भारत की वायुसेना को अत्याधुनिक लड़ाकू विमानों की सख्त जरूरत है। इस जरूरत को पूरा करने के लिए जिन विकल्पों पर विचार हो रहा है, उनमें रूसी एसयू-57 जेट है। भारत की नजर में रूस का सुखोई एसयू-57 है लेकिन अमेरिका से रिश्ते सुधारने की कोशिश में लगी दिल्ली के लिए यह डील आसान नहीं होगी।

अल्जीरिया के लिए अमेरिका ने जिस तरह का रुख अपना रहा है। उसे देखते हुए इससे इनकार नहीं किया जा सकता कि भारत अगर इस जेट को खरीदेगा तो अमेरिका अपनी निगाहें टेड़ी कर सकता है।

दरभंगा में 6 साल की बच्ची से रेप और हत्या के बाद भारी बवाल

आगजनी और पुलिस का लाठीचार्ज

दरभंगा, 08 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार के दरभंगा जिले में 6 साल की बच्ची के साथ हुई दरिंदगी के बाद लोगों का गुस्सा उबल पड़ा है। रेप के बाद बच्ची की हत्या कर दी गई। इस घटना की जानकारी सामने आने के बाद बड़ी संख्या में आक्रोशित लोग सड़कों पर उतर आए। सड़क जाम कर आगजनी करने लगे।

महिलाओं का भारी विरोध

विरोध-प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल थीं, जो हाथों में लाठी-डंडा लिए नजर आईं। आक्रोशित लोगों का कहना था कि आरोपी को हमें दे दो, हम इंसाफ करेंगे। इस बीच, पुलिस ने सड़क जाम कर रहे लोगों को हटाने की कोशिश शुरू की।

पत्थरबाजी और तानावली

पुलिस और आक्रोशित लोगों के बीच तीखी बहस हुई, और लोगों ने पथराव भी किया। बाद में विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है।

बच्ची का शव पोखर के किनारे मिला

बच्ची के लापता होने की जानकारी शनिवार शाम को मिली थी। परिजन लगातार उसे खोज रहे थे। आवारा कुत्तों के भौंकने के दौरान परिजनों को शक हुआ, तो तालाब किनारे बच्ची का खून से लथपथ शव मिला। इसके बाद परिजनों ने हंगामा शुरू किया।

पड़ोसी युवक गिरफ्तार

पुलिस जांच में पता चला कि बच्ची के पड़ोसी 22 वर्षीय विकास महतो ने दुष्कर्म किया था। पुलिस ने उसे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर गिरफ्तार किया, और उसके कपड़ों पर भी खून के धब्बे थे।

राजनीतिज्ञों का हमला

इस घटना को लेकर आरजेडी ने बिहार सरकार और पुलिस-प्रशासन पर हमला किया है। राजद ने सोशल मीडिया पर लिखा, दरभंगा में 6 साल की बच्ची के साथ हैवानियत! बलात्कार कर दरिंदगी से कर दी गई हत्या! बिहार पुलिस और बीजेपी, नीतीश कुमार सरकार को शर्म नहीं!

रेड बर्ड का ट्रेनिंग विमान मंगलुरु गांव में क्रैश, दोनों पायलट गंभीर रूप से घायल

विजयपुरा, 08 फरवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक के विजयपुरा जिले के बालेश्वर तालुक के मंगलुरु गांव में रविवार दोपहर एक प्राइवेट ट्रेनिंग विमान खुले मैदान में क्रैश हो गया। इस हादसे में विमान में सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, रेड बर्ड कंपनी का यह दो-सीटर ट्रेनिंग विमान था। क्रैश से ठीक पहले दोनों पायलट विमान से बाहर निकलने में सफल रहे। टक्कर के बाद विमान तीन हिस्सों में टूट गया। हादसे में दोनों को चोटें आई हैं, जिन्हें इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। हादसे की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने गांव में बिखरे मलबे को सुरक्षित करते हुए प्रारंभिक जांच शुरू कर दी। जांच अधिकारियों ने बताया कि यह रेड बर्ड एविएशन का एक निजी विमान था, जो कलबुर्गी से बेलगावी जाते समय इंजन में खराबी के कारण हादसे का शिकार हो गया। हादसे के पीछे यांत्रिक खराबी को मुख्य कारण माना जा रहा है। अब विमान के लॉग, मौसम संबंधी डाटा और रखरखाव इतिहास की गहन जांच की जा रही है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार यह हादसा मंगलौर गांव में हुआ। विमान एक नियमित प्रशिक्षण उड़ान पर था। इस दौरान अचानक इंजन में खराबी आ गई, जिससे विमान अनियंत्रित होकर आपातकालीन लैंडिंग पर मजबूर हो गया।

जबकि, कप्तान के अथक प्रयासों के बाद भी विमान तेजी से जमीन की ओर आता हुआ टकरा गया, लेकिन गनीमत रही कि पायलट और प्रशिक्षु पायलट की जान बच गई। उनका उपचार जारी है।

बता दें कि रेड बर्ड एविएशन अकादमी पायलट प्रशिक्षण के लिए सेसना 172 टैंगो चार्ली जैसे विश्व स्तरीय ट्रेनिंग विमानों का इस्तेमाल करती है। रेड बर्ड एविएशन के ट्रेनिंग बेस बारामती, बेलगावी और सियोनी में स्थित हैं, जहां से पायलटों को व्यावसायिक और निजी उड़ानों का प्रशिक्षण दिया जाता है।

सेसना 172 एसपी जैसे विमानों में बेसिक ऑटोपायलट सिस्टम होता है, जो दिशा बनाए रखने, ऊंचाई को नियंत्रित करने और नेविगेशन में मदद करता है। नागर विमानन महानिदेशालय भी इस मामले का संज्ञान लेकर जल्द ही जांच कर सकती है।

भारत-अमेरिका टैरिफ समझौता उप्र के लिए अवसर : योगी

लखनऊ, 08 फरवरी (एजेंसियां)। भारत-अमेरिका प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते के तहत जारी टैरिफ ज्वाइंट स्टेटमेंट को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व का परिणाम बताते हुए कहा कि यह समझौता भारतीय निर्यातकों, एमएसएमई और श्रम-प्रधान उद्योगों के लिए वैश्विक अवसरों का विस्तार करेगा।

उन्होंने कहा कि समझौते में किसानों, खाद्य सुरक्षा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के हितों को पूर्ण रूप से संरक्षित रखा गया है, साथ ही ङ्कमेक इन इंडियाफ को मजबूती मिलेगी और युवाओं व महिलाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल के प्रयासों की भी सराहना की मुख्यमंत्री ने कहा कि अमेरिकी टैरिफ में प्रस्तावित कटौती से उत्तर प्रदेश के निर्यात-आधारित क्लस्टर्स को संरचनात्मक बढ़त मिलेगी। भदोही-मिर्जापुर कार्पेट, वाराणसी सिल्क, कानपुर-आगरा लेदर, मेरठ-मुरादाबाद होम डेकोर तथा पूर्वांचल के टेक्सटाइल उद्योग को लागत प्रतिस्पर्धा में लाभ होगा। चुनिंदा कृषि उत्पादों और प्रोसेस्ड फूड पर शून्य शुल्क से मूल्यवर्धित निर्यात को बढ़ावा मिलेगा, जबकि फार्मा, मशीनरी और ऑटो कंपोनेंट्स को वैश्विक सप्लाई चेन से जुड़ने का अवसर मिलेगा। इससे एमएसएमई इकाइयों की सीधे निर्यात में भागीदारी बढ़ने की संभावना है।

उन्होंने कहा कि नोएडा-ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में हाई-टेक मैन्युफैक्चरिंग और डेटा सेंटर निवेश को भी इस समझौते से प्रोत्साहन मिलेगा। संवेदनशील कृषि क्षेत्रों में संतुलन बनाए रखते हुए किसानों के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित की गई है। मुख्यमंत्री ने इसे उत्तर प्रदेश के लिए निर्यात, निवेश और रोजगार सृजन के लिहाज से दीर्घकालिक अवसर करार देते हुए कहा कि यह समझौता राज्य की अर्थव्यवस्था को नई गति देगा।

एलिजाबेथ गोगोई ने नौ बार पाकिस्तान की यात्रा की थी : सीएम हिमंत बिस्वा सरमा

गुवाहाटी, 08 फरवरी (एजेंसियां)। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने रविवार को दावा किया कि कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई की पत्नी एलिजाबेथ गोगोई ने पाकिस्तान के अली तौकीर शेख को एक गोपनीय रिपोर्ट भेजी थी, जिसकी भारत विरोधी गतिविधियां जांच के दायरे में हैं। उन्होंने इसे राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर चिंता का विषय बताया। सरमा ने कहा कि हमारे स्टेट कैबिनेट ने यह फैसला लिया है कि मामले की जांच किसी केंद्रीय एजेंसी से कराई जाए, ताकि इस मामले का एक तार्किक निष्कर्ष निकाला जा सके। इसलिए हम सोमवार को इस मामले को केंद्रीय गृह मंत्रालय को भेजेंगे। न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए मुख्यमंत्री सरमा ने कहा कि ये आरोप विशेष जांच दल (एसआईटी) द्वारा उजागर की गई जांच के निष्कर्षों से सामने आए हैं। असम मुख्यमंत्री ने कहा कि एलिजाबेथ गोगोई ने 9 बार पाकिस्तान की यात्रा की और जब हमने इसका कारण पूछा तो उनके ऑफिस ने इसकी जानकारी न होने की बात कही। उन्होंने कहा कि एक बार एलिजाबेथ गोगोई अपने पति गौरव गोगोई को लेकर पाकिस्तान गईं थी और वो वहां 10 दिनों तक ठहरे थे। हम यह जानना चाहते हैं कि उनके इस पाकिस्तान टूर का अरेंजमेंट किसके द्वारा किया गया था। मुख्यमंत्री के अनुसार, एसआईटी ने 5 अगस्त, 2014 के एक दस्तावेज का हवाला दिया है, जिसमें कथित तौर पर एलिजाबेथ गोगोई द्वारा गोपनीय चिह्नित 50 पृष्ठों की रिपोर्ट पाकिस्तान में अली तौकीर शेख को भेजे जाने का उल्लेख है।मुख्यमंत्री सरमा ने दावा किया कि चूंकि यह रिपोर्ट एक चिंताजनक देश को भेजी गई थी, इसलिए इसकी स्थिति एक वर्गीकृत खुफिया संचार और एक क्षेत्रीय खुफिया रिपोर्ट के समान है।उन्होंने दावा किया कि प्रथम दृष्टया, यह कृत्य आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम, 1923 की धारा 2 के प्रावधानों के अंतर्गत आता प्रतीत होता है।मुख्यमंत्री सरमा ने कहा कि राज्य सरकार ने इस मामले को गंभीरता से लिया है और एसआईटी की जांच के निष्कर्षों के आधार पर सभी कानूनी विकल्पों पर विचार करेगी।उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा कि इस्लामाबाद में अपने कार्यकाल के दौरान एलिजाबेथ गोगोई, पाकिस्तानी नागरिक अली तौकीर शेख द्वारा स्थापित जलवायु परिवर्तन संबंधी गैर-लाभकारी संस्था लीड पाकिस्तान का अभिन्न अंग थीं। बताया जाता है कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान दोनों से जुड़े अंतरराष्ट्रीय जलवायु परियोजनाओं पर काम किया, जिसमें वैश्विक जलवायु और विकास ज्ञान नेटवर्क (सीडीकेएन) में साझा भागीदारी भी शामिल है।मुख्यमंत्री सरमा ने कहा कि एसआईटी के मुताबिक, नई दिल्ली में मलीड इंडियाफ नाम की एक इकाई विदेशी निधियों के लिए एक माध्यम के रूप में स्थापित की गई थी, जो एफसीआरए की सीमाओं को दरकिनार कर रही थी।मुख्यमंत्री ने एलिजाबेथ गोगोई पर संवेदनशील सरकारी जानकारी अपने पाकिस्तानी सहयोगी को देने का भी आरोप लगाया।एसआईटी की जांच में पाया गया कि उन्होंने पाकिस्तान में अपने कार्यकाल के दौरान असम सरकार की एक आंतरिक गोपनीय रिपोर्ट (जिसमें गोपनीय मानी जाने वाली सामग्री थी) शेख को सौंपी थी। यदि यह सच है, तो आधिकारिक दस्तावेजों का यह हस्तांतरण भारत के आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम का उल्लंघन हो सकता है।

आम आदमी पार्टी के फरेब ने दिल्लीवासियों के लिए समस्याएं खड़ी की : नितिन नवीन

नई दिल्ली, 08 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष नितिन नवीन ने रविवार को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 500 इलेक्ट्रिक बसों का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने सीएम रेखा गुप्ता की टीम को परिणामोन्मुखी सरकार बताया और पिछली आम आदमी पार्टी (आप) सरकार पर भ्रामक विज्ञापन जारी करने और जमीनी स्तर पर विकास कार्य करने में विफल रहने का आरोप लगाया। दिल्ली के रामलीला मैदान में भाजपा सरकार की पहली वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित शुभारंभ कार्यक्रम में बोलते हुए भाजपा अध्यक्ष नवीन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना है कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली को व्यापक विकास, आधुनिक बुनियादी ढांचे और बेहतर नागरिक सुविधाओं के साथ एक मविकसित दिल्लीफ के रूप में स्थापित किया जाए। उन्होंने पूर्व आम आदमी सरकार पर जनता से झूठे वादे करने का आरोप लगाते हुए कहा कि विभिन्न विकास पहलों के माध्यम से आज यह सपना साकार होता दिख रहा है।भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि उनके (आप के) झूठ और फरेब ने दिल्लीवासियों के लिए समस्याएं खड़ी कर दी हैं। वे बड़े-बड़े होर्डिंग लगाते थे और भव्य कार्यक्रम आयोजित करते थे, लेकिन उनका विकास सिर्फ कागजों तक ही सीमित रहा।

उन्होंने आगे कहा कि दिल्ली में भाजपा को मिले भारी जनादेश ने वादों को पूरा करने के मामले में जनता की अपेक्षाएं भी बढ़ा दी हैं।उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता एक परिणामोन्मुखी सरकार साबित होंगी।वायु प्रदूषण से निपटने के लिए ई-बसों के शुभारंभ को एक बड़ा कदम बताते हुए भाजपा अध्यक्ष नवीन ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता द्वारा सार्वजनिक परिवहन को लोकप्रिय बनाना वाहन प्रदूषण से निपटने का सबसे कारगर उपाय है।भाजपा अध्यक्ष ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा करते हुए लिखा कि आज नई दिल्ली के रामलीला मैदान में दिल्ली सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित होकर 500 इलेक्ट्रिक बसों का शुभारंभ एवं दिल्ली-पानीपत इंटर-स्टेट बस सेवा का लोकार्पण किया।उन्होंने लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना है कि दिल्ली समग्र विकास, आधुनिक अधोसंरचना और बेहतर नागरिक सुविधाओं के साथ मविकसित दिल्लीफ के रूप में स्थापित हो, और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में यह सपना आज विभिन्न विकासात्मक पहलों के माध्यम से साकार होती दिखाई दे रही है।

असम सरकार ने लिया पाकिस्तानी नागरिक अली तौकीर की जांच केंद्रीय गृह मंत्रालय को सौंपने का निर्णय

गुवाहाटी, 08 फरवरी (एजेंसियां)। असम सरकार ने पाकिस्तानी नागरिक अली तौकीर शेख से जुड़े मामले की जांच केंद्रीय गृह मंत्रालय को सौंपने का फैसला किया है।

मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की अध्यक्षता में शनिवार को यहां हुई कैबिनेट की बैठक में इस आशय का निर्णय लिया गया। श्री सरमा ने बैठक के बाद संवाददाताओं को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सरकार गृह मंत्रालय से इस मामले की आगे की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) या राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) जैसी किसी भी केंद्रीय एजेंसी से करवाने का अनुरोध करेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने एक ब्रिटिश नागरिक एलिजाबेथ कोलबर्न गोगोई के साथ मिलकर अली तौकीर शेख की कथित भारत विरोधी साजिश की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। उन्होंने कहा, एसआईटी जांच में संवेदनशील सबूत मिले हैं। हालांकि, एसआईटी एक निश्चित सीमा से आगे मामले की जांच नहीं कर सकती, क्योंकि इसके लिए इंटरपोल की मदद की ज़रूरत है। इसलिए, मामले को आगे की जांच के लिए केंद्र सरकार की किसी भी एजेंसी को सौंपने का फैसला किया गया है।

कैबिनेट ने मुख्यमंत्री को रिपोर्ट का एक हिस्सा मीडिया को बताने के लिए भी अधिकृत किया है और मुख्यमंत्री रविवार को मीडिया को विवरण बताएंगे। अली तौकीर शेख के खिलाफ मामला इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि ब्रिटिश नागरिक एलिजाबेथ गोगोई, जिनका नाम मुख्यमंत्री ने इस मामले में जोड़ा है, असम प्रदेश कांग्रेस समिति के प्रमुख गौरव गोगोई की पत्नी हैं।

पप्पू यादव की गिरफ्तारी के खिलाफ सड़क पर उतरी कांग्रेस, सीएम का पुतला फूंका

पटना, 08 फरवरी (एजेंसियां)। पटना के हॉस्टल में रहकर पढ़ाई कर रही एक छात्रा की मौत के मामले में दोषियों के अब तक गिरफ्तार नहीं होने तथा न्याय के लिए आवाज उठाने वाले सांसद पप्पू यादव की गिरफ्तारी के खिलाफ बिहार कांग्रेस के नेता रविवार को सड़क पर उतरे। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम के मुख्यद्वार पर कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने जमकर प्रदर्शन किया और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का पुतला जलाया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने इस मौके पर राज्य की सरकार और प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि केंद्र एवं राज्य में बैठी संघी मानसिकता से पोषित सरकार के द्वारा बिहार की बेटियों के साथ किए जा रहे अन्याय और अत्याचार को सहन नहीं किया जाएगा। बच्चियों और महिलाओं की सुरक्षा, न्याय और अधिकारों की हर लड़ाई का नेतृत्व कांग्रेस ने किया है और आगे भी करती रहेगी। नेताओं ने कहा कि पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव लगातार छात्रा मौत मामले के दोषियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए राज्य की सरकार पर हमलावर हैं। उनकी गिरफ्तारी निंदनीय है। उनकी गिरफ्तारी राज्य की निकम्मी सरकार द्वारा मौत के मामले को दबाने के लिए की गई है। कांग्रेस के नेताओं ने बिहार की एनडीए सरकार को निरंकुश बताते हुए कहा कि हम मांग करते हैं कि छात्रा और उसके परिवार को अविलंब न्याय मिले। नाहक राज्य की एनडीए सरकार सांसद के संवैधानिक अधिकारों को अपने पुलिस के जोर से दबाने का कुत्सित प्रयास न करे।विरोध प्रदर्शन एवं पुतला दहन कार्यक्रम में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं ने नीतीश सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की और मृत छात्रा के परिवार के साथ न्याय मिलने तक खड़े रहने की बात दोहराई।

फॉर्म-7 से सपा के वोट काटने की कोशिश, यूपी-बंगाल में चुनाव प्रभावित करने की साजिश : अखिलेश

लखनऊ, 08 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र की शुरुआत से पहले समाजवादी पार्टी (सपा) के मुखिया और प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने पार्टी मुख्यालय में सपा विधायकों की बैठक की। इस दौरान उन्होंने विधायकों को सत्र के दौरान सरकार को घेरने की रणनीति बताई। बैठक में संगठनात्मक मुद्दों के साथ-साथ चुनावी प्रक्रिया और कथित गड़बड़ियों का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। बैठक के बाद अखिलेश यादव ने कहा कि पिछली प्रेस कॉन्फ्रेंस में सपा ने फॉर्म-7 को लेकर गंभीर सवाल उठाए थे। उनका आरोप है कि सरकार ने कुछ पेशेवर एजेंसियों को हायर किया है, जिनके लोग दिल्ली, लखनऊ समेत देश के विभिन्न स्थानों पर बैठकर मतदाता सूची का पूरा डेटा विश्लेषण कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ये एजेंसियां मतदाता सूची के आधार पर उन बूथों की पहचान कर रही हैं, जहां समाजवादी पार्टी चुनाव जीतती रही है। इसके बाद उन्हीं बूथों से संबंधित मतदाताओं के नाम हटाने के लिए बड़े पैमाने पर फॉर्म-7 भरकर प्रिंट कर भेजे जा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि इसको लेकर कई जगहों पर हंगामा भी हुआ है।

सपा प्रमुख ने कहा कि इस संबंध में उन्हें कई जानकारियां मीडिया, यूट्यूब चैनलों और जमीनी स्तर पर रिपोर्टिंग करने वाले पत्रकारों के माध्यम से मिली हैं। उन्होंने पत्रकारों और डिजिटल मीडिया से जुड़े लोगों का आभार जताते हुए कहा कि कई पत्रकारों ने जिम्मेदारी निभाते हुए मौके पर जाकर यह जानकारी जनता तक पहुंचाने का काम किया कि चुनाव प्रक्रिया में किस तरह की गड़बड़ियां हो रही हैं। ग्राउंड पर जाकर यह खुलासा किया कि भाजपा चुनाव आयोग के साथ मिलकर गड़बड़ी कर रही है।उन्होंने आगे कहा कि यह सिलसिला नया नहीं है। बिहार में एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) के माध्यम से चुनाव जीता गया। एसआईआर ने माहौल बिगाड़ने, दबाव बनाने और वोटरों को प्रभावित करने में बड़ी भूमिका निभाई।अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि बिहार और पश्चिम बंगाल के संदर्भ में भी इसी तरह के आरोप लगाए गए हैं। उन्होंने कहा कि हाल के उपचुनावों में जो स्थिति देखने को मिली है, उससे ऐसा प्रतीत होता है कि चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर गंभीर चिंतन की जरूरत है।उन्होंने आगे कहा कि बंगाल सरकार और वहां की मुख्यमंत्री लगातार यह कह रही हैं कि चुनाव आयोग अब भाजपा का आयोग बन गया है।

ब्लू वेलवेट ड्रेस में नजर आईं सोनम कपूर, बेबी बंप के साथ इवेंट में पहुंची एक्ट्रेस

दूसरी बार मां बनने जा रही सोनम कपूर एक बार फिर सुर्खियों में हैं। हाल ही में वह मुंबई के लोअर परेल में आयोजित एक इंटरनेशनल ब्यूटी ब्रांड के इवेंट में नजर आईं। इस दौरान सोनम का खास ख्याल रखा जा रहा था, एक दोस्त उन्हें सहारा देते हुए वेन्यू तक लेकर पहुंचा। प्रेग्नेंसी के इस फेज में भी सोनम ने सादगी और स्टाइल का खूबसूरत मिक्सचर दिखाया।

ब्लू वेलवेट ड्रेस में दिखीं सोनम

शुक्रवार को सामने आए वीडियोज में सोनम लैनकॉम के इवेंट में ब्लू वेलवेट ड्रेस पहने दिखीं। उन्होंने मेकअप और एक्सेसरीज को बेहद मिनिमल रखा था और बाल खुले छोड़े थे। जैसे ही वह इवेंट की ओर बढ़ीं, उनकी दोस्त ने उनका हाथ थाम रखा था। दोनों के बीच हल्की-फुल्की बातचीत चलती दिखी और कैमरों के सामने सोनम मुस्कुराती रहीं। पूरे समय उनकी बॉडी लैंग्वेज से आराम और कॉन्फिडेंस साफ झलक रहा था।

दूसरी बार मां बनने वाली हैं सोनम

40 साल की सोनम कपूर दूसरी बार मां बनने वाली हैं। उन्होंने नवंबर में बड़े ही अलग और स्टाइलिश अंदाज में अपनी प्रेग्नेंसी की खुशखबरी दी थी। उस वक्त उन्होंने प्रिंसेस डायना से इंस्पायर्ड तस्वीरें शेयर की थीं, जिनमें वह 1988 की पिंक विंटेज एस्काडा आउटफिट में नजर आई थीं। ये लुक प्रिंसेस डायना के आइकॉनिक फैशन को ट्रिब्यूट जैसा था।

2022 में हुआ था पहला बच्चा

सोनम और आनंद की लव स्टोरी और फैमिली लाइफ को फैंस लंबे समय से करीब से फॉलो करते रहे हैं। दोनों ने 2018 में शादी की थी और 2022 में उनका पहला बच्चा बेटे के रूप में हुआ। अब दूसरे बच्चे की आने वाली खुशी के साथ यह कपल एक बार फिर नए चैप्टर की शुरुआत करने जा रहा है।

वेलेंटाइन वीक स्पेशल : 90 के दशक की रोमांटिक फिल्मों से खास बनाएं अपना वक्त

वेलेंटाइन वीक की शुरुआत के साथ ही युवाओं में खासा उत्साह देखा जाता है। अपने दिन को खास बनाने के लिए कपल्स डेट प्लान करते हैं, लेकिन अगर आप घर पर ही अपने वेलेंटाइन वीक को रोमांटिक बनाने का प्लान कर रहे हैं, तो हम आपके लिए 90 के दशक की शुद्ध रोमांस से भरी फिल्मों की जानकारी लेकर आए हैं। साल 1994 में आई फिल्म '1942 : ए लव स्टोरी' में अनिल कपूर और मनीषा कोइराला की रोमांटिक केमिस्ट्री को खूब पसंद किया गया था। फिल्म अंग्रेजों के दौर की संघर्ष से भरी प्रेम कहानी को दिखाती है, जिसमें अनिल कपूर और मनीषा कोइराला राजनीतिक अशांति और अपने परिवारों की असहमति के बावजूद एक-दूसरे के प्यार में डूबे दिखते हैं। उनकी कहानी में कई उतार-चढ़ाव भी देखने को मिलते हैं। साल 1996 में सलमान खान, मनीषा कोइराला और नाना पाटेकर स्टारर 'खामोशी: द म्यूजिकल' भी रोमांटिक ड्रामा फिल्म है, जिसमें सिर्फ प्यार नहीं, बल्कि त्याग की भावना को भी पर्दे पर दिखाया गया है। फिल्म में मनीषा का किरदार सुन और बोल नहीं सकती, उन्हें सलमान खान से प्यार हो जाता है। वह पूरी फिल्म में अपने प्यार और परिवार के बीच संतुलन बैठाती नजर आती है।

साल 1998 में आई अनीस बज्मी की फिल्म 'प्यार तो होना ही था' को दर्शकों का बहुत प्यार मिला था। फिल्म और गाने दोनों को खूब पसंद किया गया था। फिल्म हॉलीवुड की 'फ्रेंच किस' का रीमेक थी, जिसमें अजय और काजोल लीड रोल में हैं। फिल्म में काजोल अपने मंगेतर को वापस लाने के लिए भारत आती हैं, लेकिन उनकी मुलाकात अजय देवगन से होती है और इस यात्रा में दोनों को कब एक-दूसरे से प्यार हो जाता है, पता ही नहीं चलता।

यश चोपड़ा की फिल्म 'दिल तो पागल है' आज भी लोगों की पसंदीदा फिल्म है। फिल्म में शाहरुख खान, माधुरी दीक्षित और करिश्मा कपूर के बीच के लव ट्रायंगल को दिखाया गया है। फिल्म में शाहरुख और करिश्मा पुराने और अच्छे दोस्त हैं और तभी माधुरी दीक्षित की एंट्री होती है। दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ती हैं और दोनों को करीब आते देख करिश्मा को महसूस होता है कि वह शाहरुख से प्यार करती है, जिसके बाद शाहरुख खान और माधुरी दीक्षित को अलग करने के लिए करिश्मा साजिश करती है।

सूरज बड़जात्या की फिल्म 'हम आपके हैं कौन' को लिस्ट में शामिल न करना प्यार के साथ धोखा करना जैसा होगा क्योंकि मोहब्बत के मामले में ये फिल्म बाकी सभी फिल्मों को पीछे छोड़ती है। फिल्म दो परिवारों के दो युवाओं के बीच पनप रही प्यारी प्रेम कहानी को दिखाती है, जिसमें शादी के बीच सलमान खान और माधुरी दीक्षित दोनों ही एक दूसरे को दिल दे बैठते हैं। इसके अलावा, 1990 में आई 'आशिकी', 1991 में आई 'लम्हें', 'साजन', 'दिल है कि मानता नहीं', 1997 में आई 'राजा हिंदुस्तानी', 1997 में आई 'परदेस', 1998 में आई 'प्यार किया तो डरना करना' भी देख सकते हैं।

आज के सिनेमा में कंटेंट की कमी, नहीं पता भविष्य कैसा होगा : दीपक पराशर

अभिनेता दीपक पराशर ने एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में कंटेंट, 8 घंटे की शिफ्ट के साथ ही अन्य कई मुद्दों पर खुलकर बात की। पराशर ने सिनेमा और ओटीटी के बदलते दौर पर अपनी राय रखी। खासखबर से खास बातचीत में उन्होंने खुद को 'ओल्ड स्कूल' बताते हुए कहा, आज की एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में कंटेंट की भारी कमी हो गई है। पराशर ने याद किया कि जब वह साल 1976 में पहली बार इंडस्ट्री में आए थे और 'मिस्टर इंडिया' बने थे, तब पूनम ढिल्लों मिस दिल्ली थीं। उस समय फिल्मों में चकाचौंध, ग्लैमर और अलग ही जोश था, जो आज लगभग गायब-सा हो गया है। मैं बहुत पुराने ख्यालों का हूं। इंडस्ट्री धीरे-धीरे कंटेंट की कमी की तरफ बढ़ रही है। डिजिटलाइजेशन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बढ़ते प्रभाव पर बात करते हुए उन्होंने चिंता जताई कि एआई आने वाले समय में सब कुछ संभाल लेगा, जिससे फिल्म इंडस्ट्री का भविष्य अनिश्चित हो गया है। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता कि फिल्म इंडस्ट्री का भविष्य क्या होने वाला है। बातचीत में पराशर ने छोटे और संघर्षरत कलाकारों की मुश्किलों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने दीपिका पादुकोण के उस बयान का जिक्र किया, जिसमें दीपिका ने कहा था कि वे आठ घंटे से ज्यादा शिफ्ट में काम नहीं करेंगी और प्रेग्नेंट एक्ट्रेस को छुट्टी मिलनी चाहिए।

पराशर ने इसे सराहा, लेकिन साथ ही कहा कि ऐसे मुद्दों का टॉप स्टार्स पर कोई असर नहीं पड़ता। पराशर का मानना है कि बड़े सितारे छोटे कलाकारों के संघर्ष को सपोर्ट करने के लिए आगे नहीं आते, जिससे इंडस्ट्री में असमानता बनी रहती है।

दीपक पराशर ने यह भी कहा कि नए दौर में सीनियर एक्टर्स को अलग-अलग तरह के रोल मिल रहे हैं, लेकिन कुल मिलाकर कंटेंट की गुणवत्ता पर असर पड़ रहा है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, ज्यादातर टॉप लोगों को न पैसे की कमी होती है, न समय की, न ही सर्वाइवल की। जरूरतमंद एक्टर्स के मुद्दे उनके लिए ज्यादा मायने नहीं रखते, क्योंकि सब कुछ उनके हिसाब से चलता है। वे ही सेलिंग फैक्टर हैं।

11 दिन में साइन की 47 फिल्में, ऐसा था राहुल रॉय का शुरुआती करियर, एक गलती ने बदल दी जिंदगी

हिंदी सिनेमा ने कई ऐसे सितारों को पर्दे से आते-जाते देखा, जिन्होंने एक झटके में अपार सफलता हासिल की और फीमेल फैंस के दिलों पर राज किया। हम बात कर रहे हैं राहुल रॉय की, जिनका हेयर स्टाइल, मासूम चेहरा और लवरबॉय इमेज ने सबका दिल धड़का दिया। उनकी फिल्म 'आशिकी' साल 1990 के दशक की ब्लॉकबस्टर फिल्म रही और 6 महीनों तक लगातार सिनेमाघरों में चली। इतनी सुपरहिट फिल्म देने के बाद भी आज राहुल रॉय छोटे बजट की फिल्मों में काम करके अपना गुजारा कर रहे हैं। 9 फरवरी को जन्मे राहुल रॉय ने महेश भट्ट की 'आशिकी' फिल्म से ही अपने करियर की शुरुआत की थी, जहां पहली फिल्म के लिए उन्हें 30 हजार रुपये मिले थे, जबकि एक्ट्रेस अनु अग्रवाल की फीस अभिनेता से ज्यादा थी। पहली फिल्म सुपरहिट साबित हुई और फिल्म के गाने भी लोगों की जुबान पर रहे। कहा जाता है कि 1990 के समय फिल्म के गानों की सबसे ज्यादा एल्बम मार्केट में बेची गई थीं और आलम ये था कि शाहरुख खान, सलमान खान और आमिर खान का क्रेज भी अभिनेता के आगे कम आंक जाने लगा।

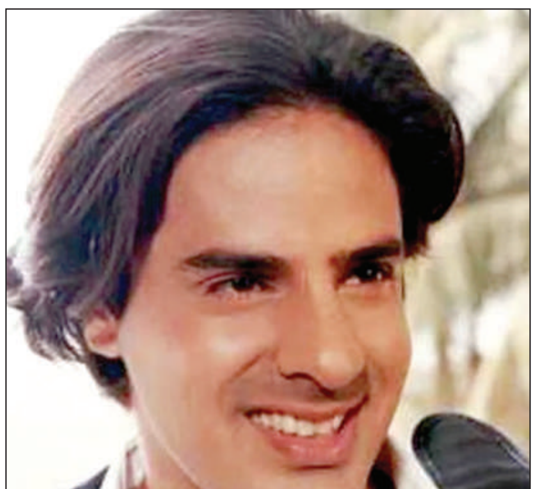

हालांकि, कहते हैं कि किस्मत कब पलट जाए कहा नहीं जा सकता और एक गलती से अभिनेता का करियर चौपट हो गया।

'आशिकी' के बाद राहुल का स्टारडम इतना बढ़ गया कि उन्होंने बिना सोचे-समझे आनन-फानन में 11 दिनों में 47 फिल्में साइन कर डाली। फिल्मों की शूटिंग शुरू हुई और ज्यादातर फिल्में बॉक्स ऑफिस पर पिट गईं। एक हिट देने के बाद अभिनेता के करियर में फ्लॉप फिल्म की बाढ़ आ गई। उन्होंने बैक टू बैक 'गजब तमाशा', 'सपने साजन के', 'फिर तेरी कहानी याद आई', 'गुमराह', 'नसीब', 'दिलवाले कभी न हारे', और 'बारिश' जैसी फ्लॉप फिल्में दीं।

राहुल की लोकप्रियता का ग्राफ जितनी तेजी से ऊपर गया, उतनी ही तेजी से नीचे भी आया। चॉकलेटी चेहरे और स्टाइलिश जुल्फों ने उन्हें पहचान जरूर दी, लेकिन दमदार अभिनय की कमी भी नजर आई। अकेले दम पर फिल्म को हिट करने की काबिलियत पर भी सवालिया निशान थे। वहीं, फ्लॉप फिल्मों के बीच अभिनेता शारीरिक बीमारियों से भी परेशान रहने लगे और धीरे-धीरे सिनेमा की पर्दे से गायब होते गए। बाद में वे कई छोटे प्रोजेक्ट में नजर आए।

साल 2020 में शूटिंग के दौरान आए ब्रेन स्ट्रोक ने उनकी जिंदगी बदल दी। कई साल अस्पताल के बिस्तर पर बिताने के बाद उन्हें हर तरीके से स्ट्रगल करना पड़ा। 'बिग बॉस' में आकर अपनी किस्मत आजमाने वाले राहुल रॉय अब अभिनेता कम बजट की फिल्मों में दिखते हैं। बीते साल अक्टूबर के महीने में उनकी 'अगर' नाम की फिल्म रिलीज हुई है। फिल्मों के अलावा शादी और फंक्शन में हिस्सा लेकर भी अपना गुजारा कर रहे हैं।

हैदराबाद एयरपोर्ट पर स्पॉट हुईं प्रियंका चोपड़ा : मास्क हटाकर सिक्योरिटी चेक के दौरान नजर आईं

सफेद मोनोक्रोमैटिक लुक में रिलैक्स्ड दिखीं एक्ट्रेस

एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा को हाल ही में हैदराबाद एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया। वे एस. एस. राजामौली की अपकमिंग फिल्म 'वाराणसी' की शूटिंग शेड्यूल पूरा करने के बाद रवाना हो रही थीं। एयरपोर्ट में एंट्री के दौरान उन्होंने मास्क पहना हुआ था, जिसे उन्होंने सिक्योरिटी चेक के लिए हटाया। एयरपोर्ट पर प्रियंका का ट्रैवल लुक सिंपल और रिलैक्स्ड नजर आया। उन्होंने मोनोक्रोमैटिक सफेद आउटफिट पहना था, जिसमें सफेद कार्गो ट्राउजर के साथ सफेद क्रॉप टॉप शामिल था। लुक को उन्होंने कैप और बन हेयरस्टाइल के साथ पूरा किया।

प्रियंका ने हैदराबाद में कैब राइड का एक वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किया। वीडियो में प्रियंका गाड़ी में मिले एक अजीब मास्क को देखकर हल्के-फुल्के मस्ती भरे अंदाज में दिखीं।

बता दें कि प्रियंका भारत फिल्म 'वाराणसी' की शूटिंग के लिए आई थीं, जिसे एस. एस. राजामौली डायरेक्ट कर रहे हैं। यह एक बड़े लेवल की एक्शन-एडवेंचर फिल्म है, जिसमें महेश बाबू लीड रोल में हैं। इस फिल्म से प्रियंका भारतीय फिल्मों में वापसी कर रही हैं और फिल्म 7 अप्रैल 2027 को रिलीज होगी।

फिल्म 'द ब्लफ' में नजर आएंगी प्रियंका

प्रियंका जल्द फिल्म 'द ब्लफ' में नजर आएंगी, जो 25 फरवरी को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। यह फिल्म 19वीं सदी के कैरिबियन द्वीप समूह पर आधारित है। प्रियंका इसमें 'एर्सेल बोडेन' उर्फ 'ब्लडी मैरी' नाम की एक पूर्व समुद्री डाकू की भूमिका निभा रही हैं, जो अपने परिवार को बचाने के लिए अपने हिंसक अतीत का सामना करती है।

यह फिल्म मूल रूप से अंग्रेजी में है, लेकिन भारत के लिए इसे हिंदी, तमिल और तेलुगु सहित कई क्षेत्रीय भाषाओं में डब किया जाएगा। इसका निर्देशन फ्रैंक ई. फ्लावर्स ने किया है और इसे एवेंजर्स फेम रूसो ब्रदर्स ने प्रोड्यूस किया है।

भैरव अष्टमी आज

जानकी जन्मोत्सव और मासिक कृष्ण जन्माष्टमी, जानें शुभ-अशुभ समय

सोमवार 9 फरवरी को फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि है, जो पूर्ण रात्रि तक रहेगी। इस दिन तीन धार्मिक पर्व हैं। भैरव अष्टमी या कालाष्टमी, जानकी जन्मोत्सव और मासिक कृष्ण जन्माष्टमी। भक्तजन इन अवसरों पर विशेष पूजा, व्रत और जागरण करते हैं। भैरव अष्टमी या कालाष्टमी हर माह कृष्ण पक्ष की अष्टमी को मनाई जाती है। यह भगवान शिव के रौद्र रूप काल भैरव को समर्पित है। भक्त उपवास रखकर पूजा करते हैं, जो सुरक्षा, नकारात्मकता से मुक्ति और बाधाओं के निवारण के लिए की जाती है। 8 फरवरी को जानकी जन्मोत्सव भी है, जो फाल्गुन कृष्ण की अष्टमी को मनाई जाती है, माता सीता के जन्म के उत्सव को सीता अष्टमी भी कहते हैं। इस दिन मासिक कृष्ण जन्माष्टमी भी है, स्कंदपुराण, पद्मपुराण, नारदपुराण आदि ग्रंथों में इसका महत्व बताया गया है। भक्त लड्डू गोपाल की पूजा, भजन-कीर्तन और जागरण करते हैं, जिससे सुख, शांति और कृपा प्राप्त होती है। दृक पंचांग के अनुसार सोमवार को नक्षत्र विशाखा पूर्ण रात्रि तक रहेगा।

योग वृद्धि 10 फरवरी की रात 12 बजकर 52 मिनट तक है। करण बालव शाम 6 बजकर 12 मिनट तक और फिर कौलव पूर्ण रात्रि तक रहेगा। चंद्रमा तुला राशि में संचार करेंगे। सूर्योदय 7 बजकर 4 मिनट पर और सूर्यास्त शाम 6 बजकर 7 मिनट पर होगा।

शुभ मुहूर्त की बात करें तो ब्रह्म मुहूर्त सुबह 5 बजकर 21 मिनट से 6 बजकर 12 मिनट तक है। अभिजित मुहूर्त दोपहर 12 बजकर 13 मिनट से 12 बजकर 58 मिनट तक है। विजय मुहूर्त दोपहर 2 बजकर 26 मिनट से 3 बजकर 10 मिनट तक गोधूलि मुहूर्त शाम 6 बजकर 4 मिनट से 6 बजकर 30 मिनट तक और अमृत काल रात 10 बजकर 4 मिनट से 11 बजकर 51 मिनट तक है।

अशुभ समय की बात करें तो राहुकाल सुबह 8 बजकर 27 मिनट से 9 बजकर 50 मिनट तक है। यमगंड सुबह 11 बजकर 13 मिनट से दोपहर 12 बजकर 35 मिनट तक है। गुलिक काल दोपहर 1 बजकर 58 मिनट से 3 बजकर 21 मिनट तक है। वहीं, आडल योग पूरे दिन है। इनमें शुभ कार्य वर्जित होता है।

बुध-शुक्र-राहु का अद्भुत संयोग, कई राशियों को आय में वृद्धि और करियर में सफलता के योग

बुध-शुक्र और राहु के कुंभ राशि में एक साथ मिलने से त्रिग्रही योग का निर्माण हो रहा है। वैदिक ज्योतिष में इसे दुर्लभ और मंगलकारी माना जाता है। एक ही राशि में तीन ग्रहों के एक साथ आने से बनने वाला यह योग आय में वृद्धि और करियर में सफलता दिलाता है। नौकरी और व्यवसाय करने वालों के लिए यह योग अच्छे लाभ प्रदान करता है। इस युति के शुभ प्रभाव से मेष, कन्या और कुंभ सहित कई राशियों के जातकों का भाग्योदय होगा।

मेष राशि: जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा

राशि का स्वामी दशम प्रमुख कर्म-केन्द्र भाव में है और चन्द्र भी मकर राशि में है। ऐसे में आपको जीवन साथी का पूरा सहयोग मिलेगा। तृतीय भाव में बृहस्पति होने के कारण संतान पक्ष से भी कोई शुभ समाचार प्राप्त हो सकता है। शाम के समय कोई रुका हुआ काम अचानक से पूरा हो जाएगा। रात का समय परिवार के साथ बीतेगा।

वृष राशि: पद और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी

वृष राशि के जातकों को जीवन में शांति महसूस होगी। राजनीतिक क्षेत्र में किए गए आपके प्रयास सफलता दिलाएंगे। शासन व सत्ता से गठजोड़ का लाभ मिल सकता है। इसके साथ ही पद और प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होती दिख रही है। रात के समय कुछ अप्रिय व्यक्तियों से भी अनावश्यक मुलाकात हो सकती है। वहीं, संतान पक्ष से शुभ समाचार की प्राप्ति होगी।

मिथुन राशि: संतान से शुभ समाचार मिलेगा

राशि स्वामी अष्टम भाव में मौजूद है। इसके कारण किसी मूल्यवान वस्तु के खोने या चोरी होने की संभावना रहेगी। संतान की ओर से कोई शुभ समाचार सुनने को मिल सकता हैं। किसी प्रतियोगिता में सफलता मिलने की पूरी संभावना है। वहीं, शाम के समय आपका कोई रुका हुआ कार्य भी पूरा हो सकता है। रात्रि के समय मांगलिक कार्यों में शामिल होने का अवसर मिलेगा।

कर्क राशि: मान-सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी

चंद्रमा के प्रभाव से आपको संपत्ति प्राप्त हो सकती है। नौकरी और व्यापार में आपको सफलता मिलेगी। समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान से संबंधित सभी दायित्व आप पूरा कर पाएंगे। इस दौरान की गई यात्रा आपके लिए सुखद व लाभदायक रहेगी। सायंकाल से लेकर रात्रि तक का समय प्रिय व्यक्तियों से मुलाकात में बीतेगा।

सिंह राशि: आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे

राशि का स्वामी सूर्य चार ग्रहों के बीच में आ गया है। ऐसे में आपको आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। आपका व्यवहार समाज में आपको सम्मान दिलाएगा। शिक्षा और प्रतियोगिता से जुड़े जातकों को विशेष सफलता मिलेगा। हालांकि, सूर्य के कारण आपको अधिक भागदौड़ करनी पड़ सकती है। आंखों से जुड़ी समस्या होने की संभावना है।

कन्या राशि: संतान से सुखद समाचार मिलेगा

रोजगार व्यापार के क्षेत्र में आपके प्रयास रंग लाएंगे। इन क्षेत्रों में आपको अकल्पनीय सफलता मिलती हुई दिख रही है। इसके अलावा संतान पक्ष से भी सुखद समाचार मिल सकता है। दोपहर बाद किसी कानूनी विवाद या मुकदमों में आपको जीत मिलेगी।

शुभ खर्चे होने से आपकी कीर्ति में भी वृद्धि होगी।

तुला राशि: बड़ी समस्या का भी समाधान होगा

आज आपके चारों ओर सुखद वातावरण बना रहेगा। घर परिवार के सभी सदस्य आपका सहयोग करेंगे। कई दिनों से चली आ रही लेन-देन की बड़ी समस्या का भी समाधान हो जाएगा। पर्याप्त मात्रा में आपको धन प्राप्त हो सकता है। विरोधियों पर आपको जीत मिलेगी। अगर किसी यात्रा पर जाने की सोच रहे हैं तो फिलहाल उसे टालना ही आपके हित में होगा।

वृश्चिक राशि: अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखें

वृश्चिक राशि के जातकों को अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखना होगा। आपकी राशि पर मंगल-शनि योग के कारण आंतरिक विकार होने की संभावना दिख रही है। ऐसे में आपके लिए बेहतर होगा कि इन सबकी जांच किसी अच्छे डॉक्टर से करा लें। सलाह मशविरा करने में पूरा दिन निकल सकता है। रोग की अवस्था में अधिक चलने से बचें।

धनु राशि: अधिकारियों से नजदीकी का लाभ मिलेगा

आपका दिन आज शुभ रहने वाला है। आपके कार्यों की विरोधी भी प्रशंसा करेंगे। वरिष्ठ अधिकारियों से नजदीकी का आपको करियर में लाभ मिलेगा। इस दौरान ससुराल पक्ष से भी पर्याप्त मात्रा में धन प्राप्त हो सकता है। शाम के समय सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेने के अवसर मिलेगा।

मकर राशि: आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगी

आपको पारिवारिक व आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगी। आजीविका के क्षेत्र में चल रहे नए प्रयासों में सफलता मिलेगी। कर्यस्थल पर कर्मचारियों का आदर प्राप्त होगा। इनके सहयोग से सभी कार्य समय पर पूरे होते चले जाएंगे। सायंकाल के समय किसी झगड़े विवाद से खुद को दूर रखें। रात के समय घर में अतिथियों का आगमन हो सकता है।

कुंभ राशि: सेहत का ध्यान रखना होगा

कुंभ राशि के जातकों को अपनी सेहत का ध्यान रखना होगा। बेवजह किसी से विवाद होने की संभावना नजर आ रही है। आपके किए गए कार्यों में असफलता और धन हानि के योग बनते दिख रहे हैं। अचानक किसी यात्रा पर भी आपको जाना पड़ सकता है। इस दौरान सावधान रहें और किसी विवाद में न पड़ें।

मीन राशि: दांपत्य जीवन मधुर रहेगा

पारिवारिक जीवन आपका मधुर रहेगा। दांपत्य जीवन में कई दिन से चला आ रहा गतिरोध समाप्त होता दिख रहा है। बहनोई और साले से किसी प्रकार का लेन-देन न करें। इससे संबंध खराब होने का खतरा है। धार्मिक क्षेत्रों की यात्रा का संयोग भी बन रहा है। इस दौरान पुण्य कार्यों पर खर्चा हो सकता है। मूल्यवान वस्तु

व्रत-उपवास के ये सूक्ष्म सूत्र साधक के मनोरथ पूर्ण करने में हैं सहायक

व्रत-उपवास से जुड़ी अनेक महत्वपूर्ण बातें हैं, जिन्हें हर व्यक्ति को जानना चाहिए। ये सभी छोटे-छोटे लाभदायक सूत्र व्रत-त्योहारों के लिए मार्गदर्शक का कार्य कर व्रती के मनोरथों को पूर्ण करते हैं।

व्रत धारण करते समय तन और मन दोनों की शुद्धता आवश्यक है।

व्रत में सफाई का पूरा ध्यान रखना चाहिए तथा वस्त्र भी साफ-सुथरे व स्वच्छ होने चाहिए।

व्रत का पूजन स्वच्छ और मनोरम स्थल पर करना चाहिए।

व्रत पारण के दौरान संकल्प पर विशेष जोर दिया जाता है। व्रत रखने के लिए चौबीस घंटे पूर्व आहार-विहार और चित्त की एकाग्रता पर पूरा ध्यान रखना चाहिए।

व्रत रखने वाले को इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए कि व्रत आरम्भ करने के बाद यदि क्रोध, लोभ, मोह या आलस्यवश व्रत को अधूरा छोड़ा गया है तो तीन दिन तक अन्न का त्याग करके व्रत को पुनः प्रारम्भ कर देना चाहिए। यदि आपने संकल्प लिया है तो यथासाध्य उसका पालन करना चाहिए।

व्रत की अवधि पूरी हो जाने पर उसका उद्यापन करना चाहिए। क्योंकि उद्यापन किए बिना व्रत का फल नहीं मिलता, व्रत निष्फल होता है।

प्रायः लोग व्रत, उपवास के एक दिन पूर्व अधिक से अधिक भोजन ग्रहण कर लेते हैं जिसका उनके स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है। धर्मशास्त्रों में इस तरह की परिपाटी की निंदा की गई है।

व्रत के दिन बालों या शरीर पर तेल या उबटन का उपयोग करना वर्जित है ।

व्रत के पूर्व और पारण के समय तली चीजें ग्रहण नहीं करनी चाहिए। '

व्रत की अवधि में नाखून काटना वर्जित है।

व्रत की अवधि में चोरी, झूठ बोलना, धोखा देना, बेईमानी करना आदि पाप कर्मों को त्याग कर क्षमा, दया, दान, देवपूजा, पवित्र एवं पुण्यदायक कार्य करने चाहिए।

व्रत संकल्प के पश्चात स्त्रियां यदि रजस्वला हो जाएं तो भी उन्हें व्रत का पालन करना चाहिए, इससे व्रत में कोई रुकावट नहीं होती।

व्रत, उपवास या श्राद्ध में दातुन नहीं करना चाहिए। यदि दातुन करना आवश्यक हो तो केवल जल के बारह कुल्ले कर इतिश्री कर लें।

व्रत प्रारम्भ करने के पश्चात किसी भी प्रकार से खंडित हो जाने पर गौदान आदि करके व्रत पुनरू आरम्भ किया जा सकता है।

हवन के समय देवताओं को दी जाने वाली आहुतियां गाय के दूध से निर्मित शुद्ध घी से ही दी जानी चाहिए।

अपने परिश्रम द्वारा अर्जित धन का ही व्रत के दौरान उपयोग करना चाहिए।

सफलता के लिए संशयमुक्त होकर कार्य करें, अंतर्मन का द्वंद है दुखों का मूल कारण

एक बूढ़ा श्रद्धालु तीर्थ यात्री शून्य डिग्री से भी नीचे के तापमान में हिमालय की ओर बढ़ रहा था, पीछे से एक नौजवान ने उस वृद्ध व्यक्ति से पूछा कि, 'आप इतने ठंडे मौसम में वहां तक कैसे पहुंचेंगे'? इस पर वृद्ध आदमी ने जो जवाब दिया वह बहुत ही चौंकाने वाला था, वृद्ध व्यक्ति ने कहा कि, 'मेरा मन वहां पहले ही पहुंच चुका है, अब बाकी मैं यानी मेरे शरीर के लिए वहां पहुंचना बहुत आसान काम है।' अगर मन में सौ प्रतिशत विश्वास है तो शरीर भी उसी विश्वास का अनुसरण करता है, परन्तु मन ही अगर संशय युक्त है, तो जिन कार्यों में सफलता मिलनी निश्चित होती है, उनमें भी व्यक्ति असफलता प्राप्त करता है।

जीवन में जब भी कोई कठिनाई आए तो ज्योतिष विज्ञान है अथवा नहीं, इस पर शोध करना छोड़कर श्रद्धा भक्ति पूर्वक प्राचीन ग्रंथों में वर्णित दिशा-निर्देशों का अन्तर्मन से पालन करने पर संसार में ऐसी कोई भी मुसीबत नहीं है, जिसका हल उपलब्ध न हो। ज्योतिष शास्त्र एक सूक्ष्म विज्ञान है, तीन लोक चौदह भुवन में ज्योतिष का बहुत बड़ा महत्व है। मानव जीवन में ज्योतिष का ज्ञान एक महत्वपूर्ण भूमिका रखता है, इसकी परंपरा सृष्टि के साथ ही आरंभ हुई थी।

शास्त्रों में ज्योतिषी कैसा होना चाहिए , के बारे में, और ज्योतिषी के गुण-दोष को लेकर विस्तृत व्याख्याएं प्रस्तुत की गई हैं। उन सब मानकों पर खरा उतरने वाले ज्योतिषी की

भविष्यवाणियां प्रायः अक्षरशः सत्य साबित होती हैं। जिस प्रकार सूर्य की तेज धूप से बचने के लिए छांव की जरूरत होती है, उसी प्रकार अनिष्ट से बचने के लिए ज्योतिष के माध्यम से विधिपूर्वक अनुष्ठान आदि करने की जरूरत होती है। ज्योतिष शास्त्र के कुछ उपायों के अन्तर्गत दान-पुण्य करने से पूर्व जन्म में एकत्रित पापों का प्रायश्चित होता है, जिसके कारण व्यक्ति अपने वर्तमान जीवन में सफलता, शांति एवं समृद्धि को प्राप्त करता है। प्राचीन ग्रंथों में मानव को जो दिशा-निर्देश दिए गए हैं, उनका पूर्ण रूप से पालन करने पर शरीर भी रोग, शोक से मुक्ति पाता है। इसलिए कहा गया है कि भाग्य, भगवान और ज्योतिषी पर पूर्ण विश्वास से होता है, मनुष्यों के दुखों का निवारण।

हथेली में ऐसा गुरु पर्वत देता है उन्नति के संकेत, करियर में ऊंचा पद करते हैं प्राप्त, गुरु पर्वत से जानें जीवन के रहस्य

हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, हथेली में सभी ग्रहों के स्थान निर्धारित होते हैं। इन्हें ध्यान से देखने पर पहचाना जा सकता है। जिस प्रकार कुंडली में ग्रहों की स्थिति हमें हमारे जीवन और स्वभाव के बारे में बहुत कुछ बताती है, उसी प्रकार हथेली पर मौजूद ग्रह भी कई रहस्य खोलते हैं। हथेली में तर्जनी उंगली के मूल तथा मंगल पर्वत से ऊपर बृहस्पति पर्वत का स्थान होता है। इस ग्रह को अधिकार, शिक्षा, सौभाग्य, नेतृत्व, संचालन, लेखन, ज्ञान और बुद्धि का कारक माना जाता है। हथेली में गुरु पर्वत को देखकर इन सभी विषयों के बारे में जाना जा सकता है।

ऐसे लोगों में होते हैं देव तुल्य गुण

हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार अगर हथेली में गुरु पर्वत अच्छी तरह विकसित यानी उभरा हुआ हो तो इसे बहुत शुभ माना जाता है। मान्यता है कि ऐसे व्यक्ति में देव तुल्य गुण देखने को मिल सकते हैं। ये लोग जीवन में उन्नति हासिल करते हैं और अपने साथ-साथ दूसरों की उन्नति में भी सहयोग करना पसंद करते हैं। इन्हें न्याय पसंद होता है और अपने द्वारा दिए गए वचनों का पूरा जरूर करते हैं। ऐसे लोग करियर में उच्च न्यायाधीश या उच्च पदाधिकारी हो सकते हैं। अगर गुरु पर्वत हथेली में पूरी तरह विकसित हो तो यह बताता है कि ऐसे लोग कठिन से कठिन परिस्थितियों का सामना भी साहस से करते हैं। धर्म-कर्म के कार्यों में इनकी अत्यधिक रुचि रहती है। साथ ही, ये लोग अपने स्वाभिमान की विशेष रक्षा करते हैं।

दयालु और परोपकारी होते हैं ऐसे जातक

अगर हथेली में गुरु पर्वत अल्पविकसित या अविकसित हो तो ऐसे लोग स्वभाव से बेहद हंसमुख होते हैं। इन जातकों को दयालु

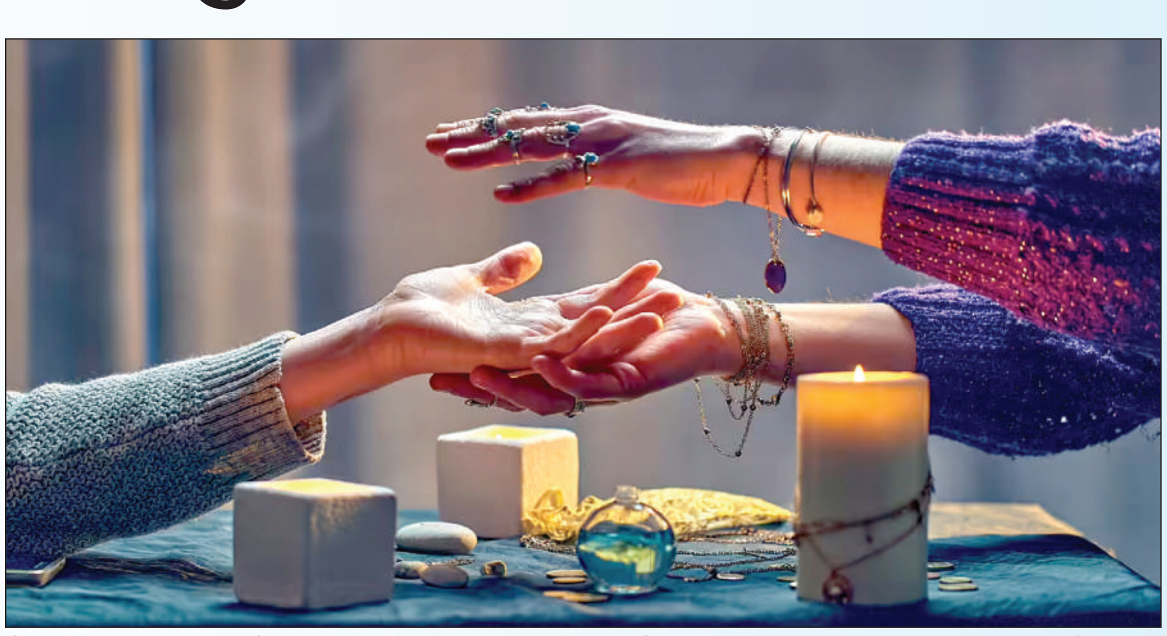

और परोपकारी माना जाता है। ये अपने सम्मान और यश प्राप्ति की ओर ज्यादा आकर्षित रहते हैं। आर्थिक पक्ष से ज्यादा अपना सम्मान और यश इनके लिए महत्व रख सकता है। इनके अंदर स्वतंत्रता, अधिकार और नेतृत्व जैसे गुण देखने को मिलते हैं। विपरीतलिंगी के प्रति इनके मन में कोमल भावनाएं हो सकती हैं। अपनी लव लाइफ में इनका संबंध मधुर बना रहता है। शारीरिक रूप से ये स्वस्थ रहते हैं। ये अपना जीवन स्वतंत्रता से जीना पसंद करते हैं। और कार्यक्षेत्र में नेतृत्व क्षमता के चलते सम्मान प्राप्त करते हैं।

ऐसे लोग अपने कार्यों में रहते हैं व्यस्त

हस्तरेखा विज्ञान के मुताबिक, हथेली में अगर गुरु पर्वत का झुकाव शनि की ओर हो तो ऐसे लोग अपने कार्यों में अधिक व्यस्त रहते हैं। ये लोग चिन्तनशील भी अधिक हो सकते हैं लेकिन, कई बार जीवन में पूर्ण या अपेक्षित सफलता न मिल पाने के कारण इनमें निराशा की भावना आ सकती है। ऐसे लोग स्वभाव से गंभीर हो सकते हैं। अगर गुरु पर्वत नीचे की तरफ खिसका हो तो कई बार इनके सम्मान की हानि होने की आशंका होती है। लेकिन ऐसे लोग साहित्य क्षेत्र में पूर्ण सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

ऐसा गुरु पर्वत देता है सुखी गृहस्थ जीवन का संकेत

अगर किसी व्यक्ति की हथेली में गुरु पर्वत अत्यधिक विकसित हो तो ऐसे लोग सर्वप्रथम अपने कार्यों को पूरा करने का विचार करते हैं। ये अपने लाभ और सुख के लिए मेहनत करते हैं। वहीं, अगर हथेली में गुरु पर्वत का अभाव हो तो ऐसे लोग आत्म-सम्मान में कमी का सामना कर सकते हैं। इन्हें काम के चलते माता-पिता से दूर रहना पड़ सकता है। इसके अलावा, हथेली में सामान्य रूप से गुरु पर्वत उभरा हुआ हो तो ऐसे जातक में आगे बढ़ने की भावना देखने को मिलती है। ऐसे लोगों का विवाह जल्दी हो सकता है और इनका गृहस्थ जीवन सुखमय रहता है।

संपादकीय

दिल्ली के लापता लोग

पिछले दिनों इस खबर ने दिल्ली और देश के लोगों को चौंकाया कि इस साल जनवरी माह में ही देश की राजधानी में 800 लोग लापता पाए गए, जिसमें महिला, बच्चे व अन्य वयस्क भी शामिल हैं। जैसा कि स्वाभाविक था दिल्ली में लापता लोगों का आंकड़ा सामने आने के बाद आम लोगों में चिंता व्याप्त हो गई। प्रशासनिक स्तर पर भी इस समस्या की ओर अधिकारियों का ध्यान गया। बेलगाम सोशल मीडिया पर तो इन आंकड़ों पर अपनी-अपनी सुविधा और राजनीतिक हितों के मद्देनजर व्याख्या और बयानबाजी सामने आने लगी। पब्लिक फोरम पर कहा जाने लगा कि यह दिल्ली की कानून व्यवस्था पर प्रश्नचिन्ह है। इन आंकड़ों के सामने आने के बाद घर से निकलने के बाद सुरक्षा इंतजामों को लेकर तमाम तरह की सलाहें दी जाने लगीं। कुछ लोग देश के सिस्टम पर सवाल खड़े करने लगे। कुछ लोगों में भय से जुड़ी प्रतिक्रिया भी सामने आई। लेकिन इस बाबत दिल्ली पुलिस द्वारा जारी आंकड़े भी अधिक चिंता बढ़ाने वाले नजर आए। प्रथम दृष्टया यह खबर परेशान करने वाली है, लेकिन पड़ताल में पाया गया कि यह स्थिति पिछले कुछ सालों के आंकड़ों के ही अनुरूप है। अगर हम पिछले कुछ सालों के आंकड़ों पर नजर डालें तो यह स्थिति की पुनरावृत्ति ही है। लेकिन यदि बीते कुछ सालों में लापता होने वाले लोगों की संख्या पर नजर डालें तो कहा जाता है कि इस साल जनवरी में सामने आई लापता लोगों की संख्या ज्यादा नहीं है। इस बाबत दिल्ली पुलिस का कहना है कि जनवरी 26 में कुल 1,777 लोगों के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई गई। प्रथम दृष्टया यह संख्या भले ही बढ़ी लगे, लेकिन जब पिछले दो सालों के आंकड़ों से इसकी तुलना की जाती है तो नई तस्वीर उभरती है। दरअसल, इन आंकड़ों की तह में जाएं तो दिल्ली का विशाल इलाका व सघन जनसंख्या घनत्व भी इसके मूल में है। दरअसल, एक बड़ी आबादी रोजगार व अन्य कार्यों के लिए दिल्ली आती-जाती रहती है। दिल्ली पुलिस के आंकड़ों के अनुसार साल 2024 में करीब 24,893 लोग लापता हुए थे। यानी एक माह में औसतन 2,074 लोग। वहीं साल 2025 में ये संख्या 24,508 लोग लापता हुए। अर्थात् हर माह 2,042 लोग गुम हुए। इस दृष्टि से जनवरी, 26 का आंकड़ा इस संख्या से कम है। सवाल है कि 2026 के पहले माह के आंकड़ों को लेकर भय क्यों व्याप्त हुआ? दरअसल, पहले पंद्रह दिनों के आंकड़ों के हिसाब से दिल्ली में हर रोज 54 लोग लापता हो रहे थे। इन आंकड़ों के सामने आने के बाद लोगों ने इसके मूल में किसी संकट को देखा। दिल्ली पुलिस के अनुसार ये आंकड़े स्थायी गुमशुदगी के नहीं होते। कुछ लोग अल्पकाल के लिए कहीं चले जाते हैं और देर रात तक घर भी लौट आते हैं। पुलिस का यह भी कहना है कि राष्ट्रीय राजधानी में ऑनलाइन और ऐप आधारित सिस्टम के जरिये लोग जल्दबाजी में अपने परिजनों के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज करा देते हैं। मसलन यदि कोई बच्चा किसी कारणवश स्कूल से लौटने में देर कर दे, कोई व्यक्ति कुछ घंटों तक फोन संपर्क से कट जाए या कोई बुजुर्ग भटकने पर देर से घर पहुंचे तो लोग गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करा देते हैं। ये कथित गुमशुदा लोग कुछ समय बाद घर तो लौट आते हैं, लेकिन लोग पुलिस डेटा को अपडेट नहीं करते। फलस्वरूप पुलिस आंकड़ों में उनकी गुमशुदगी बनी रहती है। पुलिस का दावा है कि लापता लोगों को खोजने की दर में लगातार सुधार हो रहा है। साल 2016 में जो 23,409 लोग लापता हुए थे, उनमें से करीब 85 फीसदी नौ साल के भीतर मिल गए। साल 2025 में दर्ज मामलों में 63 फीसदी लोगों को भी एक साल के भीतर तलाश लिया गया। दलील है कि कई जटिल मामलों में तलाश का काम एक साल तक पूरा नहीं हो पाता। अन्य राज्यों में उनकी तलाश में समय लगता है। फिर भी पुलिस का दावा है कि दिल्ली के लापता लोगों की संख्या का आंकड़ा दुनिया के कई विकसित देशों से बेहतर स्थिति में है।

बेलगाम सोशल मीडिया पर तो इन आंकड़ों पर अपनी-अपनी सुविधा और राजनीतिक हितों के मद्देनजर व्याख्या और बयानबाजी सामने आने लगी। पब्लिक फोरम पर कहा जाने लगा कि यह दिल्ली की कानून व्यवस्था पर प्रश्नचिन्ह है। इन आंकड़ों के सामने आने के बाद घर से निकलने के बाद सुरक्षा इंतजामों को लेकर तमाम तरह की सलाहें दी जाने लगीं। कुछ लोग देश के सिस्टम पर सवाल खड़े करने लगे। कुछ लोगों में भय से जुड़ी प्रतिक्रिया भी सामने आई। लेकिन इस बाबत दिल्ली पुलिस द्वारा जारी आंकड़े भी अधिक चिंता बढ़ाने वाले नजर आए। प्रथम दृष्टया यह खबर परेशान करने वाली है, लेकिन पड़ताल में पाया गया कि यह स्थिति पिछले कुछ सालों के आंकड़ों के ही अनुरूप है। अगर हम पिछले कुछ सालों के आंकड़ों पर नजर डालें तो यह स्थिति की पुनरावृत्ति ही है। लेकिन यदि बीते कुछ सालों में लापता होने वाले लोगों की संख्या पर नजर डालें तो कहा जाता है कि इस साल जनवरी में सामने आई लापता लोगों की संख्या ज्यादा नहीं है। इस बाबत दिल्ली पुलिस का कहना है कि जनवरी 26 में कुल 1,777 लोगों के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई गई। प्रथम दृष्टया यह संख्या भले ही बढ़ी लगे, लेकिन जब पिछले दो सालों के आंकड़ों से इसकी तुलना की जाती है तो नई तस्वीर उभरती है। दरअसल, इन आंकड़ों की तह में जाएं तो दिल्ली का विशाल इलाका व सघन जनसंख्या घनत्व भी इसके मूल में है। दरअसल, एक बड़ी आबादी रोजगार व अन्य कार्यों के लिए दिल्ली आती-जाती रहती है।

भारत ने समय लिया, परिस्थितियों का मूल्यांकन किया और अंततः संतुलित व सम्मानजनक परिणाम प्राप्त किया

भारत-अमेरिका व्यापार समझौताः मोदी नेतृत्व की वैश्विक दृढ़ता

ललित गर्ग

भारत और अमेरिका के बीच हालिया व्यापारिक सहमति, जिसके अंतर्गत प्रस्तावित 50 प्रतिशत टैरिफ को घटाकर 18 प्रतिशत किया गया है, इसी दृष्टि से एक अत्यंत महत्वपूर्ण और दूरगामी घटना है। यह निर्णय केवल आर्थिक राहत नहीं, बल्कि बदलते वैश्विक शक्ति-संतुलन और भारत की बढ़ती सौदेबाजी क्षमता का प्रमाण है। यहां "देर आए, दुरुस्त आए" की कहावत पूरी तरह चरितार्थ होती है। जब अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों पर ऊँचे टैरिफ का दबाव बनाया गया था, तब यह आशंका व्यक्त की जा रही थी कि भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्था को अंतत: झुकना पड़ेगा। वैश्विक व्यापार का हालिया इतिहास इस बात का साक्षी रहा है कि बड़ी शक्तियां अक्सर दबाव की राजनीति के माध्यम से अपने हित साधती हैं। किंतु फरवरी 2025 में आरंभ हुई इस व्यापारिक प्रक्रिया का फरवरी 2026 में सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ना यह दर्शाता है कि भारत ने न तो जल्दबाजी दिखाई और न ही अपने राष्ट्रीय हितों से समझौता किया।

अंतरराष्ट्रीय राजनीति और वैश्विक व्यापार के परिदृश्य में कोई भी समझौता केवल आंकड़ों या कर-प्रतिशतों तक सीमित नहीं होता, वह राष्ट्र की संप्रभुता, नेतृत्व की दृढ़ता और भविष्य की दिशा का भी संकेतक होता है। भारत और अमेरिका के बीच हालिया व्यापारिक सहमति, जिसके अंतर्गत प्रस्तावित 50 प्रतिशत टैरिफ को घटाकर 18 प्रतिशत किया गया है, इसी दृष्टि से एक अत्यंत महत्वपूर्ण और दूरगामी घटना है। यह निर्णय केवल आर्थिक राहत नहीं, बल्कि बदलते वैश्विक शक्ति-संतुलन और भारत की बढ़ती सौदेबाजी क्षमता का प्रमाण है। यहां "देर आए, दुरुस्त आए" की कहावत पूरी तरह चरितार्थ होती है। जब अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों पर ऊँचे टैरिफ का दबाव बनाया गया था, तब यह आशंका व्यक्त की जा रही थी कि भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्था को अंततः झुकना पड़ेगा। वैश्विक व्यापार का हालिया इतिहास इस बात का साक्षी रहा है कि बड़ी शक्तियां अक्सर दबाव की राजनीति के माध्यम से अपने हित साधती हैं। किंतु फरवरी 2025 में आरंभ हुई इस व्यापारिक प्रक्रिया का फरवरी 2026 में सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ना यह दर्शाता है कि भारत ने न तो जल्दबाजी दिखाई और न ही अपने राष्ट्रीय हितों से समझौता किया। भारत ने समय लिया, परिस्थितियों का मूल्यांकन किया और अंततः संतुलित व सम्मानजनक परिणाम प्राप्त किया। 50 प्रतिशत से 18 प्रतिशत तक की टैरिफ कटौती का तात्कालिक प्रभाव व्यापारिक जगत और शेयर बाजार में दिखाई दिया। निवेशकों का भरोसा लौटा, निर्यातकों को राहत मिली और बाजार में सकारात्मक संकेत उभरे। किंतु इस निर्णय का वास्तविक महत्व इससे कहीं अधिक व्यापक है। यह इस बात की पुष्टि करता है कि भारत अब केवल नियमों का पालन करने वाला देश नहीं, बल्कि नियमों के निर्माण और पुनर्परिभाषा में अपनी भूमिका सुनिश्चित करने वाला राष्ट्र बन चुका है। अमेरिका जैसी महाशक्ति का अपने रुख में नरमी लाना भारत की आर्थिक ताकत, रणनीतिक धैर्य और राजनीतिक आत्मविश्वास का प्रत्यक्ष प्रमाण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश नीति की सबसे बड़ी विशेषता यही रही है कि उसमें संवाद है, पर दबाव के आगे समर्पण नहीं। चाहे वह रक्षा सहयोग हो, ऊर्जा सुरक्षा हो या व्यापारिक समझौते-हर क्षेत्र में भारत ने अपने हितों को केंद्र में रखते हुए आगे बढ़ने का प्रयास किया है। इस व्यापारिक डील में भी भारत ने बिना झुके, बिना रुके और बिना कमजोर पड़े अपनी शर्तें स्पष्ट रूप से रखीं। यही कारण है कि अंततः अमेरिका को अपने प्रस्तावों में संशोधन करना पड़ा। यह केवल एक व्यापारिक जीत नहीं, बल्कि राजनीतिक परिपक्वता और नेतृत्व की दृढ़ता का उदाहरण है। इस समझौते से भारतीय उद्योगों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में एक उन्नत स्थिति प्राप्त होगी। कम टैरिफ का अर्थ है कि भारतीय उत्पाद अमेरिकी बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी होंगे, उनकी पहुंच बढ़ेगी और "मेक इन इंडिया" को नया प्रोत्साहन मिलेगा। टेक्सटाइल, फार्मास्यूटिकल्स, ऑटोमोबाइल,

कृषि-आधारित उत्पाद और उभरते तकनीकी क्षेत्र-सभी को इससे दीर्घकालिक लाभ होने की संभावना है। भारत अब केवल सस्ता श्रम या कच्चा माल उपलब्ध कराने वाला देश नहीं, बल्कि मूल्यवर्धित उत्पादन और नवाचार की दिशा में अग्रसर अर्थव्यवस्था बनता जा रहा है।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसदीय दल की बैठक में जिस संयम और आत्मविश्वास के साथ भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को "निरंतर धैर्य का परिणाम" बताया, वह उनकी कूटनीतिक शैली का सार है। यह समझौता किसी अचानक हुए घटनाक्रम का नतीजा नहीं, बल्कि एक वर्ष तक चली रणनीतिक प्रतीक्षा, विकल्पों के विस्तार और संतुलित संवाद का परिणाम है। मोदी ने स्पष्ट संकेत दिया कि सरकार ने विपक्ष की आलोचनाओं और तात्कालिक दबावों के बावजूद धैर्य नहीं छोड़ा, क्योंकि वैश्विक व्यापार और भू-राजनीति में जल्दबाज़ी अक्सर महंगी पड़ती है। अमेरिका का झुकना किसी भावनात्मक मित्रता का परिणाम नहीं, बल्कि ठोस रणनीतिक विवशता का नतीजा है। बीते एक वर्ष में भारत ने यह स्पष्ट कर दिया कि उसके पास विकल्प हैं-रूस के साथ ऊर्जा सहयोग, यूरोपीय संघ के साथ ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौता और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में अपनी बढ़ती भूमिका। यदि वाशिंगटन भारत पर एकतरफा दबाव बनाए रखता, तो अमेरिकी कंपनियां दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते बड़े बाजार से बाहर हो जातीं। ट्रंप द्वारा 500 अरब डॉलर के आयात, शून्य टैरिफ और रूसी तेल त्यागने जैसे नाटकीय दावे इसी दबाव की राजनीति का हिस्सा थे, जिन्हें भारत ने न तो सार्वजनिक टकराव का मुद्दा बनाया और न ही स्वीकारोक्ति दी। मोदी का इन पर मौन यह दर्शाता है कि भारत इस घटनाक्रम को अंतिम समझौते के रूप में नहीं, बल्कि दिशा-निर्धारण के रूप में देख रहा है। इसके विपरीत, भारतीय विपक्ष इस पूरे प्रकरण में अपनी राजनीतिक अधीरता और रणनीतिक अपरिपक्वता को उजागर करता रहा। उसने टैरिफ को लेकर तात्कालिक लाभ-हानि की भाषा में सरकार को घेरने की कोशिश की, जबकि अंतरराष्ट्रीय व्यापार वार्ताएं समय, धैर्य और बहुस्तरीय गणनाओं की मांग करती हैं। विपक्ष यह समझने में असफल रहा कि कूटनीति में कभी-कभी पीछे हटना नहीं, बल्कि प्रतीक्षा करना ही सबसे बड़ा कदम होता है। आज जब अमेरिका को अपना अड़ियल रुख छोड़ना पड़ा है और भारत फिर से वैश्विक प्रतिस्पर्धा की अग्रिम पंक्ति में खड़ा दिख रहा है, तब यह स्पष्ट है कि मोदी की नीति न केवल दबाव से मुक्त थी, बल्कि दूरदर्शी भी। यही नीति भारत को एक आत्मविश्वासी, प्रभावशाली और सौदे की शर्तें तय करने वाली शक्ति के रूप में स्थापित कर रही है। इस पूरे घटनाक्रम का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि यह वैश्विक व्यापार में दबाव आधारित राजनीति के अंत का संकेत देता है। लंबे समय से बड़ी अर्थव्यवस्थाएं टैरिफ, प्रतिबंध और नीतिगत दबावों के माध्यम से छोटे या उभरते देशों को अपनी शर्तें मानने के लिए विवश करती रही हैं। भारत ने इस प्रवृत्ति को न केवल चुनौती दी, बल्कि यह भी सिद्ध किया कि आत्मविश्वास, आर्थिक क्षमता और राजनीतिक इच्छाशक्ति के बल पर किसी भी दबाव को संतुलित संवाद में बदला जा सकता है। भारत-अमेरिका संबंधों के संदर्भ में यह समझौता एक नए राजनीतिक आभामंडल के निर्माण का भी संकेत देता है। यह संबंध अब केवल रणनीतिक या सामरिक सहयोग तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि आर्थिक साझेदारी के एक नए स्तर की ओर बढ़ रहा है। इसका प्रभाव केवल इन दो देशों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वैश्विक राजनीति में बहुध्रुवीय व्यवस्था को और अधिक मजबूती देगा। दुनिया धीरे-धीरे यह स्वीकार कर रही है कि भविष्य का नेतृत्व किसी एक शक्ति के हाथ में नहीं, बल्कि संतुलित साझेदारियों के माध्यम से उभरेगा, और भारत उसमें एक केंद्रीय भूमिका निभाने के लिए तैयार है। इस व्यापारिक प्रगति से मोदी सरकार की अंतरराष्ट्रीय साख में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह साख किसी प्रचार या दावे पर नहीं, बल्कि ठोस परिणामों पर आधारित है। भारत आज विश्व मंच पर एक ऐसे राष्ट्र के रूप में देखा जा रहा है, जो अपने हितों की रक्षा करते हुए वैश्विक स्थिरता और सहयोग में भी सकारात्मक भूमिका निभाता है। यही संतुलन उसे अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं से अलग पहचान देता है। महाशक्ति बनने की भारत की यात्रा भावनात्मक नारों पर नहीं, बल्कि आर्थिक आंकड़ों, रणनीतिक समझौतों और वैश्विक स्वीकार्यता पर आधारित है। दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है, और इस प्रकार के व्यापारिक समझौते उस यात्रा के महत्वपूर्ण पड़ाव हैं। यह स्पष्ट होता जा रहा है कि भारत को आगे बढ़ने से रोक पाना अब किसी के लिए आसान नहीं है। निश्चित तौर पर यह व्यापारिक समझौता भारत की परिपक्व कूटनीति और दूरदर्शी नेतृत्व का परिणाम है। अंतरराष्ट्रीय राजनीति और वैश्विक व्यापार की दुनिया में कोई भी निर्णय केवल आर्थिक गणित नहीं होता, वह राष्ट्र की संप्रभुता, आत्मसम्मान और नेतृत्व की परिपक्वता का भी प्रमाण होता है। देर से लिया गया सही निर्णय, जल्दबाजी में किए गए गलत समझौतों से कहीं अधिक मूल्यवान होता है।

देश दुनिया से

तंग नजरिये से छोटा न हो भारतीयता का आंगन

अखबार में उस दिन दो खबरें एक साथ दिखीं। पहली खबर उत्तराखंड के कोटद्वार की है। वहां एक दुकान है, स्कूली ड्रेस बिकती हैं वहां। नाम है 'बाबा स्कूल ड्रेस और मैचिंग सेंटर'। पिछले 30 साल से चल रही इस दुकान के 75 वर्षीय मुस्लिम मालिक को कुछ लोग धमका रहे हैं कि वह दुकान का नाम बदले बाबा शब्द को हटा दें। भले ही आप अपने पिता को बाबा कहते हैं पर इस दुकान का नाम बदलवाने की मांग करने वालों का कहना है कि कोटद्वार में बाबा सिद्धबली का मंदिर है। उन्हें लगता है कि इस 'बाबा' नाम पर हिंदुओं का एकाधिकार है और किसी मुसलमान को अपनी दुकान का नाम हिंदुओं के देवता के नाम पर रखने का अधिकार नहीं है। अपने आप को हिंदू धर्म का रक्षक मानने वालों की उस भीड़ ने कुछ दिन पहले भी इस नाम को बदलने की मांग की थी, और अब फिर इस बात का जवाब मांग रहे थे कि 'अब तक नाम बदला क्यों नहीं गया'। यह जानना ज़रूरी है कि उस भीड़ के लोग आग्रह नहीं कर रहे थे, धमका रहे थे। उनकी धमकियों का शोर सुनकर पास के जिम का युवा मालिक वहां पहुंचा। जब उसने शोर मचाने वालों को रोकने की कोशिश की और बाबा स्कूल ड्रेस के उम्रदराज मुसलमान मालिक का पक्ष लिया तो उन उपद्रवियों ने उसे युवक का नाम पूछा। युवक ने बुलंद आवाज़ में अपना नाम बताया मोहम्मद दीपक। उसका नाम दीपक कुमार ही था, पर उपद्रवियों के सामने तनकर खड़ा होते हुए उसने स्वयं को मोहम्मद कहा था। एक मुसलमान पड़ोसी के हितों की रक्षा के लिए किसी हिंदू का सामने आना इस देश के लिए नई बात नहीं है, पर दीपक कुमार का स्वयं को मोहम्मद बताना और वह भी सांप्रदायिकता का ज़हर फैलाने वालों के सामने, साहस की मांग करता है। दीपक कुमार ने यह साहस दिखाया और इस साहस के लिए देश के विवेकशील नागरिक उसकी प्रशंसा कर रहे हैं। विवेकशील लोगों की कमी नहीं है देश में, पर अन्याय के खिलाफ खड़े होकर न्याय के लिए खतरा मोल लेना भी कोई आसान काम नहीं है। दीपक कुमार ने यह साहस दिखाया है। ऐसे हर दीपक का हौसला बढ़ाने की आवश्यकता है। जिस दिन अखबार में 'मोहम्मद दीपक कुमार' की यह खबर छपी थी, उसी दिन एक खबर देश की पूर्वी सीमा से भी आयी थी। असम की बात है यह। मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा का एक बयान छपा था अखबारों में। वह कह रहे थे कि मुसलमान रिक्शा चालक को हिंदुओं से कम मेहनताना देना चाहिए। कोई भी यदि

इस तरह के भेदभाव वाली बात कहे तो उसे ग़लत ही कहा जायेगा। पर यदि कोई मुख्यमंत्री ऐसी बात करता है तो उसकी सोच पर गुस्सा ही नहीं आता, तरस भी आता है। मुख्यमंत्री जैसे जिम्मेदार पद पर बैठा कोई व्यक्ति यदि इस तरह की घटिया सोच का प्रदर्शन करता है तो बात और भी गंभीर हो जाती है। यह दुर्भाग्य ही है कि आज़ादी अर्जित करने के इतने साल बाद इस तरह की सोच के उदाहरण सामने आ रहे हैं। जब हमारे पूर्वजों ने देश के संविधान में पंथ-निरपेक्ष भारत की व्यवस्था की थी तो यह निर्णय बहुत सोच-विचार कर लिया गया था। यह सही है कि देश का बंटवारा धर्म के नाम पर हुआ था, पर हमारे तत्कालीन नेताओं ने कभी यह नहीं स्वीकारा कि हमारा भारत किसी एक धर्म को मानने वालों का देश बन जाये। दुनिया में शायद ही कोई और देश होगा जहां इतने धर्मों को मानने वाले लोग हों जितने हमारे देश में हैं। भारत ने हर धर्म का स्वागत किया है। हमारी बहुधर्मिता हमारी ताकत है। यह सही है कि भारत में लगभग अस्सी प्रतिशत आबादी हिंदू है, लेकिन यहां हर धर्म को मानने वालों को अपनी आस्था के अनुसार जीने का अधिकार हमारा संविधान देता है। ऐसे में जब धर्म के आधार पर भेदभाव करने का कोई उदाहरण सामने आता है, और यदि उदाहरण मुख्यमंत्री स्तर का कोई व्यक्ति प्रस्तुत करता है तो हैरानी भी होती है, और पीड़ा भी। कुछ ऐसा ही एक उदाहरण पश्चिम बंगाल में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने प्रस्तुत किया है। 'सबका साथ, सबका विकास' हमारे प्रधानमंत्री जी का प्रिय नारा है। वे और उनकी पार्टी के अन्य नेता इस बात का दावा भी करते हैं कि भाजपा की सरकारें बिना किसी भेद-भाव के हर धर्म को मानने वाले के विकास की चिंता करती हैं। होना भी यही चाहिए। प्रधानमंत्री सिर्फ अपने दल का ही नेता नहीं होता, सारे देश का प्रधानमंत्री होता है वह। इसलिए, जब सबके साथ और सबके विकास की बात होती है तो उसका स्वागत ही होना चाहिए। पर पश्चिम बंगाल के भाजपा नेता शुभेंदु खुलेआम यह कह रहे हैं कि इस नीति को बदला जाना चाहिए। हाल ही में उन्होंने यह कहा है कि 'अब' यह नीति नहीं चलेगी। उन्होंने घोषणा की है कि 'जो हमारे साथ हैं, हम उसके साथ हैं'। स्पष्ट है, वे अपने राजनीतिक विरोधियों की ही नहीं, गैर हिंदुओं की भी बात कर रहे हैं। ज्ञातव्य है कि कुछ अर्सा बाद पश्चिम बंगाल में चुनाव होने वाले हैं। उसके कुछ बाद असम में चुनाव की बारी है। ऐसी स्थिति में इन दोनों राज्यों में धर्म के आधार पर भेदभाव की आशंकाएं मंडरा रही हैं। सवाल सिर्फ चुनाव में हार-जीत का नहीं है, सवाल उस बीमार सोच का है जिसके चलते देश की जनता को धर्म के आधार पर बांटा जा रहा है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भले ही किसी भी सोच के अंतर्गत 'बटेंगे तो कटेंगे' की चेतावनी दी हो, पर यह चेतावनी सारे देश के लिए है हमने अपने संविधान में हर भारतीय को समता, न्याय और बंधुता के आधार पर समान अधिकार देने की व्यवस्था की थी। ऐसे में जब कोई शुभेंदु अधिकारी चुनावी सभा में श्रोताओं को इस आशय की धमकी देता है कि 'सड़क तब मिलेगी जब तुम धर्म बदलोगे', तो हैरानी भी होती है और गुस्सा भी आता है।

आप का नज़रिया

हिन्दुओं को विभाजित करके अपनी राजनीति साधने के प्रयास में विपक्ष

पहली घटना वाराणसी के मर्णिकर्णिका घाट के नवीनीकरण के लिए पुरानी प्रतिमाओं तथा कुछ छोटे मंदिरो पर बुलडोजर चलाने की थी जो बाद में फर्जी निकली । इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रत्यक्ष हस्तक्षेप के उपरान्त एआई वीडियो के आधार पर मंदिर तोड़े जाने की अफवाहें फैलाकर राजनैतिक रोटियां सेंकने वाले लोगों जिनमें आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह तथा बिहार के सांसद पप्पू यादव शामिल हैं पर मुकदमा दर्ज किया गया है। इसके बाद भी इस विषय पर स्थानीय स्तर पर राजनीति की जा रही है। समाजवादी पार्टी पीडीए के नाम पर पाल समाज को भड़काकर धरना प्रदर्शन इत्यादि का आयोजन कर रही है। इस मुद्दे पर सपा, कांग्रेस व आम आदमी पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा भारतीय जनता पार्टी की छवि को आघात पहुंचाने के लिए सोशल मीडिया का जमकर प्रयोग कर रही है।
दूसरी घटना प्रयागराज में चल रहे माघ मेले की है जो विवादों में रहने वाले एक शंकराचार्य के तथाकथित अपमान से जुड़ी है।
प्रयागराज में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला माघ मेला सफलतापूर्वक चल रहा था उसमें शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद मेला प्रशासन के नियमों को धता बताते हुए पालकी (बग्घी) में बैठकर अपने भक्तों के साथ संगम नोज पर पहुँचने के लिए अड़ गए। पुलिस बल ने उनको बग्घी न ले जाने का निवेदन किया। उनके भक्तों और पुलिस के बीच विवाद हुआ और उन्होंने पुलिस के साथ हाथापाई शुरू कर दी । इसके बाद जमकर उपद्रव हो गया। अंततः शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद धरने पर बैठ और समाजवादी पार्टी और अन्य विरोधी दलों ने मामले को तुरंत ही अपनी राजनीति चमकाने के लिए लपक लिया। विभिन्न राजनैतिक दल इस मुद्दे को जिस तरह उठा रहे हैं उससे यह स्पष्ट है कि उनको शंकराचार्य या सनातन के सम्मान से कोई लेना देना नहीं है उनका एकमात्र उद्देश्य इस मुद्दे पर हिन्दू मतों का विभाजन करना है। यह भी संभव है कि इस प्रकरण की पटकथा किसी राजनैतिक दल ने ही लिखी हो जो आजकल अविमुक्तेश्वरानंद के निकट दिखाई दे रहा है। राजनैतिक दल तो समय के अनुसार अपने रंग बदलते रहते हैं किन्तु क्या अविमुक्तेश्वरानंद भी यह भूल गए कि जो समाजवादी आज उनका समर्थन कर रहे हैं जिन्होंने ही कभी उनके ऊपर लाठियां बरसाई थीं और जमीन पर पटक -पटक कर मारा था। उस समय भाजपा ने ही उनकी सुरक्षा व बचाव किया था। आज अविमुक्तेश्वरानंद भाजपा व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ अपमानजनक शब्दों का प्रयोग कर रहे हैं । अविमुक्तेश्वरानंद प्रायः अपनी विवादित बयानबाजी के कारण चर्चा में रहते हैं। अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर विवादित बयान दिया देकर इन्होंने बड़ा विवाद खड़ा करने का असफल प्रयास किया था । एक बार स्वामी अविमुकतेश्वरानंद ने कहा था कि राहुल गांधी हिंदू नही हैं उन्हें राम मंदिर नहीं जाने देना चाहिए। जब आपरेशन सिंदूर के बाद भारत सरकार ने पाक के साथ सिंधु जल समझौता निलंबित किया तब उन्होंने कहा था कि यह काम करने के लिए भारत को कम से कम 20 साल लग जाएंगे, इन्होंने वक्फ संशोधन बिल को सौगात -ए -मोदी कहा था । यह काशी कारिडोर का भी विरोध कर चुके हैं । यह शंकराचार्य अभी तक अयोध्या दर्शन करने नहीं गए हैं। यह हिंदू समाज को विभाजित करने वाली राजनैतिक ताकतों के हाथों की कठपुतली बनकर उनके शिकार हो गए हैं। जिन लोगों के मुंह में तमिलनाडु के द्रमुक नेता सनातन की तुलना डेंगू ,मलेरिया से तुलना उसके उन्मूलन जैसी बातों पर ताला लग जाता है वो भी शंकराचार्य के समर्थन में झंडा उठाए हैं। आज वो लोग अविमुक्तेश्वरानंद के पक्ष में खड़े हैं जिन्होंने कुछ दिन पूर्व मद्रास हाईकोर्ट के जज के खिलाफ महाभियोग चलाने के प्रस्ताव का समर्थन कर दिया था क्योंकि उस जज ने हिन्दू पक्ष को दीपक जलाने की अनुमति दे दी थी। आज वो हिन्दू सनातन की दुहाई दे रहे हैं जिनहें गाय के गोबर से बदबू आती है।

समाजवादी पार्टी पीडीए के नाम पर पाल समाज को भड़काकर धरना प्रदर्शन इत्यादि का आयोजन कर रही है। इस मुद्दे पर सपा, कांग्रेस व आम आदमी पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा भारतीय जनता पार्टी की छवि को आघात पहुंचाने के लिए सोशल मीडिया का जमकर प्रयोग कर रही है। दूसरी घटना प्रयागराज में चल रहे माघ मेले की है जो विवादों में रहने वाले एक शंकराचार्य के तथाकथित अपमान से जुड़ी है। प्रयागराज में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला माघ मेला सफलतापूर्वक चल रहा था उसमें शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद मेला प्रशासन के नियमों को धता बताते हुए पालकी (बग्घी) में बैठकर अपने भक्तों के साथ संगम नोज पर पहुँचने के लिए अड़ गए। पुलिस बल ने उनको बग्घी न ले जाने का निवेदन किया। उनके भक्तों और पुलिस के बीच विवाद हुआ और उन्होंने पुलिस के साथ हाथापाई शुरू कर दी । इसके बाद जमकर उपद्रव हो गया। अंतत: शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद धरने पर बैठ और समाजवादी पार्टी और अन्य विरोधी दलों ने मामले को तुरंत ही अपनी राजनीति चमकाने के लिए लपक लिया।

कुछ अलग

संत की दुखी व्यक्ति को सीख

एक लोक कथा है- पुराने समय में एक गरीब व्यक्ति अपने काम में लगातार असफल हो रहा था। हर प्रयास के बाद निराशा ही हाथ लगती और उसकी मेहनत बेकार जाती। धीरे-धीरे निराशा उसके ऊपर हावी होने लगी और वह सोचने लगा कि मेहनत करने का कोई फायदा नहीं है। एक दिन, थकावट और हताशा के कारण उसने काम करना ही छोड़ दिया। उसी दिनों उसके गांव में एक संत आए हुए थे। संत बहुत विद्वान थे। निराश व्यक्ति ने संत से मिलने का विचार किया और वह संत के पास पहुंच गया। दुखी व्यक्ति ने अपनी सारी परेशानियां संत को बता दीं। संत ने धैर्यपूर्वक उसकी बातें सुनीं और कहा कि तुम असफलताओं से डरकर प्रयास क्यों छोड़ रहे हो? जीवन में सफलता केवल लगातार प्रयास करने से ही मिलती है। निराश व्यक्ति ने कहा कि मैं तो हार चुका हूं। अब मेरे लिए कुछ भी करना व्यर्थ है। संत ने उसकी स्थिति समझी और उसे एक कहानी सुनाई। संत ने कहा कि एक छोटे से गांव में एक बच्चे ने बांस और कैक्टस के पौधे लगाए। वह रोज दोनों पौधों की देखभाल करता। समय बीतता गया, कैक्टस का पौधा तेजी से बढ़ने लगा, लेकिन बांस के पौधे में कई महीनों तक कोई उन्नति नहीं दिखी। बच्चा निराश नहीं हुआ। उसने दोनों पौधों को बराबर ध्यान दिया। अंततः बांस का पौधा पनपा और जल्दी ही कैक्टस से भी ऊंचा हो गया।

दृष्टि कोण

बेरोजगारी भी बढ़ा सकता है खाद्य पदार्थों का आयात

शेक्सपियर के नाटकों में द्वंद्वात्मक कथानक की तरह, एक बड़ी दुविधा यह है कि किस पर विश्वास करें और किस पर नहीं। जहां एक ओर अमेरिकी कृषि मंत्री ब्रुक रोलिंस ने भारत के साथ एक बढ़िया व्यापार संधि-'अमेरिकी किसानों के लिए फायदेमंद है'- के लिए अपने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को धन्यवाद दिया है, तो वहीं दूसरी तरफ भारतीय वाणिज्य मिनिस्टर पीयूष गोयल ने भी अमेरिका के साथ 'ऐतिहासिक संधि' के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ की है और दोहराया है कि यह करते वक्त भारत के संवेदनशील कृषि एवं डेयरी क्षेत्र को सुरक्षित रखा गया है। क्या यह दोनों लोकतंत्रों के लिए 'परस्पर जीत' वाली स्थिति है या यह जोर-जबरदस्ती और मनमानी का नतीजा है, इसकी पुष्टि तो विवरण से ही हो पाएगी। लेकिन जो बातें सार्वजनिक तौर पर चली हुई हैं, उन्होंने पहले ही देशभर की किसान यूनियनों की रीढ़ में सिहरन की लहर दौड़ा दी है। उनके पास ऐसी चिंता करने के लिए पर्याप्त कारण भी हैं। ऐसे समय में जब घरेलू खेती पहले से ही संत्रास में है, किसानों को मंडियों में घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी से 30 से 40 फीसदी कम दाम मिल रहे हैं, भारत के विशाल बाज़ार को सस्ते और बहुत ज़्यादा सब्सिडी वाले खेती उत्पादों के लिए और खोलने से खेती-बाड़ी पर बहुत बुरा असर पड़ेगा। अमेरिकी किसानों को पहले से ही हर साल भारी सब्सिडी मिलती है, जो कि तकरीबन 66,314 डॉलर प्रति किसान वार्षिक जितनी है (एग्रीकल्चरल रिसोर्स मैनेजमेंट सर्वे, 2020), यह उन्हें उतार-चढ़ावों से बचाती है। इसके अलावा, अमेरिकी प्रशासन वर्ष 2026 में फार्मर्स ब्रिज असिस्टेंस प्रोग्राम (एफबीए) के तहत किसानों को होने वाले प्रति एकड़ नुकसान की भरपाई हेतु 12 बिलियन डॉलर की मदद उत्पाद भुगतान मद के तहत देने की योजना बना रहा है। ट्रंप ने इसको 'वन बिग ब्यूटीफुल बिल' का नाम दिया है। ऐसे में जब अमेरिका भारत व्यापार संधि के विवरण का अभी

इंतज़ार है, अमेरिका और भारत, दोनों पक्ष बड़े-बड़े दावे कर रहे हैं। ब्रुक रोलिंस ने तो सोशल मीडिया पर यह तक कह डाला है कि इस समझौते से 'भारत के विशाल बाज़ार को अमेरिकी कृषि उत्पादों का अधिक निर्यात हो पाएगा, जिससे कीमतें ऊपर उठेंगी और ग्रामीण अमेरिका में अधिक नकदी आएगी'। यह कथन मोटे तौर पर व्यापार समझौते की शर्तों के मुताबिक है, जिसका जिक्र ट्विटर पर अपनी पोस्ट में अमेरिकी राष्ट्रपति ने किया था कि अमेरिका में आयात होने वाले भारतीय उत्पादों पर टैरिफ 50 से घटाकर 18 परसेंट कर दी गई है और भारत में नॉन-टैरिफ बैरियर हटाने के अतिरिक्त अमेरिकी निर्यात पर आयात कर शून्य कर दिया गया जाएगा। इस बीच, भारत के कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान किसानों को भरोसा दिला रहे हैं कि यह समझौता किसानों के हितों को 'सुरक्षित' रखने के बाद ही किया गया है। इन भरोसे के बावजूद, भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की खबर ने पहले ही किसान समुदाय को परेशान कर डाला है। भारत सरकार की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए, जो कोई अन्य जानकारी देने से बच रही है, कई किसान नेताओं ने शक जताया है कि क्या किसानों के हितों की रक्षा में वास्तव में हुई है। संयुक्त किसान मोर्चा ने एक बयान में चेतावनी दी है कि आयात शुल्क शून्य होने से सस्ते आयातित उत्पादों की बाढ़ आ जाएगी, और इसलिए 12 फरवरी से नए विरोध प्रदर्शनों की धमकी दी है। किसान नेताओं का कहना है कि प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन 2020-21 के विरोध प्रदर्शनों की तर्ज पर होंगे।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपने जीवन–साथी की उपलब्धियों की सराहना करें और उसकी सफलता और ख़ुशक़िस्मती का जश्न मनाएँ। आपका प्रेमी या प्रेमिका आज बहुत गुस्से में नजर आ सकते हैं , काम के बाद आपके सहकर्मी आपको किसी छोटे घरेलू उत्सव पर आमंत्रित कर सकते हैं। दूसरों को राज़ी करने की आपकी प्रतिभा आपको काफ़ी फ़ायदा पहुँचाएगी। जीवनसाथी के किसी अचानक काम की वजह से आपकी योजनाएँ बिगड़ सकती हैं। लेकिन फिर आपको महसूस होगा कि जो होता है अच्छे के लिए ही होता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज के दिन आप धन से जुड़ी समस्या के कारण परेशान रह सकते हैं। इसके लिए आपको अपने किसी विश्वास पात्र से सलाह लेनी चाहिए। जीवनसाथी के साथ अपने रिश्तों में तनाव दूर करने के लिए अच्छा दिन है। हालात ठीक करने की ज़िम्मेदारी अपने कंधों पर लें और सकारात्मक तौर पर पहल करें। आपका आत्मविश्वास आपकी पेशेवर ज़िंदगी में ख़ास असर छोड़ेगा। यह दूसरों को आपका नज़रिया समझाने और उनकी मदद हासिल करने में कारगर रहेगा। यात्रा के दौरान आप नयी जगहों को जानेंगे और महत्वपूर्ण लोगों से मुलाक़ात होगी।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज आप आसानी से पैसे इकट्ठा कर सकते हैं– लोगों को दिए पुराने कर्ज़ वापिस मिल सकते हैं– या फिर किसी नयी परियोजना पर लगाने के लिए धन अर्जित कर सकते हैं। बच्चे आपको घरेलू काम–काज निबटाने में मदद करेंगे। आपका प्रेमी आज आपकी बातों को सुनने से ज्यादा अपनी बातें कहना पसंद करेगा जिसकी वजह से आप थोड़े खिन्न हो सकते हैं। काम में मन लगाएँ और जज़्बाती बातों से बचें। ऑफिस से जल्दी घर जाने का प्लान आज आप ऑफिस पहुंचकर ही कर सकते हैं। घर पहुंचकर आप किसी पार्क में परिवार के लोगों के साथ जाने का प्लान बना सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपका स्वास्थ्य दुरुस्त रहने की पूरी उम्मीद है। अपने अच्छे स्वास्थ्य के चलते आज आप अपने दोस्तों के साथ खेलने का प्लान बना सकते हैं। आज यदि आप अपने दोस्तों के साथ कहीं घूमने जा रहे हैं तो पैसा सोच समझकर खर्च करें। धन हानि हो सकती है। घर से जुड़ी योजनाओं पर विचार करने की ज़रूरत है। अपने प्रिय की छोटी–मोटी भूल को अनदेखा करें। किसी के साथ नयी परियोजना या भा–गीदारी वाले व्यवसाय को शुरू करने से बचें। किसी भी स्थिति में आपको अपने समय का ख्याल रखना चाहिए , वैवाहिक जीवन के लिए विशेष दिन है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज अपनी सेहत के चिंता करने की क़तई ज़रूरत नहीं है। आपके आस–पास के लोग आपको प्रोत्साहित करेंगे व सराहेंगे। बिना किसी की सलाह लिये बिना आज आपको पैसा कहीं भी इनवेस्ट नहीं करना चाहिए। जिन लोगों से आपकी मुलाक़ात कभी–कभी ही होती है, उनसे बातचीत और संपर्क करने के लिए अच्छा दिन है। आपके प्रिय की ख़राब तबियत के चलते रोमांस को दरकिनार होना पड़ सकता है। कामकाज में आ रहे बदलावों के कारण आपको लाभ मिलेगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज के दिन किए गए दान–पुण्य के काम आपको मानसिक शान्ति और सुकून देंगे। जो लोग शादीशुदा हैं उन्हें आज अपने बच्चों की पढ़ाई पर अच्छा खासा धन खर्च करना पड़ सकता है। अपने प्रिय के लिए बदले की भावना से कुछ हासिल नहीं होगा– बजाय इसके आपको दिमाग़ शांत रखना चाहिए और अपने प्रिय को अपनी सच्चे जज़्बात से परिचित कराना चाहिए। प्रतिस्पर्धा के चलते काम–काज की अधिकता थकावट भरी हो सकती है। इस राशि के छात्र–छात्राएं आज अपने कीमती समय का दुरुपयोग कर सकते हैं। लोगों की दख़लअन्दाज़ी वैवाहिक जीवन में परेशानी खड़ी कर सकती है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज ख़ास दिन है, क्योंकि अच्छा स्वास्थ्य आपको कुछ असाधारण काम करने की क्षमता देगा। आर्थिक तौर पर सुधार तय है। परिवार के लोगों से अपनी परेशानियां साझा करके आप हल्का महसूस करते हैं, लेकिन कई बार आप अपने अहम को आगे रखकर घर वालों को जरूरी बातें नहीं बताते। आपको ऐसा नहीं करना चाहिए ऐसा करके परेशानी और भी बढ़ेगी कम नहीं होगी। मुश्किल मामलों से बचने के लिए आपको अपने संपर्क उपयोग करने की ज़रूरत है। देर शाम तक आपको कहीं दूर से कोई अच्छी ख़बर सुनने को मिल सकती है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

शारीरिक तौर पर तंदुरुस्त रहने के लिए धूम्रपान की आदत छोड़ दें। पैसे कमाने के नए मौक़े मुनाफ़ा देंगे। आपकी भरपूर ऊर्जा और ज़बरदस्त उत्साह सकारात्मक परिणाम लाएंगे व घरेलू तनाव दूर करने में मददगार रहेंगे। दफ़्तर में जिसके साथ आपकी सबसे कम बनती है, उससे अच्छी बातचीत हो सकती है। दिल के करीबी लोगों के साथ आपका वक्त बिताने का मन करेगा लेकिन आप ऐसा कर पाने में सक्षम नहीं हो पाएंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज धन की बहुत आवश्यकता पड़ेगी लेकिन बीते दिनों में किये गये फिजुलखर्च के कारण उनके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। अपने परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों पर ध्यान देना आज आपकी प्राथमिकता होनी चाहिए। आज फ़ायदा हो सकता है, बशर्ते आप अपनी बात भली–भांति रखें और काम में लगन व उत्साह दिखाएँ। इस राशि के लोग बड़े ही दिलचस्प होते हैं। अपने जीवनसाथी के साथ आप आज एक शानदार शाम गुज़ार सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

गर्भवती महिलाओं के लिए अतिरिक्त सावधान रहने का दिन है। अगर आप लोन लेने वाले थे और काफी दिनों से इस काम में लगे थे तो आज के दिन आपको लोन मिल सकता है। शाम का ज़्यादातर समय मेहमानों के साथ गुज़रेगा। आपके प्रिय के साथ कुछ मतभेद उभर सकते हैं– साथ ही अपने साथी को अपना नज़रिया समझाने में भी तकलीफ़ महसूस होगी। आज ऐसी कई सारी चीज़ें होंगी – जिनकी तरफ़ तुरन्त ग़ौर करने की आवश्यकता है। परिवार के सदस्यों के साथ थोड़ी दिक़्क़त का सामना करना पड़ सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज किसी विपरीत लिंगी की मदद से आपको करोबार या नौकरी में आर्थिक लाभ होने की संभावना है। पारिवारिक सदस्य या जीवन–साथी तनाव की वजह बन सकते हैं। अगर आप अपनी योजनाओं को सबके सामने खोलने में बिल्कुल नहीं हिचकते, तो आप अपनी परियोजना को ख़राब कर सकते हैं। घर से बाहर निकलकर आज आप खुली हवाओं में टहलना पसंद करेंगे। आज आपका मन शांत होगा जिसका फायदा आपको पूरे दिन मिले–गा। जीवनसाथी की ओर से जानबूझ कर भावनात्मक चोट मिल सकती है, जिसके चलते आप उदास हो सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

इस राशि के कुछ लोगों को आज संतान पक्ष से आर्थिक लाभ होने की उम्मीद है। आज आपको अपनी संतान पर गर्व महसूस होगा। एक बेहतरीन शाम के लिए रिश्तेदार घर आ सकते हैं। आज किए गए निवेश काफ़ी फ़ायदेमन्द साबित होंगे, लेकिन आपको भागीदारों से विरोध का सामना करना पड़ सकता है। जो भी आपसे मिले, उसके साथ विनम्र और सुखद व्यवहार करें। बहुत कम लोग ही आपके इस आ–कर्षण का राज़ जान पाएंगे। कई लोग साथ तो रहते हैं, लेकिन उनके जीवन में रोमांस नहीं होता। लेकिन यह दिन आपके लिए बेहद उत्साहवर्धक रहने वाला है।

आज का पंचांग

दिनांक : 09 फरवरी 2026 , सोमवार
विक्रम संवत : 2082
मास : फाल्गुन , कृष्ण पक्ष
तिथि : अष्टमी अहोरात्र
नक्षत्र : विशाखा अहोरात्र
योग : वृद्धि रात्रि 12:58 तक
करण : बालव सायं 06:15 तक
चन्द्रराशि : तुला रात्रि 01:11 तक
सूर्योदय : 06:45, सूर्यास्त 06:15 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:44, सूर्यास्त 06:23 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:37 , सूर्यास्त 06:15 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:35, सूर्यास्त 06:07 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : कालाष्टमी

❋ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ❋
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

फरीदाबाद के सूरजकुंड मेले में बड़ा हादसा

झूला गिरने से इंस्पेक्टर की मौत, 12 घायल

पर्यटन मंत्री ने दिए जांच के आदेश

फरीदाबाद, 08 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के फरीदाबाद में चल रहे 39वें अंतरराष्ट्रीय सूरजकुंड क्राफ्ट मेले में शनिवार शाम एक दर्दनाक हादसा हो गया। मेले में लगा एक 'सुनामी झूला' अचानक टूटकर गिर गया, जिसकी चपेट में आने से पलवल के चांदहट थाने के डक्ज इंस्पेक्टर जगदीश प्रसाद की मौत हो गई, जबकि 12 अन्य लोग घायल हो गए। हादसे के वक्त झूले पर करीब 18 लोग सवार थे। हादसे का खौफनाक मंजर प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शाम करीब सवा 6 बजे झूला ऊपर से नीचे आते समय अचानक रेलिंग से टकराकर गिर गया। हादसे के बाद मेले में चीख–पुकार मच गई। एक दुकानदार राघव ने बताया कि झूला गिरने के बाद उन्होंने अपनी जान जोखिम में डालकर 7–8 लोगों को सुरक्षित नीचे उतारा, लेकिन तभी झूले का बाकी हिस्सा भी नीचे आ गिरा। घटना के तुरंत बाद पुलिस ने पूरे मेला ग्राउंड को खाली करा लिया। रिटायरमेंट से ठीक पहले गई जान मृतक इंस्पेक्टर जगदीश प्रसाद की पहचान पलवल जिले के चांदहट थाने के डक्ज के रूप में हुई है। वे इसी साल 31 मार्च को अपनी सेवा से रिटायर होने वाले थे। हादसे के वक्त वे ड्यूटी पर तैनात थे या पास ही मौजूद थे, जिसकी चपेट में आने से उनकी जान चली गई।

प्रशासनिक कार्रवाई और उच्च स्तरीय जांच घटना की सूचना मिलते ही रात 10 बजे पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा मेला ग्राउंड पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। इसके बाद उन्होंने अस्पताल जाकर घायलों का हाल–चाल जाना। मंत्री ने कहा, पूरे मामले की जांच के लिए ऊ की अध्यक्षता में एक कमेटी बना दी गई है। वहीं मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने भी घायलों को बेहतर इलाज उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

सुरक्षा पर उठे सवाल मेले के नोडल अधिकारी हरविंद्र यादव ने दावा किया कि झूलों के निरीक्षण के लिए एक कमेटी बनाई गई थी जो रोजाना जांच करती थी। हालांकि, एक ही दिन में दो घटनाएं (झूला गिरना और गेट नंबर–2 का डिजाइनर गेट गिरना) प्रशासन की तैयारियों और सुरक्षा दावों पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं। फरीदाबाद के ऊ आयुष सिन्हा ने कहा है कि वेंडर की लापरवाही की गहन जांच की जाएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

मंत्री राजेश नागर ने घटनास्थल का किया निरीक्षण, दो आरोपी गिरफ्तार

चंडीगढ़, 08 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के फरीदाबाद में चल रहे सूरजकुंड मेला हादसे में राज्य पुलिस ने रविवार को सुरक्षा सुनिश्चित करने में लापरवाही बरतने के आरोप में राइड–ऑपरेटिंग कंपनी के मालिक सहित दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया। हरियाणा के मंत्री राजेश नागर ने भी रविवार को सूरजकुंड मेला पहुंचकर लोगों से मुलाकात कर पूरे हादसे की जानकारी ली। मंत्री ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और मौके पर मौजूद अधिकारियों को भी लापरवाही नहीं बरतने का आदेश दिया। एसीपी दिनेश कुमार ने आईएएनएस से बात करते हुए बताया, यह घटना शाम 6:00 से 6:15 बजे के बीच हुई। रोलिंग झूले पर कम से कम 12–13 लोग थे। अचानक झूले का एक हिस्सा टूट गया। झूला टूटने के तुरंत बाद, एक इंस्पेक्टर, दो महिलाएं, एक एएसआई, एक सैनिक और एक होम गार्ड बच्चों को बचाने के लिए झूले पर चढ़ गए। जब वे उन्हें बचाने की कोशिश कर रहे थे, तो झूले का दूसरा हिस्सा भी टूट गया।

उन्होंने कहा कि लोगों को बचाने के दौरान ही इंस्पेक्टर को काफी चोट लग गई थी, जिसके बाद डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया था। हादसे के बाद झूले वाले भाग को बंद कर दिया गया है और लापरवाही के चलते तीन लोगों पर एफआईआर भी दर्ज की गई है। मामले की आगे की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया गया है, जो जांच के बाद रिपोर्ट पेश करेगी।

सूरजकुंड हादसे की जांच के लिए एसआईटी का गठन, डीजीपी क्राइम मुकेश मल्होत्रा की देखरेख में होगी जांच

फरीदाबाद, 08 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के सूरजकुंड हादसे की जांच के लिए एसआईटी का गठन कर दिया गया है। फरीदाबाद पुलिस की बनाई गई एसआईटी में एसीपी क्राइम वरुण दहिया, एक इंस्पेक्टर और एक सब इंस्पेक्टर को रखा गया है। डीसीपी क्राइम मुकेश मल्होत्रा की देखरेख में जांच होगी। एसआईटी अब जांच कर पता लगाएगी कि सूरजकुंड हादसा कैसे हुआ और कौन–कौन लोग इसके लिए जिम्मेदार हैं। सूरजकुंड हादसे पर चश्मदीद अबरार अली ने आईएएनएस से बात करते हुए बताया, मेरी दुकान झूले के सामने है। मैंने देखा कि जब झूला टूटा, तो लोग अचानक चिल्लाने लगे। लोग दोनों तरफ बैठे थे और चिल्लाने और रोने लगे। मैं अपनी दुकान छोड़कर भागा। वहां 3–4 फुट की रेलिंग थी, जिसे मैं कूदकर ऊपर चढ़ गया। मैंने सात लोगों को बचाया और उन्हें सुरक्षित किनारे ले गया। दूसरों को बचाने की कोशिश करते समय झूला पूरी तरह गिर गया।

अबरार अली ने बताया कि एक अन्य शख्स भी मेरे साथ थे, वो भी लोगों को बचा रहे थे, लेकिन इस हादसे में उनकी मौत हो गई। जो लोग नीचे थे, उनको बचा लिया गया।हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने भी शनिवार को फरीदाबाद में सूरजकुंड मेले के दौरान हुए हादसे पर दुख जताया था। इस दुखद घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए हरियाणा के मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने कहा था, एक तरफ 13 लोग बैठे थे और दूसरी तरफ 13। यह बहुत दुखद घटना है। मुख्यमंत्री, जिला प्रशासन, पुलिस और मेला अधिकारी परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हैं।

सूरजकुंड मेले में हादसे से हरियाणा की छवि देश और दुनिया में खराब हुई, पर्यटन विभाग जिम्मेदार : दुष्यंत चौटाला

चंडीगढ़, 08 फरवरी (एजेंसियां)। पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने फरीदाबाद में चल रहे 39वे सूरजकुंड शिल्प मेले में शनिवार को हुए हादसे की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि विश्व स्तर पर ख्याति प्राप्त सूरजकुंड मेले में ऐसा हादसे होने से इस मेले और हरियाणा की प्रतिष्ठा को ना सिर्फ देश में, बल्कि विश्व स्तर पर नुकसान पहुंचा है।

उन्होंने हादसे के कारणों की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है और इसके लिए जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि इस हादसे से हरियाणा की छवि को हुए नुकसान के लिए हरियाणा का पर्यटन विभाग जिम्मेदार है। मेले में 50 देशों के 700 से ज्यादा शिल्पकार हिस्सा ले रहे हैं और देश–विदेश से पर्यटक आ रहे हैं। पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि सूरजकुंड का अंतर्राष्ट्रीय मेला हाथ से सामान बनाने वाले देश–दुनिया के उम्दा कलाकारों को एक शानदार प्लेटफॉर्म उपलब्ध करवाता है। इस मेले में देश विदेश से लाखों पर्यटक आते हैं और शिल्पकारों व कलाकारों के बनाए सामान को देखते और खरीदते हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा के पर्यटन विभाग ने पिछले कुछ वर्षों से इस मेले को कमाई का जरिया बना लिया है और इसमें एडवेंचर के नाम पर असुरक्षित झूले लगाने की इजाजत दी जा रही है। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि ऐसे झूलों की तरफ पर्यटक आकर्षित होते हैं और हथकरघा कारीगरों के काम की अनदेखी होती है। उन्होंने कहा कि सूरजकुंड मेले में ये झूले गैरजरूरी और कारीगरों की अनदेखी करवाने वाला कदम है।

भारत–अमेरिका व्यापार समझौते में राष्ट्रीय हितों की सुरक्षा पर स्पष्टता आवश्यक: कुमारी सैलजा

चंडीगढ़, 08 फरवरी (एजेंसियां)। सिरसा की सांसद, कांग्रेस की महासचिव व पूर्व मंत्री कुमारी सैलजा ने अमेरिका के साथ घोषित व्यापार समझौते के संयुक्त वक्तव्य पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि उपलब्ध जानकारी के अनुसार इस समझौते के कुछ प्रा–वधान भारतीय किसानों, व्यापारियों, श्रमिकों और घरेलू उद्योगों को असमान प्रतिस्पर्धा की स्थिति में खड़ा कर सकते हैं। आज मीडिया को जारी बयान में सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि यदि अमेरिकी कृषि, खाद्य और औद्योगिक उत्पादों के लिए भारतीय बाज़ार को व्यापक रूप से खोला जाता है, जबकि भारतीय निर्यात पर उच्च टैरिफ (शुल्क) और अन्य गैर–शुल्क बाधाएँ बनी रहती हैं, तो इसका सीधा प्रभाव देश की कृषि अर्थव्यवस्था, कुटीर उद्योगों और रोजगार पर पड़ सकता है। कुमारी सैलजा ने कहा कि विशेष रूप से कपड़ा, चमड़ा, जूते, रबड़, रसायन तथा कारीगर उत्पाद जैसे क्षेत्र, जो बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार प्रदान करते हैं, इस प्रकार की असमान शर्तों से प्रभावित हो सकते हैं। ऐसे में यह जानना आवश्यक है कि इन क्षेत्रों की सुरक्षा के लिए समझौते में कौन–कौन से ठोस सुरक्षा प्रावधान (सेफगार्ड) शामिल किए गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यदि आने वाले वर्षों में अमेरिकी उत्पादों की बड़े पैमाने पर खरीद का कोई प्रा–वधान है, तो यह 'आत्मनिर्भर भारत' और घरेलू उत्पादन को प्रोत्साहन देने की नीति के साथ किस प्रकार संतुलित होगा, यह स्पष्ट किया जाना चाहिए।

पशुपालन को आधुनिक, लाभकारी और टिकाऊ बनाना है सरकार का लक्ष्य : नायब सिंह सैनी

कुरुक्षेत्र, 08 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत के संकल्प के साथ देश तेज गति से आगे बढ़ रहा है। ऐसे समय में पशुपालन क्षेत्र की भूमिका और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। दुग्ध उत्पादन, मूल्य संवर्धन, निर्यात संभावनाएं और स्टार्ट–अप संस्कृति में अपार अवसर हैं। प्रदेश सरकार का लक्ष्य पशुपालन को आधुनिक, लाभकारी और टिकाऊ बनाना है। इसी कड़ी में पशु स्वास्थ्य सेवाओं को गांव–गांव तक पहुंचा रहे हैं, उन्नत नस्ल संवर्धन को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। दुग्ध संग्रहण और विपणन की मजबूत व्यवस्था की जा रही है। इसके साथ ही प्रशिक्षण और ऋण सुविधाओं का भी विस्तार भी किया जा रहा है। सरकार का पशुपालकों की आय को बढ़ाना, जोखिम घाटे को कम करना और बाजार तक सीधी पहुंच बनाना प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी कुरुक्षेत्र में आयोजित 41वीं राज्य स्तरीय पशुधन प्रदर्शनी समारोह के तीसरे दिन बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। इस दौरान कैबिनेट मंत्री श्याम सिंह राणा, सांसद नवीन जिंदल, पूर्व मंत्री सुभाष सुधा, चेयरमैन धर्मवीर मिर्जापुर भी साथ रहे। मुख्यमंत्री ने देशी गाय को गुड़ खिलाकर पूजा अर्चना भी की।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने प्रदर्शनी का निरीक्षण कर पशुओं की विभिन्न नस्लों को देखा और पशुपालकों से बातचीत की। मेले में बनाए कैटवॉक पर अच्छी नस्ल के पशुओं का प्रदर्शन देखा। इस दौरान ऊंट ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का माला पहनाकर स्वागत किया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने विभिन्न कैटेगरी में अव्वल आने वाले पशुपालकों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया।इस मौके पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि यह तीन दिवसीय पशुधन प्रदर्शनी हमारी ग्रामीण संस्कृति, पशुधन परंपरा और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में बढ़ते हमारे संकल्प का जीवंत प्रतीक है। धर्म–कुरुक्षेत्र की यह पावन धरा, जो कर्म, कर्तव्य और संतुलन का संदेश देती है, आज पशुपालन और ग्रामीण समृद्धि के संकल्प की साक्षी बनी है।

उन्होंने कहा कि पिछले तीन दिनों में इस प्रदर्शनी ने पशुपालकों, किसानों, युवाओं, वैज्ञानिकों और उद्यमियों को एक साझा मंच प्रदान किया। यहां उच्च गुणवत्ता वाले पशुओं की प्रदर्शनी, कैटल शो, आधुनिक तकनीकों की झलक, पशु स्वास्थ्य शिविर, प्रशिक्षण सत्र और नवाचार आधारित कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन सभी ने यह सिद्ध किया कि हरियाणा का पशुपालन क्षेत्र परंपरा और प्रगति का सुंदर संगम है। प्रदेश के प्रति व्यक्ति प्रतिदिन दूध उपलब्धता 1 हजार 128 ग्राम है।

भीलवाड़ा में सनातन मंगल महोत्सव की तैयारियां तेज

राज्यपाल,मुख्यमंत्री– विधानसभा अध्यक्ष की संभावित उपस्थिति को लेकर प्रशासन अलर्ट

भीलवाड़ा, 08 फरवरी (एजेंसियां)। शहर में पहली बार आयोजित होने जा रहे भव्य सनातन मंगल महोत्सव एवं दीक्षा दान समारोह को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। हरी शेवा उदासीन आश्रम सनातन मंदिर के महामंडलेश्वर स्वामी हंसराम उदासीन के संयोजन में यह महोत्सव 19 से 26 फरवरी तक आयोजित होगा। महोत्सव में राजस्थान के राज्यपाल, मुख्यमंत्री, विधानसभा अध्यक्ष सहित प्रदेश के कई मंत्रीगण एवं भीलवाड़ा जिले के तमाम जनप्रतिनिधियों की संभावित उपस्थिति को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। इसी क्रम में पुलिस व प्रशासन के आला अधिकारियों ने महोत्सव स्थल का निरीक्षण कर सुरक्षा, यातायात, अतिक्रमण और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अधिकारियों ने महामंडलेश्वर स्वामी हंसराम उदासीन के साथ आयोजन स्थल सहित पूरे परिसर का भ्रमण किया तथा आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। निरीक्षण दल में एएसपी मुख्यालय पारस जैन, सीओ सिटी सज्जन सिंह, सीओ यातायात, भीमगंज थानाधिकारी सुनील चौधरी, कोतवाली थानाधिकारी शिवराज गुर्जर, ट्रैफिक इंचार्ज बाबूलाल टेपन, डीएसबी से एएसआई अरविंद व राजकुमार सहित अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। उनके साथ आयोजन समिति से सुरेश गोयल, रविंद्र जाजू, रमेश मूंदड़ा, अशोक मूंदड़ा, हनुमान अग्रवाल, छितर मल गेंगट, कन्हैयालाल मोरयानी सहित समिति के कई सदस्य भी उपस्थित थे।निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने महोत्सव स्थल के आसपास के मार्गों पर हो रहे अतिक्रमण को हटाने, यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने, पार्किंग, भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विस्तृत चर्चा की। अधिकारियों ने निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं और अतिथियों की सुविधा सर्वोपरि रहे तथा किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो।

प्रधानमंत्री के सबका साथ, सबका विकास के मूल मंत्र पर राज्य सरकार निरंतर कर रही कार्य : भजनलाल

जयपुर, 08 फरवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि किसान, श्रमिक और पशुपालकों सहित अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक जनकल्याणकारी योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए प्रदेश के हर गिरदावर सर्किल पर ग्राम उत्थान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों के माध्यम से सरकार स्वयं पात्र लाभान्वितों तक पहुंच रही है और संबंधित कार्यों का त्वरित निस्तारण किया जा रहा है। उन्होंने ग्रामीणों से इन शिविरों का अधिक से अधिक लाभ लेने का आह्वान किया। शर्मा रविवार को रामगढ़ के ग्राम बहाला में आयोजित ग्राम उत्थान शिविर को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने अलवर शहर के लिए 152 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं की सौगात दी।

इसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, ऊर्जा, बुनियादी ढांचे और नागरिक सुविधाओं से जुड़े लोकार्पण और शिलान्यास कार्य शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गांवों में देश की आत्मा बसती है। इसी मूल मंत्र के अनुरूप प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गांवों को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने की रूपरेखा बनाई है। उनके द्वारा प्रारंभ किए गए स्वच्छ भारत अभियान के माध्यम से गांवों को खुले में शौच से मुक्ति मिल रही है। वहीं, प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से करोड़ों परिवारों को पक्के मकान और जल जीवन मिशन के तहत हर घर तक नल से स्वच्छ जल पहुंचाने के कार्य किए जा रहे हैं। शर्मा ने कहा कि वीबी जी राम जी कानून में ग्रामीणों को वर्ष में 100 दिन के स्थान पर 125 दिन का रोजगार मिलेगा। इस कानून के अंतर्गत सभी कार्य पूर्ण पारदर्शिता के साथ और आधुनिक तकनीक के माध्यम से होंगे, जिससे श्रमिकों की मजदूरी सीधे उनके खाते में पहुंचेगी। स्थायी संपत्तियों का निर्माण होगा, जिससे गांवों का बुनियादी ढांचा सुदृढ़ होगा।

कांग्रेस को वोट मांगने का कोई नैतिक अधिकार नहीं, सेवानिवृत्त कर्मचारी ने लगाया बैनर

मंचेरियाल, 08 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राज्य सरकार के खिलाफ एक अनोखे विरोध के रूप में, एक सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारी ने अपने आवास के बाहर एक फ्लेक्स बैनर प्रदर्शित किया, जिसमें कहा गया है कि कांग्रेस नेताओं को उनके घर में प्रवेश करके वोट मांगने का कोई अधिकार नहीं है।

सेवानिवृत्त कर्मचारी बुर्रा सुधाकर गौड ने करीमनगर कस्बे के भगाथनगर में अपने आवास पर यह बैनर लगाया। उन्होंने सत्ताधारी पार्टी के नेताओं को प्रवेश से वंचित करने का कारण बताते हुए कहा कि राज्य सरकार उनकी सेवानिवृत्ति भत्तों के भुगतान में देरी कर रही है।

चुनावी मौसम की उठापटक

नगरपालिका चुनावों के मद्देनजर, सभी राजनीतिक दलों के नेता और कार्यकर्ता उनके आवास पर वोट मांगने के लिए आ रहे हैं। इस विरोध के तहत, सुधाकर गौड ने कहा कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली राज्य सरकार 23 महीने बाद भी सेवानिवृत्ति लाभ का भुगतान करने में विफल रही है।

सेवानिवृत्त कर्मचारियों की दुर्दशा

बैनर पर लिखा है: ङ्क्षङ्कयह एक सेवानिवृत्त कर्मचारी का घर है। कांग्रेस नेताओं को वोट मांगने के लिए इस घर पर नहीं आना चाहिए, क्योंकि राज्य सरकार 23 महीने बाद भी सेवानिवृत्ति लाभ का भुगतान नहीं कर रही है।ङ्क्षङ्क सुधाकर गौड ने यह भी बताया कि लगभग 20,500 सेवानिवृत्त कर्मचारी अपने लाभों की प्रतीक्षा कर रहे हैं, और वित्तीय समस्याओं से जूझने में असमर्थ होने के कारण लगभग 61 कर्मचारियों की मृत्यु हो चुकी है।

नैतिक अधिकार का सवाल

सुधाकर गौड ने कहा कि सेवानिवृत्त कर्मचारियों को अपने भत्तों के भुगतान में देरी के कारण भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, इसलिए सत्तधारी दल के उम्मीदवारों के पक्ष में मतदान करने का कोई अर्थ नहीं है। उन्होंने कहा कि इसी कारण उन्होंने कांग्रेस नेताओं को अपने घर में प्रवेश से रोकने के लिए बैनर लगाया।सेवानिवृत्त कर्मचारी कल्याण संघ की जिला इकाई ने भी सुधाकर गौड को अपना समर्थन दिया, इस मुद्दे पर उनका यह विरोध एक महत्वपूर्ण संदेश देता है कि सरकार को अपने कर्मचारियों के प्रति जिम्मेदारी निभानी चाहिए।

जिले में वरिष्ठ नेताओं के टिकट विवाद से कांग्रेस में फूट

मंचेरियाल, 08 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। अपनी ही राजनीतिक पार्टी द्वारा टिकट न दिए जाने के कारण कुछ नेताओं का बागी उम्मीदवार बनकर चुनाव लड़ना अब असामान्य नहीं रहा है।

हालांकि, जगतियाल में दशकों से कांग्रेस की सेवा करने वाले अधिकांश कार्यकर्ता अब स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं, जबकि नवगठित नेताओं को पार्टी का आधिकारिक टिकट मिल गया है। नगरपालिका चुनावों से कुछ समय पहले, कांग्रेस की जगतियाल इकाई में इस प्रकार की विचित्र स्थिति बनी हुई है।

विवाद का मुख्य कारण

इस स्थिति का मुख्य कारण जीवन रेड्डी और संजय कुमार के बीच का विवाद बताया जा रहा है। संजय कुमार के बीआरएस छोड़कर कांग्रेस पार्टी में शामिल होने के बाद जीवन रेड्डी नाखुश रहे हैं, क्योंकि उनकी जानकारी के बिना पार्टी में संजय की सदस्यता हुई। तब से, जीवन रेड्डी अवसर मिलते ही पार्टी नेतृत्व के खिलाफ अपनी असहमति व्यक्त करते रहे हैं।

टिकट आवंटन में असमानता

जगतियाल नगरपालिका चुनावों के लिए टिकटों के आवंटन के दौरान, विधायक के समूह को 35 टिकट मिले, जबकि कुल 50 वार्डों में से केवल 15 उम्मीदवारों को ही पार्टी के बी-फॉर्म मिले। टिकट आवंटन से नाराज होकर, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता के एक प्रशंसक ने कथित तौर पर आत्महत्या करने का प्रयास किया।

स्वतंत्र उम्मीदवारों का समर्थन

इस फैसले से नाराज होकर, जीवन रेड्डी ने अपने समर्थकों को स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतारने का फैसला किया। उन्होंने विभिन्न वार्डों का दौरा कर अपने उम्मीदवारों के लिए प्रचार किया और मतदाताओं से उनके पक्ष में समर्थन की अपील की।

चुनाव चिह्न का विवाद

जीवन रेड्डी ने मतदाताओं को सूचित किया कि उनका मूल कांग्रेस चुनाव चिह्न, हाथ, नव नियुक्त नेताओं द्वारा अवैध रूप से उनसे छीन लिया गया था। दूसरी ओर, पूर्व नगर निकाय के लिए चुने गए बीआरएस के पूर्व पार्षद भी अपने-अपने वार्डों से चुनाव लड़ रहे हैं।

बेल्लमपल्ली: बस्तीवासियों ने विधायक को सौंपा ज्ञापन

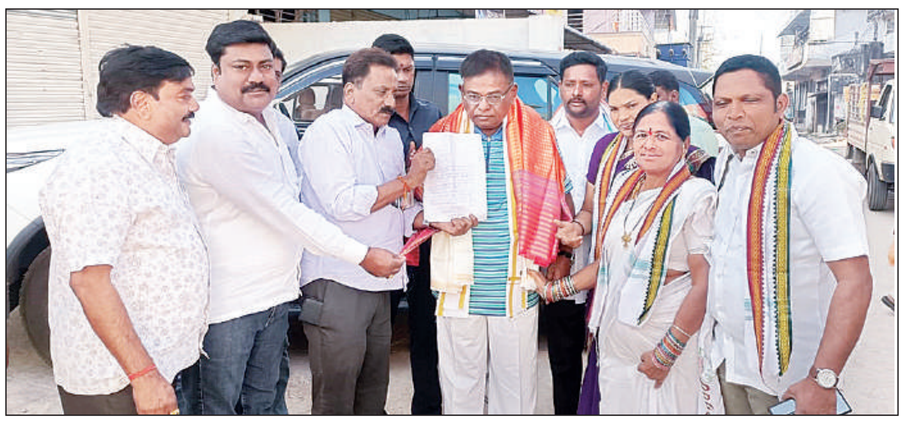

बेल्लमपल्ली, 08 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। बेल्लमपल्ली नगर के 18वें वार्ड स्थित कॉन्ट्रैक्टर बस्ती के निवासियों ने वर्षों से अनसुलझी समस्याओं के समाधान के लिए रविवार को बेलामपल्ली विधायक गड्डम विनोद को एक ज्ञापन सौंपा।

इस मौके पर स्थानीय कांग्रेस नेता कोलीपाक श्रीनिवास ने बस्ती की समस्याओं को विधायक के समक्ष रखा और उनके महत्व पर प्रकाश डाला। विधायक ने बस्तीवासियों की समस्याओं के प्रति सकारात्मक प्रतिक्रिया जताते हुए उन्हें जल्द ही समाधान करने का आश्वासन दिया।

इस कार्यक्रम में व्यापारी कोडिपका विद्यासागर, नेता के. राजेश, के. यादगिरी और अन्य स्थानीय निवासी भी मौजूद थे।

बस्तीवासियों के इस प्रयास से साफ है कि वे अपनी समस्याओं के प्रति गंभीर हैं और इसके समाधान की दिशा में सक्रिय रूप से प्रयास कर रहे हैं।

मंत्री की सभा के दौरान पुलिस ने शवयात्रा को रोका!

मंचेरियाल, 08 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। कोरुटला कस्बे में सिंचाई मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी द्वारा आयोजित एक सभा के दौरान, पुलिस ने एक अंतिम संस्कार जुलूस को रोकने का विवादास्पद कदम उठाया।

मंत्री ने नगरपालिका चुनाव अभियान के तहत कोरुटला कस्बे के विभिन्न वार्डों में पार्टी उम्मीदवारों के लिए समर्थन जुटाने के लिए कलवागड्डा सब्जी मंडी में सभा को संबोधित किया। इसी दौरान राजकवाड़ा की शेषिकाला की अंतिम यात्रा उस क्षेत्र से गुजर रही थी।

स्थानीय नेताओं का विरोध

हालांकि, पुलिस ने शवयात्रा को बीच रास्ते में रोक दिया। स्थानीय नेताओं ने इस मामले को पुलिस के संज्ञान में लाने का प्रयास किया, लेकिन अधिकारियों द्वारा तत्काल कोई कार्रवाई नहीं की गई।

इससे पुलिस और मृतक के परिवार के सदस्यों के बीच बहस भी शुरू हो गई।

घटना की जानकारी मिलते ही मीडियाकर्मी मौके पर पहुंचे। मीडिया के ध्यान आकर्षित करने के बाद, अंततः शवयात्रा को आगे बढ़ने की अनुमति दी गई। इस घटना ने एक बार फिर यह सवाल उठाया है कि सार्वजनिक कार्यक्रमों के दौरान संवेदनशीलता और मानवता को कैसे प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

किनवट में संत श्री गजानन महाराज के 148वें प्रकटोत्सव पर भक्ति का अद्भुत माहौल

किनवट, 08 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

किनवट शहर के लोगों के पूज्य देवता, संत श्री गजानन महाराज के 148वें प्रकट दिवस पर भक्ति के सागर में स्नान करने का अवसर मिला। सुबह से शुरू हुए पालखी शोभा यात्रा ने पूरे दिन शहर में धार्मिक भावनाओं और आस्था का संगम देखा, जिसमें सेवा, त्याग और समर्पण की भावना से शहर भरा रहा।

भव्य पालखी यात्रा

इस अवसर पर एक भव्य पालखी यात्रा का आयोजन किया गया, जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। नगर की सड़कों पर शोभायात्रा निकाली गई। ताल-मृदंग की गूंज के साथ ङ्क्षङ्कहरिनामङ्क्षङ्क की मंत्रगरजना और अभंग-भजन से वातावरण गुंजायमान हो गया।सड़कों को रंग-बिरंगी रोशनी, फूलों और झालरों से सजाया गया। पुरुषों और महिलाओं ने भगवा झंडे और सिर पर कलश के साथ इस जुलूस में भाग लिया।

सेवा और समर्पण

भक्तों ने संतों की सेवा की भावना को जीवित रखते हुए चाय, पानी, फल, और विभिन्न प्रकार के अल्पोपहार प्रसाद वितरित किए। संत श्री गजानन महाराज के प्रकट के दिन शहर में आस्था, सेवा और समर्पण का भव्य प्रदर्शन हुआ।गण गण गणत बोते के मंत्र न केवल कानों में बल्कि हर भक्त के दिलों में गूंजे, और किनवटकर ने एक बार फिर संतों के चरणों में सिर झुका कर उनकी भक्ति का प्रमाण दिया।

महाप्रसाद और सांस्कृतिक कार्यक्रम

पालकी का पवित्र और भक्ति मार्ग गजानन महाराज मंदिर से निकलने के बाद, शहरभर में भक्ति का वातावरण बना रहा। शोभायात्रा का रुख स्वामी समर्थ मंदिर, शिवाजी चौक, विठ्ठल मंदिर, श्रीराम मंदिर, और हनुमान मंदिर की ओर था, जहां से वापस आने पर गजानन महाराज की महा आरती और महाप्रसाद का आयोजन किया गया।इस महोत्सव में वेदमूर्ति के दिव्य भागवत दिनेश गुरुजी ने श्री चंडी महायज्ञ, कीर्तन महोत्सव, और हरिनाम अखंड जैसे विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया। इस दौरान, भक्तों की कतारें लगी रहीं।

आयोजन की सफलता

इस महोत्सव के सफल आयोजन के लिए विश्वास मंडल और संस्थान के सेवकों ने कड़ी मेहनत की, जिससे दर्शन प्रसाद और सभी कार्यक्रमों का सुचारू संचालन संभव हुआ। किनवट के भक्तों ने एक बार फिर भक्ति की महानता को जीवित रखा और संत श्री गजानन महाराज के चरणों में श्रद्धा व्यक्त की।

भाजपा की रैली के दौरान फडणवीस ने कॉलेज के दिनों को याद किया

मंचेरियाल, 08 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंचेरियाल में आयोजित भाजपा चुनावी रैली के दौरान अपने कॉलेज के दिनों को याद करते हुए कहा कि वे अपने दोस्तों के साथ इस कस्बे में फिल्में देखा करते थे।फडणवीस ने नगर निगम चुनाव से पहले यहां एक जनसभा को संबोधित करते हुए पुरानी यादों को ताजा किया और बताया कि यह उनकी पहली यात्रा नहीं है; वे पहले भी कई बार यहां आ चुके हैं। उन्होंने आईबी चौक पर रैली को संबोधित करते हुए कहा, यहां मेरे कई दोस्त थे और कॉलेज के दिनों में मैं अपने दोस्तों के साथ इस शहर के सिनेमाघरों में फिल्में देखता था। इस शहर से मेरी बहुत सारी प्यारी यादें जुड़ी हैं।

कांग्रेस सरकार की आलोचना

रैली के दौरान, फडणवीस ने राज्य में कांग्रेस सरकार की भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय पार्टी के शासनकाल में कांग्रेस कर्ज में डूब गई और देश का विकास नहीं हुआ।

उन्होंने तेलंगाना में मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी पर भी निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने बीसी (जनसंख्या नस्ल और समुदाय) के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करने में असफल रहे हैं।

फडणवीस ने अपनी यात्रा के दौरान कुमराम भीम आसिफाबाद के कागजनगर में एक जनसभा को भी संबोधित किया, जहां उन्होंने पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं को आगामी चुनावों में सफल होने के लिए प्रेरित किया।

बेल्लमपल्ली नगर पालिका चुनाव प्रचार में हरीश राव ने कांग्रेस पर साधा निशाना

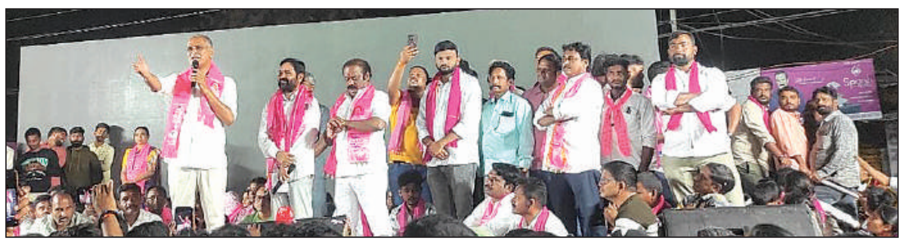

बेल्लमपल्ली, 08 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

बेल्लमपल्ली नगर पालिका चुनावों के तहत, तेलंगाना के पूर्व मंत्री टी. हरीश राव ने मंचेरियाल जिले के बीआरएस पार्टी अध्यक्ष बाल्का सुमन और पूर्व विधायक नाडीपल्ली दिवाकर राव के साथ मिलकर एक बड़ी सार्वजनिक मीटिंग में भाग लिया।यह बैठक कांटा चौरास्ता में आयोजित की गई, जिसमें बेल्लमपल्ली के पूर्व विधायक दुर्गम चिन्नैया ने अध्यक्षता की। इस अवसर पर, उन्होंने बेल्लमपल्ली नगर पालिका में बीआरएस सरकार के दौरान हुए विकास कार्यों को रेखांकित करते हुए, कांग्रेस पार्टी द्वारा किए गए अधूरे वादों पर भी ध्यान दिया।दुर्गम चिन्नैया ने 34 वार्ड के काउंसलर उम्मीदवारों से अपील की कि वे नगर पालिका चुनावों में बीआरएस पार्टी के कैंडिडेट को वोट दें। उन्होंने कहा कि इस जीत से मुख्यमंत्री केसीआर को समर्थन मिलेगा।इस कार्यक्रम में 34 वार्ड के बीआरएस उम्मीदवारों के अलावा, नगर अध्यक्ष सत्यनारायण, पूर्व वाइस चेयरमैन सुदर्शन, बीआरएसवी जिला अध्यक्ष श्रवण, और अन्य पार्टी के प्रतिनिधियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया, जिससे बीआरएस पार्टी के साथ स्थानीय नागरिकों का समर्थन दिखाई दिया।

मंचेरीयाल सरकारी छात्रावास में बासी भोजन खाने से 20 छात्र बीमार

मंचेरियाल, 08 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । मंचेरियाल जिले के बेल्लमपल्ली में एक सरकारी अनुसूचित जाति छात्रावास में बासी खाना खाने के कारण लगभग 20 छात्र बीमार पड़ गए। अधिकारियों के अनुसार, रात करीब 9 बजे छात्रावास में भोजन के बाद 15 से 25 छात्रों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। बताया जा रहा है कि कीड़े वाले भोजन के सेवन से छात्र बेहोश हो गए और उन्हें तुरंत शहर के एक अस्पताल में ले जाया गया।स्थानीय पुलिस और अधिकारियों ने इलाज के दौरान छात्रों से मुलाकात की, जिसमें से दो छात्रों की हालत गंभीर बताई जा रही है। सूचना मिलने पर बेल्लमपल्ली के पूर्व विधायक दुर्गम चिन्नैया ने अस्पताल का दौरा किया और अधिकारियों से प्रभावित छात्रों को बेहतर इलाज मुहैया कराने का अनुरोध किया।चिन्नैया ने अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने को कहा कि स्वच्छ वातावरण में गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री पकाई जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारी छात्रावासों में भोजन में मिलावट की घटनाएं आम हो गई हैं, जो अधिकारियों की लापरवाही को दर्शाती हैं।

अभिभावकों ने खाद्य संदूषण की समस्या पर चिंता व्यक्त की और अधिकारियों से भविष्य में ऐसी घटनाओं की रोकथाम के लिए एहतियाती कदम उठाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि छात्रों को छात्रावासों में बासी और कीड़े लगे भोजन परोसा जा रहा है, जिससे उनकी स्वास्थ्य सुरक्षा को खतरा है।

क्रिटिकल केयर अस्पताल का कार्य पूरा शीघ्र उद्घाटन की तैयारी : कलेक्टर

कुमुरम भीम आसिफाबाद, 8 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । जिला कलेक्टर एस. के. हरिता ने कहा कि जनता के स्वास्थ्य कल्याण के लिए सरकार द्वारा स्थापित क्रिटिकल केयर अस्पताल का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। उन्होंने निर्देश दिए कि अस्पताल के शीघ्र उद्घाटन की सभी तैयारियां पूरी की जाएं ताकि लोगों को उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।शनिवार को उन्होंने जिला मुख्यालय के अंकुसापुर स्थित राजकीय मेडिकल कॉलेज के परिसर में नवनिर्मित क्रिटिकल केयर अस्पताल का निरीक्षण किया। इस दौरान चिकित्सा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, इंजीनियरिंग विभाग के अधिकारी तथा अन्य संबंधित पदाधिकारी उनके साथ थे।निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने अस्पताल की भवन संरचना, सुविधाओं तथा अंतिम चरण के कार्यों का जायजा लिया।

उन्होंने कहा कि यह अस्पताल गंभीर रूप से बीमार मरीजों के लिए अत्याधुनिक उपचार सुविधा प्रदान करेगा, जिससे जिले तथा आसपास के क्षेत्रों के लोगों को दूर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

इसके बाद उन्होंने राजकीय मेडिकल कॉलेज के विभिन्न विभागों का भी दौरा किया और वहां की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया।कार्यक्रम में चिकित्सा विभाग के अधिकारी, इंजीनियरिंग विभाग के प्रतिनिधि तथा अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

अफगानिस्तान में अंतरराष्ट्रीय मैच खेलना विश्व कप जीतने से भी बड़ा सपना : राशिद खान

नई दिल्ली, 08 फरवरी (एजेंसियां)। अफगानिस्तान के स्टार लेग स्पिनर राशिद खान भले ही दुनिया भर में क्रिकेट खेलकर कई उपलब्धियां हासिल कर चुके हों, लेकिन अपने देश में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने का उनका सपना आज भी अधूरा है। युद्ध और अस्थिरता से प्रभावित अफगानिस्तान में अब तक एक भी अंतरराष्ट्रीय मुकाबला आयोजित नहीं हो सका है। हालात इतने चुनौतीपूर्ण रहे कि टीम को अपने घरेलू मैच विदेशों में खेलने पड़ते हैं। भारत के ग्रेटर नोएडा, देहरादून और लखनऊ से लेकर यूएई के शारजाह और अबूधाबी तक, कई शहर लंबे समय तक अफगानिस्तान टीम के घरेलू मैदान बने रहे। इसके बावजूद राशिद अपने इस सपने को छोड़ने को तैयार नहीं हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप 2026 मैच से पहले राशिद भावुक नजर आए। उन्होंने कहा, ईमानदारी से कहूं तो यह हमारे लिए विश्व कप से भी बड़ा सपना है। अगर हम अफगानिस्तान में कोई अंतरराष्ट्रीय मैच खेल पाते हैं, तो दुनिया देखेगी कि वहां लोग खिलाड़ियों का कितना सम्मान करते हैं और क्रिकेट का कितना आनंद लेते हैं। अपने देश में खेलना किसी सपने से बढ़कर है। राशिद ने बताया कि दुनिया के हर कोने में, खासकर आईपीएल के दौरान, उन्हें अपार प्यार मिलता है, लेकिन घरेलू दर्शकों के सामने खेलने का अनुभव अद्वितीय होगा। उन्होंने कहा, भारत में आईपीएल या अंतरराष्ट्रीय मैच खेलते हुए हमें हमेशा लगा कि लोग अपने सितारों को कितना प्यार देते हैं। हमें भी ढेर सारा स्नेह मिला है, खासकर 2023 विश्व कप में। लेकिन अफगानिस्तान में खेलना एक अलग एहसास देगा। तब दुनिया हमारे देश की खूबसूरती भी देखेगी। राशिद को उम्मीद है कि एक दिन ऐसा माहौल जरूर बनेगा, जब कोई अंतरराष्ट्रीय टीम अफगानिस्तान में सीरीज खेलने पहुंचेगी। राशिद ने अफगानिस्तान की घरेलू क्रिकेट संरचना की कमजोरियों पर भी बात की। उन्होंने बताया कि देश में छोटे प्रारूप के पर्याप्त मैच न होने की वजह से सीमित ओवरों की टीम चुनना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। उन्होंने कहा, अगर बल्लेबाजी में भी गेंदबाजी की तरह प्रतिस्पर्धा हो जाए, तो हम नई ऊंचाइयों पर पहुंच सकते हैं। असली प्रतिभा घरेलू क्रिकेट से ही निकलती है। अंत में, राशिद ने अफगानिस्तान महिला क्रिकेट टीम को भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलते देखने की इच्छा व्यक्त की और कहा कि किसी भी मंच पर देश का प्रतिनिधित्व करना गर्व की बात होती है।

न्यूज ब्रीफ

बुमराह और अभिषेक बीमार हुए, सुंदर नाबीमिया के खिलाफ वापसी करेंगे : सूर्यकुमार

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा भी बीमार हो गये हैं। टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पहले से ही बीमार हैं। ऐसे में अभिषेक के बीमार होने से टीम की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। टीम के लिए हालांकि राहत की बात ये है कि स्पिनर वाशिंगटन सुंदर फिट हो गये हैं। बुमराह बीमार होने के कारण पहले टी20 में नहीं उतरे थे। वहीं अभिषेक केवल बल्लेबाजी के लिए उतरे थे। जिसमें वह असफल रहे और पहली ही गेंद पर आउट हो गये। इसके बाद वह फील्डिंग के लिए भी नहीं उतरे भारतीय टीम हालांकि कप्तान सूर्यकुमार की अच्छी बल्लेबाजी से जीत हासिल करने में सफल रही। कप्तान सूर्यकुमार ने मैच के बाद कहा, बुमराह को मौसम की वजह से तेज बुखार था जबकि अभिषेक भी बीमार हो गये हैं। वहीं तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने बताया कि अभिषेक का पेट खराब था पर वह 12 फरवरी को नामीबिया के खिलाफ अगले मैच में उतर सकते हें। सिराज ने कहा, सब ठीक है। उसका पेट थोड़ा खराब था, इसलिए वह फील्डिंग करने नहीं आया। वह अगले मैच में वापस आएगा और आक्रामक बल्लेबाजी करेगा। भारतीय टीम अब 12 फरवरी को नामीबिया के खिलाफ मुकाबले मे उतरेगी। सूर्यकुमार ने बताया कि सुंदर इस मैच में खेलने के लिए फिट हैं।

स्पेन में आयोजित अंतरराष्ट्रीय बाक्सिंग प्रतियोगिता में लवलीना बरगोहाईं ने जीता स्वर्ण पदक

गुवाहाटी। भारत की स्टार मुक्केबाज़ और ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बरगोहाईं ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश का गौरव बढ़ाया है। स्पेन में आयोजित एक प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय बाक्सिंग प्रतियोगिता में उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। पूरे टूर्नामेंट के दौरान लवलीना बरगोहाईं का प्रदर्शन बेहद प्रभावशाली रहा। उन्होंने विभिन्न देशों से आई अनुभवी और मजबूत प्रतिद्वंद्वी मुक्केबाज़ों को लगातार पराजित करते हुए फाइनल तक का सफर तय किया। हर मुकाबले में उनकी तकनीक, आक्रामकता और रणनीतिक समझ साफ नजर आई, जिसने दर्शकों और विशेषज्ञों को प्रभावित किया। फाइनल मुकाबले में लवलीना ने आत्मविश्वास से भरा खेल दिखाते हुए निर्णायक जीत दर्ज की। उन्होंने पूरे मैच के दौरान नियंत्रण बनाए रखा और सटीक पंचों के जरिए प्रतिद्वंद्वी पर दबाव बनाए रखा। निर्णायकों ने सर्वसम्मति से उन्हें विजेता घोषित किया, जिसके साथ ही उन्होंने स्वर्ण पदक हासिल किया। लवलीना की इस जीत पर खेल जगत में खुशी की लहर है। भारतीय बाक्सिंग संघ, खेल विशेषज्ञों और प्रशंसकों ने उन्हें इस शानदार उपलब्धि के लिए बधाइयां दी हैं। इसे भारतीय बाक्सिंग के लिए एक गौरवपूर्ण क्षण बताया जा रहा है, जो आने वाली पीढ़ी के खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बनेगा। गौरतलब है कि लवलीना बरगोहाईं पहले भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई उपलब्धियां हासिल कर चुकी हैं और उनकी यह ताजा सफलता भारतीय खेल इतिहास में एक और सुनहरा अध्याय जोड़ती है।

आईसीसी अध्यक्ष जय शाह से मिले अमेरिकी राजदूत गोर

मुंबई। भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने कहा है कि क्रिकेट के विकास को लेकर उनकी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) अध्यक्ष जय शाह से मुलाकात सफल रही है। गोर ने भारत और अमेरिका के बीच हुए पहले मैच के दौरान वानखेड़े स्टेडियम में जय शाह से मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद अमेरिकी राजदूत ने सोशल मीडिया में लिखा, टी20 विश्व कप में मुझे आईसीसी अध्यक्ष जय शाह से मिलकर खुशी हुई है। हमने बातचीत में क्रिकेट के तेजी से विकास पर बात की। गोर ने इस दौरान रिलायंस समूह के प्रमुख मुकेश अंबानी और उनकी पत्नी नीता अंबानी से भी मुलाकात की। गोर ने अंबानी दंपत्ति के साथ मुलाकात की एक तस्वीर साझा करते हुए सोशल मीडिया में लिखा, मुकेश और नीता अंबानी से टी20 विश्व कप में भारत और अमेरिका मैच के दौरान मुलाकात कर खुशी हुई। गोर ने सोशल मीडिया में लिखा कि हमें अपनी क्रिकेट टीम पर गर्व है। उसने काफी बेहतरीन खेला। अमेरिका में क्रिकेट तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। अमेरिकी टीम ने पहले ही मैच में भारतीय टीम को जबरदस्त टक्कर दी। भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार के अलावा कोई अन्य अमेरिकी गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पाया। भारतीय टीम को जीत के लिए काफी संघर्ष करना पड़ा।

विश्वकप में उलटफेर से चूका नेपाल, करन के निर्णायक ओवर से इंग्लैंड ने चार रन से जीता मैच

वानखेड़े, 08 फरवरी (एजेंसियां)। टी20 विश्व कप 2026 का पांचवां मुकाबला वानखेड़े में खेला गया। इस दौरान टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड ने जैकब बेथेल और हैरी ब्रूक की अर्धशतकीय पारियों की मदद से 20 ओवर में सात विकेट पर 184 रन बनाए। जवाब में नेपाल की टीम निर्धारित ओवरों में छह विकेट पर 180 रन ही बना सकी और मुकाबला हार गई।

सैम करन की कसी हुई गेंदबाजी के दम पर इंग्लैंड ने नेपाल को चार रन से हरा दिया। रविवार को टी20 विश्व कप 2026 का पांचवां मुकाबला वानखेड़े में खेला गया। इस दौरान टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड ने जैकब बेथेल और हैरी ब्रूक की अर्धशतकीय पारियों की मदद से 20 ओवर में सात विकेट पर 184 रन बनाए। जवाब में नेपाल की टीम निर्धारित ओवरों में छह विकेट पर 180 रन ही बना सकी और मुकाबला हार गई।जैकब बेथेल (55) और कप्तान हैरी ब्रूक (53) की आक्रामक अर्धशतकीय पारियों की बदौलत इंग्लैंड ने 7 विकेट पर 184 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। युवा बाएं हाथ के बल्लेबाज जैकब बेथेल ने अपने टी20 विश्व कप डेब्यू पर शानदार प्रदर्शन करते हुए 35 गेंदों में अर्धशतक जमाया। उनकी पारी में चार छक्के और चार चौके शामिल थे। वहीं कप्तान हैरी ब्रूक ने भी 32 गेंदों में 53 रन बनाए, जिसमें चार छक्के और तीन चौके शामिल रहे। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 71 रनों की अहम साझेदारी कर इंग्लैंड की पारी को संभाला, जबकि नेपाली गेंदबाजों ने कड़ी चुनौती पेश की।शेर मल्ला ने नेपाल को बड़ी सफलता दिलाई जब उन्होंने फिल सॉल्ट (1) को अपने दूसरे ओवर की पहली ही गेंद पर कैच आउट करा दिया। इसके बाद नंदन यादव ने जोस बटलर (26) का महत्वपूर्ण विकेट लिया, जो बेथेल के साथ पारी को संभालने की कोशिश कर रहे थे। यादव ने ऑफ स्टंप के बाहर गेंद डालकर बटलर को विकेटकीपर के हाथों कैच कराया। नेपाल को तीसरी सफलता सातवें ओवर में मिली, जब स्पिनर संदीप लामिछाने ने टॉम बैंटन को रिवर्स स्वीप खेलने के प्रयास में एलबीडब्ल्यू आउट किया।इसके बाद बेथेल और ब्रूक ने इंग्लैंड की पारी को संभाला। बेथेल ने अपनी पहली चार गेंदों में ही दो चौके और एक छक्का जड़ दिया था। नेपाल की ओर से गेंदबाजों ने ज्यादा ढीली गेंदें नहीं फेंकी और उन्होंने अच्छा अनुशासन दिखाया। फिर भी वानखेड़े स्टेडियम में लगातार दूसरे मैच में बल्लेबाजी करने वाली टीम ने अंत में तेज रन बनाए। इंग्लैंड ने आखिरी तीन ओवरों में 45 रन जोड़े, जिसमें विल जैक्स ने चार छक्के और एक चौका लगाते हुए 18 गेंदों पर नाबाद 39 रन बनाए। नेपाल के फील्डरों ने शानदार कैच लपके। दीपेंद्र सिंह ऐरी (2/23) और नंदन यादव (2/25) ने दो-दो विकेट लिए, जबकि शेर मल्ला और संदीप लामिछाने भी विकेट लेने वालों में शामिल रहे।नेपाल की शुरुआत आक्रामक रही। कुशल भुर्तेल ने 17 गेंदों में 29 रन बनाए, जिसमें चार चौके और एक छक्का शामिल था। हालांकि, छठे ओवर में वह विल जैक्स को सीधा कैच थमा बैठे। नेपाल को पहला झटका आसिफ शेख (7) के रूप में जल्दी लगा, लेकिन इसके बाद कप्तान रोहित पॉडेल (39) और दीपेंद्र सिंह ऐरी (39) ने तीसरे विकेट के लिए 82 रनों की अहम साझेदारी कर पारी को संभाला।14वें ओवर में रोहित पॉडेल ने अनुभवी राशिद खान पर हमला बोला एक शानदार छक्का और कवर ड्राइव के जरिए चौका जमाया। इसके बाद उन्होंने मैच का सबसे शानदार शॉट खेलते हुए परफेक्ट स्विच-हिट लगाया, जो सीधे बाउंड्री के पार गया। हालांकि, ड्रिंक्स ब्रेक के बाद नेपाल की लय टूटी। दीपेंद्र सिंह ऐरी 15वें ओवर में सैम करन की गेंद पर गलत शॉट खेल बैठे। इसके कुछ देर बाद रोहित पॉडेल भी लियाम डॉसन की गेंद पर डीप मिडविकेट पर कैच आउट हो गए।अंतिम ओवरों में लोकेश बाम ने नेपाल को जीत की दहलीज तक पहुंचा दिया। उन्होंने 20 गेंदों पर नाबाद 39 रन बनाए, जिसमें 4 चौके और 2 छक्के शामिल थे। 18वें ओवर में उन्होंने जॉफ्रा आर्चर पर दो छक्के लगाए और 19वें ओवर में ल्यूक वुड पर लगातार दो चौके जमाए। आखिरी ओवर में नेपाल को 10 रन चाहिए थे, लेकिन सैम करन की सटीक यॉर्कर गेंदबाजी के सामने नेपाल सिर्फ 5 रन ही बना सका और मैच 4 रन से हार गया।

टी20 वर्ल्ड कप-2026

श्रीलंका ने आयरलैंड को हराया

कोलंबो, 08 फरवरी (एजेंसियां)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के छठे मुकाबले में श्रीलंका की टीम ने आयरलैंड को 20 रन से हराकर अपनी पहली जीत दर्ज की। इस मैच में पहले बैटिंग करते हुए श्रीलंका ने बोर्ड पर 163 रन का स्कोर खड़ा किया था। लेकिन आयरलैंड की टीम सिर्फ 143 बना पाई। इस मैच के हीरो महीश तीक्षणा और वानिंदु हसरंगा रहे, जिन्होंने 3-3 विकेट लेकर आयरलैंड की टीम को मैच में इस टारगेट का पीछा करने से पूरी तरह रोक दिया।

श्रीलंका ने बनाए 163 रन

इससे पहले कामिंदु मेंडिस के 19 गेंद में 44 रन और कुसल मेंडिस के नाबाद अर्धशतक के दम पर श्रीलंका ने खराब शुरुआत के बाद आयरलैंड के खिलाफ रविवार को टी20 विश्व कप के मैच में 6 विकेट पर 163 रन बनाए। विकेटकीपर कुसल ने 43 गेंद में पांच चौकों की मदद से 56 रन बनाए और पांचवें विकेट के लिए कामिंदु के साथ 67 रन की साझेदारी की। कामिंदु ने अपनी पारी में चार चौके और दो छक्के लगाये। एक समय पर श्रीलंका का स्कोर 14वें ओवर में चार विकेट पर 86 रन था।

आयरलैंड की फीलि्डंग रही खराब

श्रीलंका को आयरलैंड के खराब क्षेत्ररक्षण का भी फायदा मिला जिसने कुछ कैच टपकाए। पहले गेंदबाजी चुनने का आयरलैंड का फैसला सही साबित होता दिखने लगा जब श्रीलंका पहले चार ओवर में 28 रन ही बना सका और कामिल मिशारा (14) का विकेट भी गंवा दिया। मिशारा को एक जीवनदान भी मिला जिसका वह फायदा नहीं उठा सके और मार्क एडेयर की धीमी गेंद पर मिडआफ में कैच दे बैठे।

पावरप्ले तक बनाए थे 50 रन

ओपनिंग बल्लेबाज पाथुम निसांका ने 23 गेंद में 24 रन बनाए। उन्होंने बाएं हाथ के स्पिनर मैथ्यू हम्फ्रे को डीप स्क्वेयर लेग पर छक्का लगाया तो ऐसा लग रहा था कि वह बड़ी पारी खेलेंगे। कुसल मेंडिस ने बैरी मैकार्थी को छठे ओवर में तीन चौके लगाकर श्रीलंका को पावरप्ले के बाद एक विकेट पर 50 रन तक पहुंचाया।इसके बाद आयरलैंड के कप्तान पॉल स्टर्लिंग ने बाएं हाथ के स्पिनर जॉर्ज डॉकरेल को गेंद सौंपी जिन्होंने पहले ओवर में चार ही रन दिए।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में पहली हैट्रिक रोमारियो शेपर्ड के नाम

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज रोमारियो शेपर्ड ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 में इतिहास रचते हुए टूर्नामेंट की पहली हैट्रिक अपने नाम कर ली। शनिवार को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेले गए स्काटलैंड के खिलाफ मुकाबले में शेपर्ड ने 17वें ओवर में यह बड़ी उपलब्धि हासिल की। उनके इस शानदार स्पेल ने स्काटलैंड की बल्लेबाजी पूरी तरह बिखेर दी और वेस्टइंडीज को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। रोमारियो शेपर्ड ने बतौर आलराउंडर मैच में महत्वपूर्ण योगदान देते हुए न सिर्फ हैट्रिक ली, बल्कि कुल 5 विकेट झटके। 17वें ओवर में उन्होंने तीन लगातार गेंदों पर मैथ्यू क्रास, माइकल लीस्क और ओलिवर डेविडसन को पवेलियन भेजकर स्टेडियम में मौजूद दर्शकों को रोमांचित कर दिया। खास बात यह रही कि इसी ओवर की आखिरी गेंद पर भी उन्होंने एक और विकेट लेकर स्काटलैंड पर दबाव को कई गुना बढ़ा दिया। उनके इस स्पेल ने मुकाबले का रुख वेस्टइंडीज की ओर मोड़ दिया, क्योंकि स्काटलैंड की टीम लगातार विकेट गंवाकर बड़े स्कोर की ओर बढ़ ही नहीं पाई। शेपर्ड की गेंदबाजी की लाइन और लेंथ इतनी सटीक रही कि स्काटलैंड के बल्लेबाज संभलने का कोई मौका ही नहीं पा सके। उनकी हैट्रिक ओवर न केवल तकनीकी रूप से बेहतरीन रहा, बल्कि मानसिक रूप से भी स्काटिश खिलाड़ियों पर भारी पड़ा।

रणजी ट्राफी : आकिब नबी के सात विकेट से एमपी पस्त, लेकिन मुकाबले में रोमांच बरकरार

इंदौर, 08 फरवरी (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज आकिब नबी के घातक स्पैल (7/40) की बदौलत टीम ने रणजी ट्राफी क्वार्टर फाइनल के दूसरे दिन मध्य प्रदेश पर पहली पारी में 42 रनों की महत्वपूर्ण बढ़त हासिल कर ली। हालांकि, इस शानदार प्रदर्शन के बावजूद मैच फिलहाल बराबरी पर खड़ा नजर आ रहा है, क्योंकि दिन का खेल खत्म होने तक जम्मू-कश्मीर ने अपनी दूसरी पारी में 84 रनों पर 5 विकेट खो दिए हैं।

दिल्ली कैपिटल्स के साथ आईपीएल अनुबंध पाकर चर्चा में आए 29 वर्षीय आकिब नबी ने शनिवार को होलकर स्टेडियम में अपनी गेंदबाजी से कोहराम मचा दिया। कश्मीर के दूरदराज इलाके क्रीरी से ताल्लुक रखने वाले इस लंबे कद के गेंदबाज ने अकेले दम पर मध्य प्रदेश के बल्लेबाजी क्रम को तहस-नहस कर दिया। नबी ने 14वें ओवर में हर्ष गवली (10) और हिमांशु मंत्री (0) को तीन गेंदों के अंतराल में आउट कर तबाही की शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने मध्य प्रदेश के कप्तान रजत पाटीदार (10) और अनुभवी वेंकटेश अय्यर (22) जैसे बड़े विकेट चटकाकर मेजबान टीम की कमर तोड़ दी। नबी ने अपने स्पैल का अंत आर्यन पांडे और रामवीर गुर्जर को लगातार गेंदों पर शून्य पर आउट करके किया। मध्य प्रदेश की पूरी टीम 152 रनों पर सिमट गई। मध्य प्रदेश की ओर से केवल यश दुबे (58) ही संघर्ष कर सके।

पलटवार में सेन-अय्यर ने फूंका रोमांच - पहली पारी में पिछड़ने के बाद मध्य प्रदेश के गेंदबाजों ने भी जोरदार वापसी की। पहली पारी में पांच विकेट लेने वाले कुलदीप सेन ने दूसरी पारी में भी अपनी लय बरकरार रखी और 25 रन देकर 2 विकेट झटके। टीम इंडिया के आलराउंडर वेंकटेश अय्यर, जो पहली पारी में खाली हाथ रहे थे, उन्होंने भी शानदार गेंदबाजी करते हुए 10 रन देकर 2 विकेट लिए। इन झटकों के कारण जम्मू-कश्मीर का स्कोर 26 ओवर में 84/5 हो गया है। मुकाबला अब पूरी तरह से खुला हुआ है। जम्मू-कश्मीर के पास कुल 126 रनों की बढ़त है और हाथ में 5 विकेट शेष हैं। इंदौर की लाल मिट्टी की इस पिच पर चौथी पारी में बल्लेबाजी करना किसी चुनौती से कम नहीं होगा। तीसरे दिन मध्य प्रदेश की नजरें जल्द से जल्द शेष विकेट झटककर छोटे लक्ष्य का पीछा करने पर होंगी, जबकि जम्मू-कश्मीर की उम्मीदें कन्हैया वधावन (7*) और आबिद मुश्ताक (3*) पर टिकी हैं कि वे टीम को एक सुरक्षित स्कोर तक पहुँचा सकें।

संक्षिप्त स्कोर

जम्मू-कश्मीर : पहली पारी 194 और दूसरी 84/5 (कुलदीप सेन 2/25, वेंकटेश अय्यर 2/10)

मध्य प्रदेश : पहली पारी 152 आल आउट (यश दुबे 58; आकिब नबी 7/40, सुनील कुमार 3/47)।

आईसीसी ने भारत के खिलाफ मैच के बहिष्कार पर अड़े पीसीबी को फटकार लगायी

फोर्स मेज्योर प्रावधान के तहत नहीं खेलने के कारण बताने कहा

दुबई, 08 फरवरी (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने टी20 विश्वकप में भारत के खिलाफ 15 फरवरी को होने वाले मैच के बहिष्कार की पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीसी) की घोष्णा पर नाराजगी जताते हुए कहा है कि उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो सकती हे। आईसीसी ने पीसीबी से पूछा है कि उसने फोर्स मेज्योर प्रावधान के तहत मैच के बहिष्कार करने का जो फैसला लिया है वह किन आधारों पर लिया है, ये उसे बताना होगा। वहीं एक रिपोर्ट के मुताबिक, पीसीबी ने कहा थ कि पाकिस्तान सरकार के निर्देशों के कारण वह मैच नहीं खेल सकती। वहीं आईसीसी ने अभी तक इस मामले में उम्मीद नहीं छोड़ी है। दोनो के बीच अभी बातचीत जारी है जिससे इस मामले का हल निकल सकता है। आईसीसी भी इस मामले को बातचीत से सुलझान चाहती है।

पाक बोर्ड जिस फोर्स मेज्योर प्रावधान के तरत मैच नहीं खेलने की बात कर रहा। वह अब अमल में आता है जब अप्रत्याशित हालात होते है। तब वह सरकार के आदेश का हवाला देकर फोर्स मेज्योर प्रावधान के तहत खेलने से मना कर सकता है। आईसीसी के के मेंबर्स पार्टिसिपेशन एग्रीमेंट (एमपीए) के अनुसार, यदि कोई बोर्ड फोर्स मेज्योर क्लाज का हवाला देता है, तो उसे यह भी साबित करना होता है कि उसने स्थिति को संभालने के लिए क्या प्रयास किए। आईसीससी ने पाक बोर्ड से ये भी पूछा है किउसने मैच आयोजित करने के लिए कौन-कौन से वैकल्पिक उपाय अपनाए, साथ ही सबूत भी मांगे हैं।

आईसीसी ने पीसीबी को चेताय है कि यदि यह मैच नहीं होता है, तो इससे खेल, को व्यवसाहिक और गवर्नेंस स्तर पर गंभीर नुकसान हो सकता है। हालांकि आईसीसी ने साफ किया है कि वह टकराव नहीं चाहता, लेकिन उसके संविधान के तहत गंभीर उल्लंघन की स्थिति में किसी सदस्य को निलंबित या बाहर करने का अधिकार उसके पास है।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भारत-पाक मैच के बहिष्कार की घोषणा करते हुए कहा कि वह ये फैसला बांग्लादेश बोर्ड के समर्थन के लिए किया है। इससे पहले आईसीसी ने भारत में खेलने से इंकार करने के लिए । बांग्लादेश को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया था। पीसीबी का मानना है कि उसका कानूनी पक्ष मजबूत है। उसने साल 2014 के विवाद को उदाहरण के तौर पर पेश किया है, जिसमें भारत सरकार की अनुमति न मिलने के कारण द्विपक्षीय सीरीज नहीं हो पाई थी। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार आईसीसी निदेशक इमरान ख्वाजा और मुबाशिर उस्मानी पीसीबी अधिकारियों के साथ बातचीत कर मामले का हल दिकालने का प्रयास कर रहे हैं।

एफएओ : लगातार 5वें माह विश्व खाद्य कीमतें गिरीं, चावल की महंगाई बनी चुनौती, डेयरी में करीब 5 प्रतिशत गिरावट

नई दिल्ली, 08 फरवरी (एजेंसियां)। भारत सहित दुनिया भर में महंगाई से जूझ रहे करोड़ों लोगों के लिए जनवरी 2026 ने कुछ राहत के संकेत दिए हैं। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, वैश्विक खाद्य कीमतों में लगातार पांचवें महीने गिरावट दर्ज की गई है। दूध, चीनी और मांस जैसे जरूरी उत्पादों के सस्ते होने से अंतरराष्ट्रीय बाजार में नरमी आई है, हालांकि चावल और वनस्पति तेल की बढ़ती कीमतें अब भी चिंता का कारण बनी हुई हैं।

एफएओ का फूड प्राइस इंडेक्स, जो दुनिया भर में कारोबार होने वाले प्रमुख खाद्य उत्पादों की मासिक कीमतों में बदलाव को दर्शाता है, जनवरी 2026 में औसतन 123.9 अंक पर रहा। यह दिसंबर 2025 की तुलना में 0.4 फीसदी कम और पिछले साल की समान अवधि से 0.6 फीसदी नीचे है। रिपोर्ट के मुताबिक, कुल मिलाकर वैश्विक बाजार में राहत के संकेत हैं, लेकिन कुछ जरूरी वस्तुओं की महंगाई आने वाले महीनों में चुनौती बन सकती है। जनवरी में अनाज की कीमतों में दिसंबर 2025 की तुलना में मामूली 0.2 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई और अनाज मूल्य सूचकांक औसतन 107.5 अंक पर रहा। इस दौरान गेहूं और मक्के की वैश्विक कीमतों में हल्की गिरावट देखने को मिली। एफएओ के अनुसार दुनिया में गेहूं का पर्याप्त भंडार होने के कारण रूस और अमेरिका में मौसम से जुड़ी चिंताओं का असर सीमित रहा। अर्जेंटीना और आस्ट्रेलिया में अच्छी फसल की उम्मीद और वैश्विक स्तर पर ऊंचे भंडार भी कीमतों को नियंत्रित रखने में मददगार रहे। इसके उलट, जनवरी में चावल की कीमतों में 1.8 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। खास तौर पर खुशबूदार किस्मों की मांग बढ़ने से बाजार में मजबूती आई। भारत के लिए क्या मायने वैश्विक स्तर पर दूध, चीनी और मांस की कीमतों में लगातार गिरावट भारत के लिए दोहरी राहत लेकर आ सकती है। इससे आयातित खाद्य उत्पादों की लागत कम होने की संभावना है। चीनी उत्पादन में भारत की बड़ी वृद्धि से घरेलू आपूर्ति मजबूत रहने और निर्यात संभावनाएं बढ़ने के संकेत हैं। इसका लाभ किसानों, चीनी मिलों को हो सकता है। हालांकि चावल, वनस्पति तेल चुनौती में हैं। भारत-थाईलैंड में चीनी के उत्पादन में वृद्धि के संकेत : एफएओ के आंकड़ों के मुताबिक जनवरी 2026 में चीनी मूल्य सूचकांक में 1% की गिरावट रही।

न्यूज ब्रीफ

स्कूटर एक्सेस 125 का अपडेटेड वर्जन लान्च

नई दिल्ली। दो पहिया वाहन निर्माता कंपनी सुजुकी मोटरसाइकिल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने स्कूटर एक्सेस 125 का अपडेटेड वर्जन लान्च किया है। इस नए वर्जन में अब सिंगल-चैनल एंटी-लाक ब्रेकिंग सिस्टम (एबीएस) शामिल किया गया है। कंपनी का कहना है कि यह सिस्टम स्कूटर के एक्सेलरेशन, फ्यूल एफिशिएंसी और कम्फर्ट पर कोई असर नहीं डालता, इसलिए राइडिंग कैरेक्टर पहले जैसा ही रहता है। यह फीचर अचानक ब्रेक लगाने पर ब्रेक प्रेशर को नियंत्रित करता है और पहिए को लाक होने से रोकता है, जिससे फिसलन भरी या खराब सड़कों पर राइडिंग ज्यादा सुरक्षित हो जाती है। नया एक्सेस 125 एबीएस दो वैरिएंट में उपलब्ध कराया गया है। इसमें 24.4-लीटर का अंडर-सीट स्टोरेज, फ्रंट ग्लव बाक्स, एक्सटर्नल फ्यूल लिड और 773 एमएमकी सीट हाइट दी गई है। स्कूटर का कर्ब वेट 105 किलोग्राम है। ब्लूटूथ-इनेबल्ड टीएफटी स्क्रीन, टर्न-बाय-टर्न नेविगेशन और एलईडी हेडलैंप जैसे फीचर्स इसे और प्रीमियम बनाते हैं। एक्सेस 125 का मुकाबला सीधे तौर पर होंडा एक्टिवा और टीवीएस जुपिटर जैसे माडल से होता है। मैकेनिकल तौर पर स्कूटर में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इसमें पहले की तरह 124 सीसी का सिंगल-सिलेंडर, एयर-कूल्ड इंजन दिया गया है, जो 8.7 पीएस की पावर और 10 एनएम का टार्क जनरेट करता है। यह सीवीटी आटोमैटिक ट्रांसमिशन से जुड़ा है। फ्रंट में टेलिस्कोपिक सस्पेंशन और रियर में स्विंगआर्म यूनिट दिया गया है, जबकि स्कूटर 12-इंच फ्रंट और 10-इंच रियर एलाय व्हील्स पर चलता है। कीमत की बात करें तो एक्सेस राइड कनेक्ट एबीएस एडिशन की एक्स-शोरूम कीमत 92,328 रुपए रखी गई है, जो पांच रंगों में उपलब्ध है। वहीं राइड कनेक्ट टीएफटी एबीएस एडिशन की कीमत 98,378 रुपए है और यह भी पांच कलर आप्शन में आता है। सुजुकी ने इन वैरिएंट्स पर 6.99 प्रतिशत ब्याज दर से शुरू होने वाले फाइनेंस विकल्प, जीरो प्रोसेसिंग फीस और चुनिंदा राज्यों में 5,000 रुपए तक के प्रमोशनल वाउचर भी आफर किए हैं।

हार्ले-डेविडसन समेत बड़ी बाइक्स होंगी सस्ती, इंपोर्ट ड्यूटी होगी जीरो

नई दिल्ली। भारत सरकार अमेरिका से आने वाली प्रीमियम मोटरसाइकिलों को बड़ी राहत देने जा रही है। भारत-अमेरिका ट्रेड डील के तहत 800 सीसी से 1,600 सीसी और उससे ज्यादा इंजन क्षमता वाली मोटरसाइकिलों पर इंपोर्ट ड्यूटी पूरी तरह खत्म की जाएगी। एक सरकारी अधिकारी ने यह जानकारी दी। भारत और अमेरिका ने इसी दिन एक संयुक्त बयान जारी किया, जिसमें अंतरिम व्यापार समझौते का जिक्र किया गया है। उम्मीद है कि यह समझौता मार्च के मध्य तक आधिकारिक रूप से साइन हो जाएगा और इसके लागू होते ही नई ड्यूटी व्यवस्था प्रभाव में आ जाएगी। पिछले साल भारत सरकार ने बड़ी बाइक्स पर इंपोर्ट ड्यूटी कम की थी। 1,600 सीसी तक की पूरी तरह बनी मोटरसाइकिलों पर ड्यूटी 50 फीसदी से घटाकर 40 फीसदी और 1,600 सीसी से ऊपर की बाइक्स पर 30 फीसदी कर दी गई थी। अब नई डील में 800 सीसी से ऊपर की श्रेणी को पूरी तरह ड्यूटी फ्री किया जाएगा। समझौते में अमेरिकी डीजल और पेट्रोल कारों पर ड्यूटी में छूट शामिल है।

मझगांव डाक ने किया 7.50 रुपए प्रति शेयर डिविडेंड का ऐलान

नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय के अधीन नवरत्न कंपनी मझगांव डाक शिपबिल्डर्स लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही के नतीजों के साथ शेयरधारकों को खुशखबरी दी है। कंपनी के बोर्ड ने 7.50 रुपए प्रति इक्विटी शेयर का दूसरा अंतरिम डिविडेंड घोषित किया है। 5 रुपए फेस वैल्यू के आधार पर यह 150 प्रतिशत डिविडेंड बनता है। कंपनी ने बताया कि डिविडेंड के लिए रिकार्ड डेट 13 फरवरी 2026 तय की गई है और पात्र शेयरधारकों को यह राशि 7 मार्च 2026 तक उनके खातों में मिल जाएगी। दिसंबर 2025 तिमाही में मझगांव डाक का कंसालिडेटेड शुद्ध मुनाफा 9 प्रतिशत बढ़कर 879 करोड़ रुपए हो गया, जो पिछले साल इसी तिमाही में 807 करोड़ रुपए था। वहीं रेवेन्यू फ्राम आपरेशंस 14.6 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3601 करोड़ रुपए पहुंच गया। कंपनी का एबिटा 8.6 प्रतिशत बढ़कर 886.9 करोड़ रुपए रहा, हालांकि एबिटा मार्जिन घटकर 24.6 प्रतिशत रह गया।

मारुति सुजुकी की जनवरी 2026 में भी बादशाहत कायम

नई दिल्ली, 08 फरवरी (एजेंसियां)।

भारतीय उपभोक्ताओं का भरोसा एक बार फिर आटो सेक्टर में मजबूत बना हुआ है और नई कारों की मांग लगातार बढ़ रही है। मारुति सुजुकी ने जनवरी 2026 में भी अपनी बादशाहत कायम रखी। हालांकि कंपनी की सालाना ग्रोथ मामूली रही, लेकिन बड़े ग्राहक आधार, विशाल डीलर नेटवर्क और भरोसेमंद माडल्स ने इसे शीर्ष स्थान पर बनाए रखा। घरेलू बिक्री के साथ एक्सपोर्ट में भी स्थिर प्रदर्शन ने कंपनी की पकड़ और मजबूत कर दी। इस महीने का सबसे बड़ा आकर्षण टाटा मोटर्स रहा, जिसने शानदार बिक्री वृद्धि के दम पर नंबर-2 की स्थिति हासिल कर ली।

टाटा के लोकप्रिय माडल नेक्सन, पंच, टियागो और हैरियर लगातार मांग में रहे। बेहतर सेफ्टी रेटिंग और दमदार एसयूवी पोर्टफोलियो कंपनी को उल्लेखनीय बढ़त दिलाने में सफल रहा। महिंद्रा ने भी एसयूवी सेगमेंट में अपनी पकड़ को कायम रखते हुए जनवरी में मजबूत बिक्री दर्ज की। स्कार्पियो, थार, एक्सयूवी700 और बोलेरो जैसे माडलों ने ग्रामीण और शहरी दोनों बाजारों में अच्छा प्रदर्शन किया, जिससे महिंद्रा टाप ब्रांड्स की सूची में मजबूती से टिकी रही। हुंडई जनवरी 2026 में चौथे नंबर पर रही। क्रेटा, वेन्यू और एक्सटर की अच्छी मांग के बावजूद कंपनी की ग्रोथ टाटा और महिंद्रा से पीछे रही। इसके बावजूद ब्रांड की विश्वसनीय छवि और संतुलित प्रोडक्ट लाइनअप ने उसे टाप-5 में बनाए रखा। टोयोटा ने भी जनवरी महीने में स्थिर प्रदर्शन करते हुए टाप-10 की सूची में अपनी जगह बरकरार रखी। इनोवा और अर्बन क्रूजर जैसे लोकप्रिय माडलों ने टोयोटा की विश्वसनीयता और हाइब्रिड तकनीक पर केंद्रित छवि को और मजबूत किया। कुल मिलाकर जनवरी 2026 के आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि एसयूवी सेगमेंट ही भारत के कार बाजार का मुख्य ड्राइविंग फोर्स बन चुका है।

स्कार्पियो पिकअप माडल के 35 हजार वाहन सप्लाई का मिला आर्डर

नई दिल्ली। इंडोनेशिया की सरकारी कंपनी एग्रीनास पंगन नुसंतारा से महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड (एम एंड एम) को अपने स्कार्पियो पिकअप माडल के 35,000 वाहन सप्लाई करने का एक बड़ा आर्डर मिला है। महिंद्रा ने जानकारी कि ये वाहन साल 2026 में इंडोनेशिया में चल रही एक संयुक्त परियोजना के तहत भेजे जाएंगे। यह परियोजना कोपेरासी देसा/केलुराहन मेराह पुतिह (केडीकेएमपी) के लिए चलाई जा रही है, जिसका उद्देश्य पूरे देश में सहकारी समितियों की लाजिस्टिक्स प्रणाली को मजबूत बनाना है। कंपनी के अनुसार यह आर्डर उसके वित्त वर्ष 2025 में दर्ज किए गए कुल निर्यात वाल्यूम से भी अधिक है, जो कंपनी के अंतरराष्ट्रीय कारोबार के लिए एक बड़ा कदम माना जा रहा है। इस साझेदारी के तहत महिंद्रा और एग्रीनास पंगन नुसंतारा मिलकर कोपेरासी नेटवर्क को स्कार्पियो पिकअप उपलब्ध कराएंगे ताकि किसानों से सीधे बाजार तक वस्तुओं की सप्लाई सुचारू, तेज और प्रभावी ढंग से हो सके। इससे उत्पादकों और उपभोक्ताओं के बीच की दूरी कम होगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। महिंद्रा के आटोमोटिव डिवीजन के सीईओ नलिनीकांत गोल्लागुंटा ने कहा कि यह वाल्यूम कंपनी के निर्यात कारोबार में बड़ी बढ़ोतरी लाएगा और ग्रामीण लाजिस्टिक्स को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इन वाहनों का उपयोग फर्स्ट-माइल एग्रीगेशन यानी खेतों से सहकारी समितियों तक सामान पहुंचाने और गांवों के भीतर परिवहन को मजबूत करने में किया जाएगा। कंपनी का मानना है कि स्कार्पियो पिकअप एक विश्वसनीय नेटवर्क तैयार करेगा, जो किसानों को बड़ी मदद देगा। महिंद्रा ने बताया कि नासिक प्लांट में तैयार किए जा रहे स्कार्पियो पिकअप को इंडोनेशिया की ग्रामीण जरूरतों के अनुसार डिजाइन किया गया है। यह वाहन खराब रास्तों, खेतों के मार्गों और ग्रामीण क्षेत्रों में आसानी से चल सकता है, जिससे इन्हें किसानों की लाइफलाइन कहा जा रहा है।

नए साल में भारतीय टू-व्हीलर बाजार में आया जोरदार उछाल

नई दिल्ली, 08 फरवरी (एजेंसियां)। नए साल में भारतीय टू व्हीलर बाजार में जबर्दस्त उछाल देखने को मिला। बीते महीने जनवरी 2026 में होंडा, हीरो, टीवीएस, बजाज, सुजुकी और रायल एनफील्ड जैसी प्रमुख कंपनियों ने मजबूत बिक्री दर्ज की है। जनवरी में टाप-6 कंपनियों की घरेलू बिक्री 18,31,853 यूनिट्स तक पहुंच गई, जो पिछले साल की तुलना में 26.39 प्रतिशत अधिक है। दिसंबर 2025 की तुलना में भी 25.03प्रतिशत की वृद्धि देखने को मिली। यह आंकड़ा बताता है कि नए साल में उपभोक्ताओं का भरोसा काफी मजबूत हुआ है और बाजार ने रफ्तार पकड़ ली है। हीरो मोटोकार्प ने 5,20,208 यूनिट्स की बिक्री के साथ बाजार में बढ़त बनाए रखी। कंपनी ने 26.15प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर्ज की और 28.40प्रतिशत मार्केट शेयर हासिल किया। दूसरी ओर, होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने 5,19,579 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की, जो 28.94प्रतिशत की वायओवाय ग्रोथ है। मार्केट शेयर 28.36प्रतिशत रहा। बेहद मामूली अंतर से हीरो आगे रहा, लेकिन ग्रोथ रेट में होंडा ने बढ़त दिखाते हुए आने वाले महीनों में कड़ी प्रतिस्पर्धा के संकेत दिए। टीवीएस मोटर ने भी शानदार प्रदर्शन किया और 3,83,262 यूनिट्स की बिक्री के साथ 30.42प्रतिशत की ग्रोथ दर्ज की।

बजाज आटो की बिक्री 2,14,727 यूनिट्स रही, जिसमें 25.35प्रतिशत वृद्धि हुई। सुजुकी ने 1,00,296 यूनिट्स और रायल एनफील्ड ने 93,781 यूनिट्स बेचे। रायल एनफील्ड की बिक्री भले कम हो, लेकिन प्रीमियम सेगमेंट में इसकी पकड़ मजबूत बनी हुई है। कुल मिलाकर, जनवरी 2026 टू-व्हीलर इंडस्ट्री के लिए बेहद सकारात्मक रहा। हीरो और होंडा के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा, टीवीएस की तेज ग्रोथ और बजाज की स्थिर परफार्मेंस यह संकेत देती है कि आने वाले महीने और भी रोमांचक होने वाले हैं। ग्रामीण बाजारों में बढ़ती मांग, शहरी क्षेत्रों में तेजी से रिकवरी और एक्सपोर्ट्स में सुधार ने मिलकर इस सेक्टर को बड़ी बढ़त दी है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

हिंदू एकता...

आम नागरिकों को भी अपनी आंखें और कान खुले रखने होंगे। उन्होंने कहा कि हमें मुझे क्या लेना-देना वाली सोच छोड़नी होगी। साथ ही, उन्होंने बांग्लादेश के हिंदुओं का जिक्र करते हुए कहा कि अगर दुनिया भर के हिंदू एक हो जाएं तो वे अपनी समस्याओं का हल खुद निकाल सकते हैं।

भवन...

ये सामग्री अदालती कार्यवाही में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अधिकारी अब यह आकलन कर रहे हैं कि क्या नामपल्ली फोरेंसिक लैब आग से नष्ट उपकरणों से जुड़ी चल रही जांचों पर असर पड़ेगा।

कोई ज़िला...

रेवंत रेड्डी ने कांग्रेस की कल्याणकारी विरासत को पिछली प्रशासन की विफलताओं के साथ तुलना की। उन्होंने आरोप लगाया कि वाई.एस. राजशेखर रेड्डी सरकार के दौरान 25 लाख इंदिरम्मा घर बनाए गए थे। चंद्रशेखर राव ने दोहरे कमरे वाले घरों का वादा किया लेकिन अंत में एर्रावेली में खुद के लिए 1,000 एकड़ का फार्महाउस और जनवाड़ा में अपने परिवार के लिए 100 एकड़ की संपत्ति बना ली।

4.5 लाख इंदिरम्मा घरों की घोषणा

उन्होंने घोषणा की कि कांग्रेस सरकार प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में 3,500 इंदिरम्मा घरों को मंजूरी दे रही है, जिसमें पहले चरण में 4.5 लाख घरों के लिए कुल लागत 22,500 करोड़ रुपये होगी, जबकि दूसरे चरण को आगामी बजट में स्वीकृत किया जाएगा।

विपक्ष को सीधी चुनौती

विपक्ष को सीधी चुनौती देते हुए, मुख्यमंत्री ने बीआरएस को 'ब्लैकमेल राजकीय समिति' करार दिया, जिस पर व्यापारियों से सैकड़ों करोड़ रुपये की उगाही के लिए फोन टैपिंग का उपयोग करने का आरोप लगाया। उन्होंने सवाल किया कि बीआरएस के खातों में 1,500 करोड़ रुपये कैसे पहुंचे।

केंद्र पर सवाल, कालेश्वम घोटाले पर कार्रवाई क्यों नहीं?

केंद्र पर सवाल उठाते हुए, रेवंत रेड्डी ने कहा: जब गांधी परिवार को ईडी और सीबीआई द्वारा परेशान किया जा सकता है, तो कालेश्वम घोटाले या फॉर्मूला-ई रेस मामले पर कोई कार्रवाई क्यों नहीं हो रही है, और यह जोड़ा कि बीआरएस और बीजेपी एक ही सिक्के के दो पहलू हैं, जैसे बोम्मा-बोरुसु।

क्षेत्र के लिए 6,116 करोड़ रुपये की स्वीकृति

क्षेत्र के प्रति अपनी सरकार की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालते हुए, मुख्यमंत्री ने उल्लेख किया कि पूर्व वरंगल जिले में नगर पालिकाओं के लिए 6,116 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं, जिसमें भूपालपल्ली के लिए विशेष रूप से 92 करोड़ रुपये शामिल हैं। उन्होंने 2027 गोदावरी पुष्करालु के लिए बासर से भद्राचलम तक गोदावरी बेसिन को एक प्रमुख पर्यटन सर्किट के रूप में विकसित करने के लिए 4,000 करोड़ रुपये की योजना की घोषणा की।

जम्पन्ना वागु से रामप्पा झील तक पानी की घोषणा

रेवंत रेड्डी ने लोगों से वादा किया कि जम्पन्ना वागु से रामप्पा झील तक पानी उपलब्ध कराया जाएगा और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि महिलाओं को इंदिरम्मा साड़ियां प्रदान करने की परंपरा हर साल भाई के उपहार के रूप में जारी रहेगी।

अज़हर के...

अनुकूल फैसला आने के बाद राज्यपाल अजहरुद्दीन और कोदंडराम के नामों को मंजूरी देंगे। यदि ऐसा नहीं होता, तो पार्टी के विधायक कोटे के तहत चुने गए विधान पार्षद में से एक इस्तीफा देगा और अजहरुद्दीन के एमएलसी के रूप में शपथ लेने का रास्ता देगा।हालांकि इसकी कोई पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन कांग्रेस के गलियारों में चर्चित नामों में टीपीसीसी अध्यक्ष बी महेश कुमार गौड़ या बालमूरी वेंकट शामिल हैं।

नए बिजली...

उस भवन में सभी फ्लैट, लिफ्ट, पानी के कनेक्शन जैसे सामान्य उपयोग के लिए कितने बिजली कनेक्शन दिए जा रहे हैं, इसका कुल लोड गणना करना होगा। इसके अनुसार, डिस्कॉम को प्रति किलोवाट 10,000 रुपये का भुगतान करना होगा। इसके अतिरिक्त, डिस्कॉम को एक और 10,000 रुपये का भुगतान करना होगा। इसके अलावा, सुरक्षा जमा के रूप में 200 रुपये और भुगतान करने होंगे। वाणिज्यिक भवनों के लिए भी वही नियम लागू होते हैं।

जिन अपार्टमेंटों के लिए यह राशि का भुगतान किया गया है, डिस्कॉम को सीधे ट्रांसफॉर्मर लगाना होगा। इसके लिए कुछ भी अतिरिक्त नहीं वसूला जाएगा। यदि उपभोक्ता के खर्च पर एक विशेष ट्रांसफॉर्मर लगाया जाता है, तो डिस्कॉम को इसे बनाए रखना चाहिए। इससे अन्य उपभोक्ताओं को कनेक्शन नहीं दिया जाना चाहिए।

किसानों और अन्य क्षेत्रों के लिए विशेष व्यवस्था

जो रियल एस्टेट एजेंट नए प्लॉट बनाते हैं, उन्हें स्वयं ट्रांसफॉर्मर लगाने की लागत वहन करनी चाहिए। यदि कोई किसान अपने खेत में एक नया बोरवेल खोदकर बिजली कनेक्शन के लिए आवेदन करता है, तो डिस्कॉम को केवल प्रति किलोवाट 1,000 रुपये वसूलने चाहिए।

यदि आप एक इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन स्थापित करते हैं, तो यदि यह 20 किलोवाट से कम है तो 3,400 रुपये और यदि इससे अधिक है तो 8,000 रुपये लागत आएगी। डिस्कॉम 20 किलोवाट तक सेवा लाइन शुल्क के साथ विकास शुल्क वसूलेंगे। यदि यह 20 किलोवाट से अधिक है, तो केवल सेवा लाइन शुल्क वसूला जाएगा। पहले से प्रभावी विकास शुल्क घरेलू जरूरतों के लिए प्रति किलोवाट 1,646 रुपये और वाणिज्यिक जरूरतों के लिए 2,275 रुपये हैं।

आवासीय क्षेत्र के लिए न्यूनतम लोड निर्धारण

आवासीय क्षेत्र में, घर के क्षेत्रफल के आधार पर न्यूनतम लोड तय किया गया है। 500 वर्ग फुट से कम क्षेत्रफल वाले घर/फ्लैट के लिए कम से कम 2 किलोवाट लेना आवश्यक है। प्लॉट खरीदने से पहले, बिजली कनेक्शन के लोड की जांच कर लेनी चाहिए। उदाहरण के लिए, यदि बिल्डर पहले से ही 3 किलोवाट के लोड वाला कनेक्शन ले चुका है, तो उसे केवल 30,600 रुपये का भुगतान किया जाना चाहिए।

इसके अतिरिक्त, यदि बिल्डर ने 10 किलोवाट के सामान्य कनेक्शन लोड के लिए डिस्कॉम को 1,02,000 रुपये का भुगतान किया और इसे कुल 30 फ्लैटों में समान रूप से बांटा जाता है, तो प्रति फ्लैट 3,400 रुपये होंगे। यह राशि ही बिल्डर को अतिरिक्त रूप से भुगतान की जानी चाहिए। अर्थात्, उस फ्लैट के लिए बिल्डर को केवल कुल 34 हजार रुपये का भुगतान किया जाना चाहिए।

यदि किसी अपार्टमेंट या वाणिज्यिक भवन में सभी कनेक्शनों का लोड 20 किलोवाट से कम है, तो प्रति किलोवाट 4,600 रुपये का भुगतान किया जाना चाहिए।

किसानों के लिए राहत

किसान ज्यादातर बोरिंग के लिए 5 एचपी इलेक्ट्रिक मोटर का उपयोग करते हैं। इसके लिए, आमतौर पर 3.8 केवी लोड वाला बिजली कनेक्शन लिया जाता है। इसके लिए 3,800 रुपये का भुगतान करना पर्याप्त है। इसके अलावा, विकास शुल्क के रूप में प्रति किलोवाट 1,200 रुपये और वसूले जाते हैं।

इसके अतिरिक्त, ईआरसी ने यह स्पष्ट कर दिया है कि आउट राइट कंट्रीब्यूशन (ओआरसी) के नाम पर वसूले जाने वाले सभी अतिरिक्त शुल्क अब से बंद कर दिए जाने चाहिए।

नागार्जुन सागर...

पहले कार को बाहर निकाला गया, जिससे पदमा का शव बरामद हुआ। पुल्लैया का पता लगाने के प्रयास जारी हैं।

अधिकारियों ने बताया कि यह जोड़ा मिर्यालगुडा के एक अस्पताल में डॉक्टर से परामर्श करने के बाद अपने गृहनगर लौट रहा था, जहां पुल्लैया कुछ महीने पहले सड़क दुर्घटना में आई चोटों का इलाज करा रहे थे।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

श्री बाबा श्याम निशान रथ यात्रा : अभूतपूर्व भक्तिमय माहौल में सम्पन्न

फाल्गुनी एकादशी के अवसर पर श्री श्याम मंदिर सेवा समिति द्वारा आयोजित ऐतिहासिक रथ यात्रा में हजारों भक्तों ने लिया हिस्सा

हैदराबाद, 08 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। रविवार को फाल्गुनी एकादशी के उपलक्ष्य में आयोजित बाबा श्याम निशान रथ यात्रा ने अभूतपूर्व स्तर पर शहर भर में भक्ति का माहौल बनाया। इस आयोजन में भक्तों की अपार भीड़ उमड़ी, जिसने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। श्री श्याम मंदिर सेवा समिति, हैदराबाद द्वारा आयोजित इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य बाबा श्याम (श्री कृष्ण) के भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण करना था।

चारमीनार से काचीगुडा तक भव्य रथ यात्रा का शुभारंभ

रथ यात्रा की शुरुआत चारमीनार स्थित महादेव मंदिर, हैदराबाद से हुई, जहाँ विशेष फूलों से सजे बाबा श्याम की आरती के बाद इस पवित्रतम बाबा श्याम निशान रथ यात्रा का विधिवत शुभारंभ किया गया। हजारों भक्तों ने रथ को खींचकर और भगवा, सफेद, लाल, पीले, नीले, आसमानी, हरे और गुलाबी रंग के झंडे लेकर यात्रा में भाग लिया। विश्व प्रसिद्ध गायक कन्नैया मित्तल के आकर्षक झांकियों और भक्ति गीतों के साथ रथ की शुरुआत हुई। यह पदयात्रा चारमीनार महादेव मंदिर से काचीगुडा श्री श्याम बाबा मंदिर तक चली, जिसका विभिन्न मार्गों पर भक्तों द्वारा फूलों की वर्षा करके भव्य स्वागत किया गया।

भक्तिमय नृत्य, कीर्तन और रंग-गुलाल से गूंजा शहर

भक्तों ने सच्चे दिल से श्याम बाबा को याद किया, जय श्री श्याम का जयकारा लगाया और कीर्तन, श्लोक और भजनों की धुनों पर नृत्य किया गया। रंग और गुलाल उड़ाते हुए भक्तों ने पूरे वातावरण को श्याम भावना से भर दिया। काचीगुडा श्याम मंदिर पहुंचकर हजारों भक्तों ने बाबा श्याम के प्रति अपनी अटूट श्रद्धा और विश्वास व्यक्त करते हुए निशान चढ़ाया।

आयोजन समिति ने दी शुभकामनाएं

इस अवसर पर बाबा श्याम रथ शोभा यात्रा समिति के अध्यक्ष इंद्रकरण अग्रवाल, उपाध्यक्ष रामदेव अग्रवाल और पुरुषोत्तम दास गोयल ने कहा कि भव्य रूप से आयोजित बाबा श्याम रथ यात्रा में भक्तों का जनसैलाब भक्ति का एक अद्वितीय दृश्य है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इससे दुख-कष्ट दूर होंगे और अटूट श्रद्धा के साथ पैदल निशान यात्रा करने वाले भक्तों पर बाबा श्याम की विशेष कृपा होगी। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार राजस्थान के खाटू धाम में बाबा श्याम रथ यात्रा का आयोजन किया जाता है, उसी तर्ज पर भक्तों ने हैदराबाद में भी इसे एक ऐतिहासिक आयोजन के रूप में संपन्न किया है।

प्रमुख पदाधिकारियों की उपस्थिति

इस यात्रा में समिति के सलाहकार चंद्रकांत दाकोटिया, संयोजक अमित अग्रवाल, रामनिरंजन अग्रवाल, संतोष अग्रवाल, नरसिंह जायसवाल, जीवन भाटी, अभिषेक शर्मा, सुशील अग्रवाल और गोविंद पोद्दार, श्री श्याम मंदिर सेवा समिति के अध्यक्ष चंद्रकांत दाकोटा, उपाध्यक्ष कृष्ण कुमार बड़ेगांववाले, सचिव इंद्रकरण अग्रवाल, संयुक्त सचिव रामदेव अग्रवाल, राजकुमार विग, कोषाध्यक्ष कपिल अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

मेडचल स्थित श्री उमिया माता मंदिर मे आगामी 15 फरवरी को रामचंद्र डोंग्रेजी महाराज गौशाला द्वारा आयोजित जन्म शताब्दी महोत्सव मे भाग लेने श्री जगन्नाथ मठ के महंत अच्युत रामानुजाचार्य, कथा वाचाक देवी स्वीकृति, राजयोगी मेवाड मठ के रोहित गोपाल सूतजी महाराज, श्याम, कुसुमवेन सुरेश गोसर, वैशाली योगेश गोसर, उमा महेन्द्र सिंगनोडीया, प्रमोद गोयेन्का, काचीगुडा जैन संघ के चंद्रकांत शाह व सुभाष खंडोर, मधुबाला उपाध्याय, नंदुभाई खंडेलवाल, आलोक तिवारी, दुर्गाप्रसाद दुबे आदि गणमान्यो को निमंत्रीत करते हुए जसमत पटेल, अशोक पटेल, रिद्धीश जागीरदार, हसमुख पटेल, जयसुख पटेल एवं अन्य ।

सज्जनार ने प्रदान किए 1,446 पुलिसकर्मियों को गुड वर्क डन पुरस्कार

शहर पुलिस के लिए एक्स्ट्रा माइल पुरस्कार की पहली पहल

हैदराबाद, 08 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। कर्तव्यनिष्ठा और कार्यप्रणाली में उत्कृष्ट प्रदर्शन के सम्मान में, शहर पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार, आईपीएस ने रविवार को 1,446 पुलिस कर्मियों को पुरस्कृत किया। शहर पुलिस के लिए एक ऐतिहासिक पहल के रूप में, आयुक्त महोदय ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मिलकर नवस्थापित एक्स्ट्रा माइल पुरस्कार और गुड वर्क डन पुरस्कार प्रदान किए। पुरस्कार समारोह हैदराबाद के बंजारा हिल्स स्थित तेलंगाना राज्य एकीकृत कमान और नियंत्रण केंद्र (टीजीआईसीसीसी) में आयोजित किया गया।

पुलिसिंग केवल पेशा नहीं, सामाजिक दायित्व है : सीपी सज्जनार

समारोह को संबोधित करते हुए आयुक्त वी.सी. सज्जनार, आईपीएस ने पुरस्कृत कर्मियों को बधाई दी और कहा कि पुलिसिंग केवल एक पेशा नहीं, बल्कि एक सामाजिक दायित्व है। उन्होंने कर्मियों से दैनिक कर्तव्यों से परे जाने और जनता के साथ बातचीत में जवाबदेही, नवाचार और मानवीय व्यवहार बनाए रखने का आह्वान किया।

आयुक्त महोदय ने कहा कि सफलता का सही मापक केवल कार्य के पूर्ण होने में नहीं, बल्कि पीड़ितों को दिए गए विश्वास और आश्वासन में निहित है। जब पुलिस कर्मी कर्तव्य से परे जाकर जिम्मेदारी से कार्य करते हैं, तो जनता का बल में विश्वास और मजबूत होता है।

एक्स्ट्रा माइल पहल का उद्देश्य

उन्होंने कहा कि एक्स्ट्रा माइल पहल की व्याख्या करते हुए आयुक्त महोदय ने बताया कि इसका उद्देश्य उन कर्मियों की पहचान और सम्मान करना है जो असाधारण प्रतिभा प्रदर्शित करते हैं और निर्धारित भूमिकाओं से परे सेवाएं प्रदान करते हैं। यह सम्मान बल को प्रेरित करने और अन्य को बड़ी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए है।

मानवीय मूल्यों पर जोर

पुलिसिंग में मानवीय मूल्यों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए श्री वी.सी. सज्जनार, आईपीएस ने कहा कि जबकि तकनीक काफी उन्नत हो गई है, यह जमीनी स्तर पर ईमानदारी, ईमानदारी और करुणा को प्रतिस्थापित नहीं कर सकती। उन्होंने शहर में कानून-व्यवस्था बनाए रखने में बल के सामूहिक प्रयासों की सराहना कीहोम गार्ड से लेकर वरिष्ठ अधिकारियों तक।

मासिक पुरस्कार योजना की घोषणा

आयुक्त महोदय ने यह भी घोषणा की कि सम्मान प्रक्रिया जारी रहेगी। उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए हर महीने जोनल स्तर पर एसएचओ, एसआई और कांस्टेबलों को पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

पिछले वित्तीय वर्ष की दूसरी, तीसरी और चौथी तिमाही के दौरान प्रदर्शन के आधार पर पुरस्कार अंतिम रूप दिए गए। जिसमें- एक्स्ट्रा माइल पुरस्कार: 271 कर्मी और गुड वर्क डन पुरस्कार: 1,175 कर्मी शामिल हैं।

पुरस्कृतों में अतिरिक्त डीसीपी, एसीपी, इंस्पेक्टर, एसआई, एएसआई, हेड कांस्टेबल, कांस्टेबल, होम गार्ड, मंत्रालयीन कर्मचारी और लोक अभियोजक शामिल थे।

इस कार्यक्रम में अतिरिक्त सीपी एम. श्रीनिवासुलु, आईपीएस, संयुक्त सीपी श्रीमती एन. स्वेथा, आईपीएस; डीसीपी एस. चैतन्य कुमार, आईपीएस, श्रीमती के. शिल्पावल्ली, आईपीएस, वी. अरविंद बाबु, श्रीमती लावण्या नायक जाधव, श्रीमती के. वेंकटा लक्ष्मी और अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

पित्ती ट्रस्ट-अग्रवाल सेवा दल का 160वां नि:शुल्क मेगा चिकित्सा शिविर सम्पन्न

180 से अधिक रोगियों ने उठाया लाभ

हैदराबाद, 08 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा सेंट्रल पीस एंड वेलफेयर कमेटी साउथ जोन, चारमीनार डिवीजन एवं अग्रवाल समाज तेलंगाना घांसीबाजार झूला शाखा के सहयोग से 160वां नि:शुल्क मेगा चिकित्सा शिविर घांसीबाजार स्थित गायत्री भवन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

विशेषज्ञ डॉक्टरों ने दी स्वास्थ्य सेवाएं

अग्रवाल सेवा दल के संयोजक अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, शिविर में किम्स सनशाइन हॉस्पिटल, बेगमपेट की ओर से सामान्य जांच, हृदय रोग, हड्डी रोग, ईसीजी, 2डी इको, बीएमडी, बीपी एवं आरबीएस की जांच की गई। इस अवसर पर ऑर्थो विशेषज्ञ डॉ. गायत्री एवं डॉ. मबरूर सहित नर्सिंग स्टाफ रानी, संगीता, मल्लेश्वरी, अनुषा, बीएमडी तकनीशियन अनिल, 2डी इको टेक्नीशियन अक्षिता तथा मार्केटिंग टीम से उदय कुमार ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं।

नेत्र परीक्षण, चश्मा वितरण और मोतियाबिंद ऑपरेशन की व्यवस्था

लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद साधुराम आई अस्पताल, दोमलगुड़ा द्वारा 153 लोगों के नेत्रों की स्क्रीनिंग की गई, जिनमें से 71 लोगों को नि:शुल्क चश्मे वितरित किए गए तथा 6 जरूरतमंदों के लिए मोतियाबिंद ऑपरेशन की व्यवस्था की गई। इस सेवा में अजीत कश्यप, एच. भगवान, प्रतीक्षा, के. नर्सिंग राव एवं के. भास्कर ने योगदान दिया।

दंत, फिजियोथैरेपी व जनरल हेल्थ जांच

शिविर में जनरल फिजिशियन डॉ. अखिल सुगंधी (अखिल क्लिनिक, पूरणदास रणछोड़दास) द्वारा सामान्य स्वास्थ्य जांच की गई।

फिजियोथैरेपी सेवाएं बजाज फिजियो केयर की डॉ. सुनीता द्वारा प्रदान की गईं।

दंत परीक्षण एसएनआर डेंटल के डॉ. एस. तेजस्वी नवनीत राज एवं डॉ. एस. निशिल राज द्वारा किया गया। कुल मिलाकर शिविर में 180 से अधिक रोगियों ने विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया।

प्रशासनिक अधिकारियों व सामाजिक संगठनों की सक्रिय भागीदारी

इस अवसर पर एसीपी चारमीनार पी. चंद्रशेखर, सीआई हुसैनी आलम ए. अंजनेयुलु, शिविर संयोजक एवं अग्रवाल सेवा दल के प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, निखिल राणासरिया सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।साथ ही सेंट्रल पीस एंड वेलफेयर कमेटी के महासचिव गीकिशन शर्मा, चारमीनार जोन अध्यक्ष के. ए. मोइज़, जुबली हिल्स जोन अध्यक्ष तेजू कुमारी, कार्यकारी अध्यक्ष रामा राजू, महासचिव सैयद एजाज कादरी तथा अग्रवाल समाज तेलंगाना घांसीबाजार झूला शाखा के पदाधिकारियों, समाजसेवियों, स्वयंसेवकों एवं पित्ती लेमिनेशन के सदस्यों ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया।यह मेगा चिकित्सा शिविर समाज सेवा की दिशा में एक सराहनीय पहल साबित हुआ, जिसमें स्वास्थ्य, सहयोग और मानवीय संवेदना का सुंदर संगम देखने को मिला।

बाबा महाकाल के दर पर पहुंचीं जैकलीन फर्नांडीज

महाशिवरात्रि महोत्सव में की पूजा-अर्चना

उज्जैन, 08 फ़रवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में चल रहे महाशिवरात्रि महोत्सव के दौरान प्रतिदिन देश-विदेश की नामचीन हस्तियां बाबा महाकाल के दर्शन के लिए पहुंच रही हैं। इसी क्रम में रविवार सुबह प्रसिद्ध फिल्म निर्माता एकता कपूर के दर्शन के बाद बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज भी श्री महाकालेश्वर मंदिर पहुंचीं और भगवान महाकाल का आशीर्वाद लिया।श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के सहायक प्रशासक मूलचंद जूनवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज ने नंदी हॉल से भगवान महाकाल का विधिवत पूजन-अर्चन किया। दर्शन के दौरान उन्होंने पूरे श्रद्धा भाव के साथ बाबा महाकाल की आराधना की।

दर्शन के समय जैकलीन फर्नांडीज सफेद रंग के भारतीय परिधान (सलवार सूट) में नजर आईं। उन्होंने सिर पर पल्लू भी रखा हुआ था, जिससे उनकी आस्था और श्रद्धा स्पष्ट रूप से झलक रही थी। मंदिर परिसर में उन्होंने शांत भाव से दर्शन कर आध्यात्मिक अनुभूति प्राप्त की।

दर्शन के दौरान मंदिर के पुजारी डॉ. दिनेश गुरुजी ने जैकलीन फर्नांडीज का तिलक लगाकर स्वागत किया तथा उन्हें प्रसाद भेंट कर आशीर्वाद प्रदान किया। दर्शन उपरांत अभिनेत्री ने जय श्री महाकाल का उद्घोष किया और नंदी जी के कान में अपनी मनोकामना भी कही।

महाशिवरात्रि महोत्सव के पावन अवसर पर अभिनेत्री की उपस्थिति से मंदिर परिसर में भक्तों का उत्साह और श्रद्धा और अधिक बढ़ गई।

राज विद्या केंद्र द्वारा नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन

हैदराबाद, 08 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राज विद्या केंद्र ने 7 और 8 फरवरी को दो दिवसीय नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का सफल आयोजन किया। उद्घाटन समारोह के पहले दिन डॉ. प्रियंका जी ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया, जबकि दूसरे दिन वरिष्ठ सदस्य गोपाल रेड्डी जी ने समारोह का विधिवत उद्घाटन किया।

इस शिविर में आसपास के गाँवों से आए 650 से अधिक लोगों की आँखों की जांच की गई। अनुभवी चिकित्सकों की टीम ने विभिन्न आँखों की बिमारियों जैसे मोतियाबिंद, नजर कमजोर होना, आंखों में जलन आदि की पहचान की।

जांच के दौरान, जरूरतमंद मरीजों को निशुल्क चश्मे और आवश्यक दवाइयाँ वितरित की गईं। कुछ गंभीर मामलों में मरीजों को आगे के उपचार हेतु परामर्श भी दिया गया। शिविर के दौरान मरीजों में उत्साह देखने को मिला, और उन्होंने राज विद्या केंद्र और चिकित्सकों की टीम का धन्यवाद किया।

राज विद्या केंद्र समाज सेवा के उद्देश्य से निरंतर नेत्र स्वास्थ्य जागरूकता अभियान चला रहा है। संस्था ने वर्ष 2026 से विभिन्न राज्यों में नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया है।

अब तक, मिर्जापुर, झारखंड, और छत्तीसगढ़ में सफल शिविर आयोजित किए जा चुके हैं, जिससे सैकड़ों लोगों ने लाभ उठाया है।

इसी पहल को आगे बढ़ाते हुए, प्रेमसागर फाउंडेशन और द प्रेम रावत फाउंडेशन के सहयोग से राज विद्या केंद्र 14 एवं 15 फरवरी को शहूरपुर, छत्तरपुर, नई दिल्ली में दो दिवसीय नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन करेगा। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद लोगों को नेत्र स्वास्थ्य संबंधी जांच और उपचार की सुविधाएँ उपलब्ध कराना है।

इस तरह के शिविरों ने कई लोगों के जीवन में बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और इसके माध्यम से समाज में स्वास्थ्य सुविधाओं के प्रति जागरूकता भी बढ़ाई जा रही है।

लघु उद्योग भारती महिला इकाई द्वारा बीकानेर में पहली बार महिला खेल महोत्सव का होगा आयोजन

बीकानेर, 08 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। अगले महीने 7 एवं 8 मार्च 2026 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर लघु उद्योग भारती, बीकानेर महिला इकाई द्वारा महिला खेल महोत्सव का आयोजन राधे कृष्ण भवन, 5 न.रोड, रानी बाजार औद्योगिक क्षेत्र, बीकानेर संभाग मुख्यालय पर किया जायेगा। यह आयोजन बीकानेर में पहली बार महिलाओं के लिए विशेष रूप से आयोजित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य महिलाओं में खेल भावना को बढ़ावा देना, स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता लाना तथा आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का विकास करना है। लघु भारती के बीकानेर अध्यक्ष राजेश गोयल ने बताया कि बीकाजी ग्रुप के प्रबंध निदेशक दीपक अग्रवाल ने इस खेल महोत्सव का अपना भरपूर समर्थन करते हुए खेल महोत्सव के पोस्टर का विमोचन भी किया है तथा इस अभिनव प्रयास की सरहानाकी। इनके साथ साथ बीकानेर के सम्मानित नेतागणों एवं उद्योगपतियों ने इस महोत्सव का समर्थन एवं खेल महोत्सव के पोस्टर जारी कियाख भाजपा जिला अध्यक्ष सुमन छाजेड,भाजपा नेता मोहन सुराणा, उद्योगपति नरेश अग्रवाल,

खाओसा के मालिक योगेश तथा बीकानेर के कई उद्योगपतियों और सामाजिक संस्थानों ने इस प्रयास सपोर्ट किया है व कहा कि आज के समय महिलाओं को समाज के एक मंच पर जोड़ने के काम की लघु उद्योग भारती, महिला इकाई बीकानेर की सराहना की। लघु उद्योग भारती महिला इकाई की अध्यक्ष राखी चौरड़िया ने बताया कि इस खेल महोत्सव में विभिन्न इनडोर एवं आउटडोर खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी, जिनमें शहर एवं आसपास की 18 साल से ऊपर की बालिकाएं एवं महिलाओं की सक्रिय भागीदारी रहेगी। यह खेल महोत्सव पुराने एवं पारंपारिक खेलो में से खेला जायेगा। इस कार्यक्रम के माध्यम से महिलाओं को एक सकारात्मक, ऊर्जावान एवं सशक्त मंच प्रदान किया जाएगा। संस्था की खेल संयोजक डॉ. आशु मल्लिक का मानना है कि महिलाएँ केवल पारिवारिक एवं व्यावसायिक दायित्वों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि खेल और सामाजिक गतिविधियों में भी उनकी सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। इसी सोच के साथ अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस को उत्सव और सशक्तिकरण के रुप में मनाया जाएगा।

एम्पावर हर-बालिका दिवस पर टच ए लाइफ फाउंडेशन का भव्य समारोह

टच ए लाइफ फाउंडेशन की मार्गदर्शन में सफलता प्राप्त करने वाली बालिकाओं के उपलब्धियों का जश्न

हैदराबाद, 08 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। बालिका दिवस के उपलक्ष्य में टच ए लाइफ फाउंडेशन द्वारा एम्पावर हर कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें संस्था के मार्गदर्शन और मेंटरशिप में सफलता हासिल करने वाली बालिकाओं की उपलब्धियों का भव्य जश्न मनाया गया। टच ए लाइफ फाउंडेशन की संस्थापिकाएं विभूति जैन और रीना हिंदोचा ने संस्था की बालिकाओं के साथ इस खास मौके पर उत्सव मनाया।इस कार्यक्रम में बालिकाओं द्वारा मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किए गए और सबसे खास बात यह रही कि लड़कियों ने खुद अपने जीवन में आए परिवर्तन की असली कहानियां साझा कीं। इन कहानियों ने उपस्थित सभी लोगों का दिल जीत लिया और प्रेरणा का स्रोत बनीं।

बॉश की ओर से 80 लैपटॉप का वितरण

कार्यक्रम के दौरान बॉश कंपनी की ओर से टच ए लाइफ फाउंडेशन की बालिकाओं को 80 लैपटॉप दान में दिए गए। यह डिजिटल सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो इन बालिकाओं को शिक्षा और कौशल विकास में मदद करेगा।

विभूति जैन और रीना हिंदोचा ने कार्यक्रम में उपस्थित होकर बालिकाओं का हौसला बढ़ाया और उनकी मेहनत व लगन की सराहना की। दोनों संस्थापिकाओं ने कहा कि प्रत्येक बालिका में अपार संभावनाएं होती हैं और सही मार्गदर्शन मिलने पर वे किसी भी क्षेत्र में सफलता हासिल कर सकती हैं।यह कार्यक्रम हैदराबाद के ठचन स्पायर, हाईटेक सिटी स्थित बावर स्कूल ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप में आयोजित किया गया। इस मौके पर टच ए लाइफ फाउंडेशन की बालिकाएं, संस्थापिकाएं और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने केबीआर पार्क पर रविवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मनीष अग्रवाल,सुभाष अग्रवाल, हरीश तोलाराम हिंदूजा, संजय गुप्ता एवं राधे-राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित थे।

नकारात्मकता त्यागकर आस्तिक बनेंगे तो जीवन में आएगी पूर्णता: सिद्धेश्वर ब्रह्मऋषि गुरुदेव

हैदराबाद, 08 फरवरी (एजेंसियां)।
जीवन में यदि पूर्णता को प्राप्त करना है तो सबसे पहले भीतर की नकारात्मक शक्तियों को निकालना होगा। एकजुट होकर आस्तिक रहेंगे तो स्वस्थ रहेंगे, जबकि नास्तिक होकर खंडित रहेंगे तो सदा बीमार रहेंगे। ये प्रेरक उद्गार श्री सिद्धेश्वर ब्रह्मऋषि गुरुदेव सिद्ध गुरुवर ने आज आरटीसी चौराहा स्थित आरटीसी कल्याण मंडपम् में आयोजित दिव्य सिद्धेश्वर महोत्सव हैदराबाद–2026 (दिव्योहम) के अवसर पर विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

ब्रह्म वेला में जागरण से जीवन में आएगा तेज और स्वास्थ्य

गुरुदेव ने कहा कि जीवन की हर शुरुआत अच्छी चीजों से और समय पर होनी चाहिए। जो कार्य जल्दी शुरू किया जाता है, वह शीघ्र पूर्ण होता है। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि वे जीवन में यह संकल्प लें कि ब्रह्म वेला अर्थात प्रातः 4.16 बजे जागना है। यही वह समय होता है जब ब्रह्मांड की दिव्य ऊर्जा दसों दिशाओं से दसों इंद्रियों को प्राप्त होती है।

उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति सूर्योदय के बाद जागता है, उसके चेहरे पर तेज नहीं रहता, वह समय से पहले बूढ़ा हो जाता है और शुगर, बीपी जैसी बीमारियों का शिकार होता है। अंततः वह तनाव में जीवन व्यतीत करता है। इसलिए आदतों में सुधार आवश्यक है। भूत को सुधारेंगे, वर्तमान को संवारेंगे तो भविष्य स्वतः उज्ज्वल होगा। भविष्य का पहला दिन आज और अभी है।

कर्म करने वालों का साथ देता है परमात्मा

गुरुदेव ने कहा कि जो केवल सपने देखता है और ख्याली पुलाव पकाता है, उसका साथ परमात्मा भी नहीं देते।

पांडवों को श्रीकृष्ण का साथ इसलिए मिला क्योंकि उन्होंने तप और श्रेष्ठता अर्जित की थी। अर्जुन श्रेष्ठ महारथी थे और धर्मराज युधिष्ठिर की सत्यता पर शत्रु भी विश्वास करते थे।

उन्होंने कहा कि भगवान, गुरु, समाज और मित्र सभी साथ देते हैं, लेकिन साथ तभी मिलता है जब व्यक्ति स्वयं कर्म करता है।

जीवन को बदला जा सकता है, आवश्यकता है दृढ़ संकल्प और सत्कर्म की।

धर्म, संस्कृति और कर्तव्य को न भूलें

महाराज ने कहा कि प्रभु राम 12 कलाओं के साथ अवतरित हुए, क्योंकि मानव शरीर उतना ही सहन कर सकता है, जबकि श्रीकृष्ण 16 कलाओं के साथ पृथ्वी पर आए। जीवन में हमेशा अच्छी बातों के साथ आगे बढ़ना चाहिए।अच्छा सुनें, अच्छा कहें और अच्छा करें।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में लोग अधिकार खोज रहे हैं और कर्तव्यों को भूलते जा रहे हैं। मोबाइल और टीवी सिनेमा के प्रभाव से नई पीढ़ी नकारात्मकता की ओर बढ़ रही है और धर्म से दूर होकर नास्तिक बन रही है। संस्कृति को बचाना है तो बच्चों को ऐसे नकारात्मक माध्यमों से दूर रखना होगा। देश की अखंडता बनाए रखने के लिए अच्छों को भी गलत के विरुद्ध आवाज उठानी होगी।

ध्यान से मिलेगा मानसिक शांति का मार्ग

इस अवसर पर हरियाणा के पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि मन को शांत रखने के लिए ध्यान अत्यंत आवश्यक है। प्रतिदिन ध्यान करने से मन शांत रहता है और जीवन स्वस्थ बनता है। कार्यक्रम में प्रकाश खिंवसरा, रवि पुगलिया, डॉ. कीर्ति सेठिया ने भी गुरुवर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला।

भजन, पुस्तक विमोचन और आशीर्वाद

कार्यक्रम में पुणे से आए विवेक पांडे एवं प्रिशिता पांडे ने भजनों की सुंदर प्रस्तुति दी। इस अवसर पर गुरुवर के करकमलों से डॉ. कीर्ति सेठिया की पुस्तक का विमोचन भी किया गया।

कार्यक्रम में ललिता मधुसूदन मोदानी, रेखा रघुवीर पारख, सुषमा राजीव कामरा, अरुणा महेश शर्मा, गोविंद अग्रवाल, कैलाश नारायण भांगड़िया, विमल नाहर, संगीता प्रभात सेठिया, कानमल विनोद संचेती सहित अनेक गणमान्य नागरिकों ने श्री सिद्धेश्वर ब्रह्मऋषि गुरुदेव से आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम में नगर के अनेक गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही और पूरा वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा एवं सकारात्मक संदेशों से परिपूर्ण रहा।

'Into the Light' से डॉ. कीर्ति सेठिया बेंगानी ने दिया आध्यात्मिक जागरण का संदेश

हैदराबाद, 08 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। दिव्योहम में एक प्रेरणादायक और आध्यात्मिक वातावरण के बीच भव्य समारोह का आयोजन किया गया, जहां पूज्य श्री सिद्धेश्वर ब्रह्मऋषि गुरुदेव के करकमलों से डॉ. कीर्ति सेठिया बेंगानी की पुस्तक Into the Light: A Guide to Spiritual Healing and Personal Transformation का विधिवत लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर देश–विदेश से आए साधकों, आध्यात्मिक साधना से जुड़े अनुयायियों एवं अनेक गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम को दिव्य और स्मरणीय बना दिया।

अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त आध्यात्मिक हीलर हैं डॉ. कीर्ति

डॉ. कीर्ति सेठिया बेंगानी एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त स्पिरिचुअल हीलर, रेकी ग्रैंडमास्टर, सबकॉन्शस रीप्रोग्रामिंग एक्सपर्ट, माइंडफुलनेस एवं मेडिटेशन कोच हैं। वे पिछले कई वर्षों से अपने हीलिंग कार्यों के माध्यम से हजारों लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य कर रही हैं। उनके मार्गदर्शन और उपचार से अनेक लोगों ने मानसिक, भावनात्मक और शारीरिक स्तर पर उल्लेखनीय सुधार

अनुभव किया है।

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मानों से हो चुकी हैं सम्मानित

डॉ. कीर्ति सेठिया बेंगानी को उनके उत्कृष्ट और निःस्वार्थ कार्यों के लिए अनेक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मानों से अलंकृत किया जा चुका है। उन्हें राष्ट्रीय हित सेवा अटल सम्मान, नेशनल आइकन अवॉर्ड, बेस्ट सोल अल्केमिस्ट अवॉर्ड सहित कई प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। उनके कार्यों की सराहना देश के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा भी की जा चुकी है, जो उनके योगदान की व्यापक स्वीकार्यता को दर्शाता है।

पुस्तक में आध्यात्मिक यात्रा और आत्मिक परिवर्तन का मार्ग

पुस्तक Into the Light में डॉ. कीर्ति ने अपने जीवन के अनुभवों, आध्यात्मिक यात्रा और हीलिंग के सिद्धांतों को सरल, सहज और प्रेरणादायक भाषा में प्रस्तुत किया है। यह पुस्तक पाठकों को आंतरिक संतुलन, आत्मिक जागरूकता, मानसिक शांति और सकारात्मक जीवन परिवर्तन की दिशा में मार्गदर्शन प्रदान करती है।

गुरुदेव का आशीर्वाद, साधकों के लिए प्रेरणादायक क्षण

लोकार्पण के अवसर पर पूज्य श्री सिद्धेश्वर ब्रह्मऋषि गुरुदेव ने डॉ. कीर्ति सेठिया बेंगानी को आशीर्वाद प्रदान करते हुए कहा कि वे अपने आध्यात्मिक प्रकाश से अनेक जीवनों को रोशन करें और निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर रहें। यह क्षण डॉ. कीर्ति सहित उपस्थित सभी साधकों और श्रद्धालुओं के लिए अत्यंत भावुक, प्रेरणादायक और स्मरणीय रहा।

सेवा का भाव परमात्मा की देन : सोहनलाल दायमा

हैदराबाद, 08 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित स्टेट पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 ए के पास आयोजित नियमित अन्नदान कार्यक्रम श्रद्धा, सेवा और मानवता की भावना के साथ सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए सोहनलाल दायमा ने कहा कि सेवा का भाव व्यक्ति के भीतर स्वयं उत्पन्न नहीं होता, बल्कि यह परमात्मा की विशेष कृपा और देन है। उन्होंने कहा कि निस्वार्थ भाव से की गई सेवा न केवल जरूरतमंदों के जीवन में राहत लाती है, बल्कि सेवक के जीवन को भी सार्थक बनाती है।

दायमा ने कहा कि राधे–राधे ग्रुप द्वारा निरंतर किए जा रहे सेवा कार्य समाज में सकारात्मक संदेश दे रहे हैं। जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराना वास्तव में सच्ची भक्ति और मानव धर्म का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने सभी सेवाभावी सदस्यों की सराहना करते हुए सेवा कार्यों को इसी समर्पण के साथ आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

आज की सेवा श्रीरामजीदास हजारीलाल जी मोतीवाले गोयल परिवार की ओर से की गई।

कार्यक्रम में रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, भगतराम गोयल, संजय अग्रवाल, सविता अग्रवाल, ई–जगन (चंपापेट), प्रीतिका अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, गौरव गोयल, संजय गोयल, किरण गोयल, रवि शर्मा, महेश गुप्ता, बिमल किशोर संघी, नमन संघी, धर्मेंद्र गोयल, कैलाशचंद केडिया, युवान केडिया, सुची गुप्ता, सुरेश सिंघल, सोहनलाल दायमा, कमला देवी कुमावत, खुशी अग्रवाल, लहक अग्रवाल सहित राधे–राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

स्नेह सुगंध लेडीज क्लब ने की डिमेंशिया पर कार्यशाला

हैदराबाद, 8 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
स्नेह सुगंध लेडीज क्लब की रोज ग्रुप ने एम्बिएंस फोर्ट में डिमेंशिया पर कार्यशाला का आयोजन किया। इस अवसर पर क्लब की नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्रीमती संगीता सिंघवी ने सभी का स्वागत किया।

प्रभा दूगड़ द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि स्नेह सुगंध लेडीज क्लब हर महीने एक कार्यशाला आयोजित करता है। इस बार की कार्यशाला में रोज ग्रुप की अंजू बाफना, अनीता अग्रवाल, सुषमा गुप्ता, शशि सितानी, रेणु केडिया, और रेखा सिंघल ने डिमेंशिया की समस्या के बारे में जानकारी दी।

कार्यशाला में प्रमुख वक्ता डॉ. सरिता अग्रवाल, एक जानी–मानी शिक्षाविद, रिसर्चर और एकेडमिक लीडर, ने डिमेंशिया के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि डिमेंशिया क्यों होता है और उससे बचने के उपाय क्या हैं। डॉ. सरिता ने इस कॉमन समस्या पर बहुत सरल तरीके से समझाते हुए जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया।सेशन को अच्छी तरह से संरचित, जानकारीपूर्ण और प्रभावी बताया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 30 लोगों की उपस्थिति रही। डॉ. सरिता का परिचय अंजू बाफना ने दिया।

कार्यक्रम के पश्चात, सभी ने लेजिसोर्न का आनंद लिया। मंत्री रेणु केडिया ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया, और अंत में सभी ने स्नेह की सुगंध का विकास का नारा लगाया।

इस प्रकार, कार्यशाला ने डिमेंशिया के प्रति जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया और उपस्थित लोगों ने इसे सराहा।

CHANGE OF NAME
I, DEVIAMMAL Spouse of Service No. 6860038 Sep Late D N SHAM RAJ, Residing at H.No.6-300, Raghavendra Colony, Quthbullapur, Hyderabad - 500055, Telangana have changed my name and DOB from DEVIAMMAL, age 55 years to NARAYANASWAMY DEVI AMMAL, DOB:15-08-1948 vide affidavit dt:06-02-2026 before X Spl Judicial Magistrate, Hyderabad.

अग्रवाल मानव सेवा संस्था ने किए 30 राशन किट वितरित

हैदराबाद, 08 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
अग्रवाल मानव सेवा संस्था द्वारा हर माह की भांति फरवरी माह में भी जरूरतमंद परिवारों के लिए 30 राशन किट का वितरण किया गया। यह सेवा कार्य हाईकोर्ट रोड स्थित मुरलीधर मंदिर परिसर में संपन्न हुआ।

संस्था के संस्थापक मुकुंद लाल अग्रवाल ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से जानकारी देते हुए बताया कि इस माह वितरित किए गए किट में दैनिक उपयोग के राशन के साथ–साथ आगामी महाशिवरात्रि पर्व को ध्यान में रखते हुए व्रत के लिए फलाहार सामग्री एवं बैठने हेतु

चटाइयाँ भी शामिल की गईं।

उन्होंने बताया कि संस्था द्वारा पिछले नौ महीनों से नियमित रूप से जरूरतमंद अग्रबंधु परिवारों को राशन किट वितरित किए जा रहे हैं। मौसम और पर्वों को ध्यान में रखते हुए सेवा कार्य को निरंतर विस्तार दिया गया है। सर्दी के मौसम में नवंबर माह में राशन किट के साथ कंबल वितरित किए गए, दिसंबर माह में स्वेटर, जनवरी माह में संक्रांति पर्व को ध्यान में रखते हुए साड़ियाँ तथा फरवरी माह में चटाइयों का वितरण किया गया।

इस सेवा कार्यक्रम के प्रायोजक मंगत राय जी–राम कुमार जी परिवार के राधेश्याम गुप्ता, केदार नाथ अग्रवाल (ड्यूक्स परिवार) एवं पुरुषोत्तम दास जी–सुरेश कुमार पिपड़िया (टंडन) रहे।

कार्यक्रम में प्रायोजक सुरेश कुमार टंडन एवं श्रीमती बीना टंडन, संस्था के संस्थापक मुकुंद लाल अग्रवाल एवं श्रीमती संतोष अग्रवाल उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त कैलाश अग्रवाल, गायत्री अग्रवाल एवं उनके परिवार द्वारा भी सेवा प्रदान की गई।

उपस्थित सभी अग्रबंधुओं ने संस्था के इस मानवीय एवं निरंतर सेवा कार्य की मुक्त कंठ से प्रशंसा की और इसे समाज के लिए प्रेरणादायक बताया।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ

एफएसएल आग की सीसीटीवी फुटेज जारी करें : भाजपा

हैदराबाद, 8 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। फोरेंसिक साइंस लैबोरेटरी (एफएसएल) में आग की घटना की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच की भाजपा की मांग को दोहराते हुए, पार्टी के आधिकारिक प्रवक्ता और मीडिया प्रभारी एन.वी. सुभाष ने रविवार को कांग्रेस सरकार से आग लगने के क्षण से जब्ती कक्ष की सीसीटीवी फुटेज तुरंत जारी करने की मांग की।

यहां भाजपा राज्य कार्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, सुभाष ने कहा कि एफएसएल एक उच्च-सुरक्षा सुविधा है जिसमें व्यापक कैमरा कवरेज है और सरकार को फुटेज और आग में नष्ट सबूतों की विस्तृत सूची दोनों को सार्वजनिक करना चाहिए। उन्होंने इस घटना को गहरी साजिश करार दिया और कहा कि इसे केवल एक दुर्घटना के रूप में नहीं टाला जा सकता, यह उल्लेख करते हुए कि यह स्थापना के 52 वर्षों में एफएसएल में पहली ऐसी आग थी।

उन्होंने आरोप लगाया कि महत्वपूर्ण भौतिक और डिजिटल सबूत, जिसमें हार्ड डिस्क, पेन ड्राइव, डीएनए रिपोर्ट, वॉइस सैंपल और फोन टैपिंग मामले जैसे हाई-प्रोफाइल मामलों से संबंधित डेटा शामिल थे, जब्ती कक्ष में संग्रहीत थे जहां आग लगी, जिससे गंभीर संदेह पैदा हुए क्योंकि अदालती सुनवाइयां निकट आ रही थीं। सुभाष ने मांग की कि केंद्रीय जांच एजेंसियां सच्चाई उजागर करने के लिए हस्तक्षेप करें।भाजपा नेता ने यह भी आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामा राव चल रहे नगर पालिका और निगम चुनावों में भाजपा के बढ़ते जन समर्थन से निराश थे और भाजपा नेताओं के खिलाफ झूठे आरोप लगाने का सहारा ले रहे थे।सुभाष ने कहा कि भाजपा पहले ही नगर पालिकाओं के लिए अपना घोषणापत्र और विकास योजना जारी कर चुकी है, जो कांग्रेस और बीआरएस के विपरीत है, और व्यक्त किया विश्वास कि पार्टी राज्य भर में प्रो- भाजपा लहर देख रही है और चुनावों में रिकॉर्ड संख्या में सीटें जीतेगी।

एफएसएल आग वोट-फॉर-नोट सबूत नष्ट करने की जानबूझकर कोशिश : केटीआर

हैदराबाद, 8 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामा राव (केटीआर) ने रविवार को आरोप लगाया कि यहां नामपल्ली में फोरेंसिक साइंस लैबोरेटरी में हालिया आग की घटना मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी से जुड़े वोट-फॉर-नोट मामले से जुड़े महत्वपूर्ण सबूतों को नष्ट करने के उद्देश्य से की गई एक जानबूझकर कार्रवाई थी।

हनमकोंडा में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, केटीआर ने दावा किया कि आग तब ङ्गङ्घस्टेज-मैनेजङ्खङ्ग की गई जब मामला एक महत्वपूर्ण मोड़ पर पहुंच गया था और फैसला आने वाला था।

उन्होंने घटना की परिस्थितियों पर सवाल उठाए, जिसमें एक उच्च-सुरक्षा सुविधा में आग लगना, दमकल अभियान में देरी और नुकसान की सीमा को लेकर अधिकारियों के कथित तौर पर विरोधाभासी बयान शामिल हैं।

केटीआर ने आरोप लगाया कि महत्वपूर्ण फोरेंसिक सामग्री, जिसमें डिजिटल सबूत, कंप्यूटर और सर्वर शामिल थे, आग में नष्ट हो गए, जिससे कई गंभीर आपराधिक मामले प्रभावित हो सकते हैं। उन्होंने इस घटना की निष्पक्ष, उच्च-स्तरीय जांच की मांग की, एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश द्वारा न्यायिक जांच और केंद्रीय एजेंसियों के हस्तक्षेप की मांग की।

राज्य पुलिस में विश्वास की कमी व्यक्त करते हुए, बीआरएस नेता ने कहा कि केवल एक पारदर्शी और स्वतंत्र जांच ही सच्चाई सामने लाएगी और न्याय व्यवस्था में जनता का विश्वास बहाल करेगी।

हिंदी सेवासदन की हिंदी प्रतियोगिता परीक्षा को तेलंगाना स्तर पर मिली व्यापक सराहना

हैदराबाद, 08 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
हिंदी सेवासदन द्वारा आयोजित हिंदी प्रतियोगिता परीक्षा को तेलंगाना राज्य स्तर पर विशेष और उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली है। यह परीक्षा 30 दिसंबर को राज्य के विभिन्न विद्यालयों में कक्षा-स्तर के पाठ्यक्रम के अनुसार आयोजित की गई थी। विद्यालय स्तर पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के लिए राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन 8 फरवरी, रविवार को प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक नामपल्ली स्थित हिंदी प्रचार सभा, हैदराबाद के सभागृह में किया गया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में प्रमुख हाईकोर्ट अधिवक्ता जे. वेंकटराम नरसिंहा रेड्डी के करकमलों से हिंदी प्रतियोगिता परीक्षा के प्रश्न-पत्रों का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता परीक्षाओं से विद्यार्थियों को राष्ट्रभाषा हिंदी का ज्ञान तो मिलता ही है, साथ ही समय-प्रबंधन और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता का भी विकास होता है।

इस अवसर पर हिंदी प्रचार सभा, हैदराबाद के प्रधान मंत्री एवं हिंदी सेवासदन महाविद्यालय के संस्थापक सचिव एस. गैबुवली ने जानकारी देते हुए बताया कि विद्यालय स्तर पर रैंक प्राप्त कर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में शामिल विद्यार्थियों के साथ-साथ उनके हिंदी अध्यापकों, प्रधानाध्यापकों, प्राचार्यों एवं करेस्पोंडेंट्स को भी शुभकामनाएं दी गईं। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में प्रथम भाषा एवं द्वितीय भाषा वर्ग में अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को अलग-अलग प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्रदान किए जाएंगे।

राज्य स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को नगद पुरस्कार, मेडल, प्रशंसा पत्र, प्रोत्साहन पुरस्कार तथा विशिष्ट हिंदी प्रतिभा रत्न पुरस्कार-2025 से सम्मानित किया जाएगा।

कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थी, हिंदी अध्यापक, प्रधानाध्यापक, प्राचार्य, करेस्पोंडेंट, अभिभावक एवं हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के विशेष अधिकारी श्रुतिकांत भारती, रजिस्ट्रार शंकर सिंह ठाकुर, कार्यकर्ता माया पाण्डेय, विनोद कुमार रेड्डी, भानुदास, नरसिंह, प्रतिभा, अरुणा सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

प्रथम श्रेणी एवं डिस्टिंक्शन के साथ नैना जायसवाल ने एलएलएम किया पूर्ण

कम उम्र में दूसरी पोस्टग्रेजुएट डिग्री, शिक्षा के क्षेत्र में रचा नया कीर्तिमान

हैदराबाद, 08 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
नैना जायसवाल ने अपनी शैक्षणिक यात्रा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि जोड़ते हुए एलएलएम (मास्टर ऑफ लॉज़) की परीक्षा प्रथम श्रेणी एवं डिस्टिंक्शन के साथ सफलतापूर्वक उत्तीर्ण की है। यह सफलता उन्हें उच्च शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली एक समर्पित और प्रतिभाशाली छात्रा के रूप में और अधिक सुदृढ़ करती है।

दूसरी स्नातकोत्तर डिग्री से बढ़ा गौरव

यह उपलब्धि इसलिए भी विशेष मानी जा रही है क्योंकि यह नैना जायसवाल की दूसरी स्नातकोत्तर (पोस्टग्रेजुएट) डिग्री है। उनकी शैक्षणिक यात्रा अत्यंत कम उम्र से ही असाधारण रही है। मात्र 15 वर्ष की आयु में राजनीति विज्ञान (पॉलिटिकल साइंस) में मास्टर डिग्री प्राप्त कर उन्होंने एशिया की सबसे कम उम्र की स्नातकोत्तर बनने का गौरव हासिल किया था। उस समय उनकी इस दुर्लभ उपलब्धि को शैक्षणिक जगत में व्यापक सराहना मिली थी।

अनुशासन, समर्पण और शोध के प्रति प्रतिबद्धता

वर्षों से नैना जायसवाल ने अध्ययन, शोध और बौद्धिक विकास के प्रति गहरी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की है। एलएलएम की पढ़ाई को सफलतापूर्वक पूर्ण करना न केवल उनकी अकादमिक प्रतिभा को दर्शाता है, बल्कि उनके धैर्य, अनुशासन और कानून व सार्वजनिक मामलों में गहरी रुचि को भी उजागर करता है। शिक्षकों और सहपाठियों द्वारा उनकी एकाग्रता और उत्कृष्टता के प्रति समर्पण की निरंतर सराहना की जाती रही है।

उपलब्धि नहीं, नई शुरुआत

इस अवसर पर नैना जायसवाल ने कहा कि यह उपलब्धि उनके लिए अंत नहीं, बल्कि एक सशक्त नई शुरुआत है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि कानून की पढ़ाई के दौरान प्राप्त ज्ञान और अनुभव भविष्य में बड़े लक्ष्यों को प्राप्त करने में मार्गदर्शक सिद्ध होंगे।

नए उत्साह, स्पष्ट दृष्टिकोण और दृढ़ संकल्प के साथ वे अब अपने शैक्षणिक एवं व्यावसायिक जीवन के अगले चरण की ओर अग्रसर हैं।

राजनीति विज्ञान और कानून जैसे महत्वपूर्ण विषयों में सशक्त शैक्षणिक आधार के साथ नैना जायसवाल की यह सफलता देशभर के विद्यार्थियों और युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बनी हुई है। उनकी उपलब्धि यह संदेश देती है कि प्रारंभिक समर्पण, निरंतर परिश्रम और अटूट संकल्प से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

पचेरी अग्रवाल समिति ने किया श्री श्याम निशान यात्रा का स्वागत

हैदराबाद, 08 फ़रवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री श्याम मंदिर सेवा समिति, काचीगुड़ा की ओर से निकाली गई भव्य श्री श्याम निशान यात्रा का पचेरी अग्रवाल समिति हैदराबाद द्वारा अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और सेवा भाव के साथ भव्य स्वागत किया गया। जैसे ही निशान यात्रा स्वागत स्थल पर पहुँची, पूरा वातावरण जय श्री श्याम के गगनभेदी जयघोष से भक्तिमय हो उठा। श्याम प्रेमियों ने पुष्पवर्षा कर, जलपान की व्यवस्था कर एवं सेवा भाव से श्रद्धालुओं का आत्मीय अभिनंदन किया। इस पावन अवसर पर पचेरी अग्रवाल समिति के सक्रिय सदस्यों कैलाश पचेरिया, गोविंद राम पचेरिया, मनोज पचेरिया, श्यामसुंदर सांवरिया, गोपाल पचेरिया, मुकेश पचेरिया, संदीप पचेरिया, महावीर डोकानिया एवं बजरंग दुकानिया ने मिलकर सेवा कार्यों को सफल बनाया। स्वागत कार्यक्रम में महिला समिति की महिलाओं ने भी बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाई और पारंपरिक श्रद्धा के साथ निशान यात्रा का स्वागत कर कार्यक्रम को गरिमा प्रदान की। पूरे आयोजन के दौरान श्रद्धा, समर्पण और श्याम भक्ति की अनुपम छटा देखने को मिली।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद बहुत ही सराहनीय कार्य कर रहा है : आचार्य रमाकांत गोस्वामी

हैदराबाद, 08 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा रविवार को भाग्यलक्ष्मी माता मंदिर, चारमीनार से काचीगुड़ा की ओर निकाली गई भव्य श्री श्याम निशान यात्रा के स्वागत अवसर पर विशेष रूप से पधारे प्रसिद्ध संत आचार्य रमाकांत गोस्वामी जी ने राधे-राधे ग्रुप के सेवा कार्यों की खुले मन से सराहना की।

आचार्य रमाकांत गोस्वामी जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद निःस्वार्थ भाव से अत्यंत सराहनीय एवं अनुकरणीय कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि जिस संस्था पर राधे-राधे की कृपा हो, वहां सेवा स्वयं मार्ग बनाती है।

उन्होंने आगे कहा कि यदि मन में सेवा की सच्ची इच्छा हो और संकल्प दृढ़ हो, तो स्वयं ईश्वर भी उस सेवा को पूर्ण करवाते हैं।

आचार्य गोस्वामी जी ने राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक सतीश गुप्ता, जगतनारायण अग्रवाल, रामप्रकाश अग्रवाल, महेश अग्रवाल सहित ग्रुप से जुड़े समस्त सेवा भावी सदस्यों को हृदय से अभिनंदन किया। उन्होंने कामना की कि राधा रानी की कृपा सदैव इस ग्रुप पर बनी रहे और यह संस्था आगे भी अन्नदान, सेवा, सामाजिक कार्यों एवं राष्ट्रप्रेम से जुड़े कार्यक्रम निरंतर करती रहे।

उन्होंने कहा कि आज यह देखकर अत्यंत प्रसन्नता हुई कि राधे-राधे ग्रुप किसी पहचान का मोहताज नहीं है, बल्कि इसकी पहचान इसके सेवा कार्य स्वयं हैं।आचार्य रमाकांत गोस्वामी जी ने अंत में आशीर्वचन देते हुए कहा कि राधे-राधे की कृपा इस ग्रुप पर सदैव बरसती रहे, यही मेरा आशीर्वाद, यही मेरी भावना और यही मेरे श्रीचरणों में संकल्प है।

एक दिन की नहीं, पूरे वर्ष की सेवा करता है राधे-राधे ग्रुप : अनिरुद्ध गुप्ता

हैदराबाद, 08 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता ने श्री श्याम निशान यात्रा के अवसर पर राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा लगाए गए स्वागत मंच पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि राधे-राधे ग्रुप सेवा को केवल कार्यक्रम नहीं, बल्कि जीवन का संकल्प मानकर पूरे 365 दिन निरंतर निस्वार्थ भाव से कार्य कर रहा है।उन्होंने कहा कि वे व्यक्तिगत रूप से राधे-राधे ग्रुप से जुड़े हुए हैं और उनके परिवार के सदस्य भी किसी न किसी रूप में इस सेवा यात्रा का हिस्सा रहे हैं। परंतु विशेष रूप से यह उल्लेखनीय है कि राधे-राधे ग्रुप की सेवाएं किसी एक दिन तक सीमित न होकर वर्षभर गरीब, असहाय एवं जरूरतमंद लोगों के लिए नियमित रूप से संचालित होती हैं।अनिरुद्ध गुप्ता ने कहा कि कोई भी व्यक्ति एक दिन किसी का स्वागत, सम्मान या सेवा कर सकता है, लेकिन राधे-राधे ग्रुप पूरे वर्ष निशुल्क अन्नदान कार्यक्रम के माध्यम से समाज सेवा की मिसाल प्रस्तुत कर रहा है। वर्तमान में ग्रुप द्वारा संचालित तीन अन्नदान केंद्र नियमित रूप से कार्यरत हैं। उन्होंने परम पिता परमेश्वर राधे रानी से प्रार्थना करते हुए कहा कि आने वाले समय में हैदराबाद एवं सिकंदराबाद में राधे-राधे ग्रुप के और भी अन्नदान केंद्र स्थापित हों और यह सेवा और अधिक विस्तार पाए।

वीणा वादिनी साहित्यिक समिति का सुर-संगीत कार्यक्रम सम्पन्न

हैदराबाद, 08 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। वीणा वादिनी साहित्यिक समिति द्वारा शनिवार, 7 फरवरी 2026 को आर्यकन्या विद्यालय, सुल्तान बाजार में एक भव्य सुर-संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नगर की प्रसिद्ध संगीत संस्था संगीत साधना को आमंत्रित किया गया, जिसके कलाकारों ने अपने मधुर गायन से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम में संगीत साधना संस्था की प्रमुख गायिका श्रीमती शुभ्रा महंतो सहित श्री काज़िम अहमद, ऋचा चौधरी, सस्मिता नायक एवं कल्पना डाग ने अपनी शानदार गायन प्रस्तुतियों से श्रोताओं का दिल जीत लिया। सभी कलाकारों ने शास्त्रीय एवं सुगम संगीत की सुंदर प्रस्तुति देकर वातावरण को संगीतमय बना दिया।

कलाकारों का सम्मान, समिति सदस्यों की सक्रिय भागीदारी

समिति के अध्यक्ष श्रुतिकांत भारती ने सभी आमंत्रित गायकों का शॉल एवं मेडल पहनाकर स्वागत एवं सम्मान किया तथा उनका संक्षिप्त परिचय भी दिया।कार्यक्रम में वीणा वादिनी साहित्यिक समिति के सदस्यों श्री अनिल कुमार गुप्ता, डॉ. पंकज मेहता, डॉ. रेखा देवी वर्मा, डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव, श्रीमती ममता जायसवाल, शोभा ठाकुर, सविता सोनी, पुरुषोत्तम कडेल, श्रीमती विद्या दवे, जयंत मिश्रा, श्रीमती उमा तिवारी एवं प्रदीप जाजू ने भी अपने गीतों की प्रस्तुति दी।

निबोली अड्डा में सुंदरकांड की प्रस्तुति देते हुए श्री वैष्णव सत्संग मंडल सुल्तान बाजार के सदस्य- राधेश्याम दुर्गा राठी, गोपीकिशन इन्दिरा बंग, बद्री प्रसाद सुरेखा सारडा, देवकिशन श्यामलता नावंधर, इंदिरा भराडिया एवं भक्त गण।

राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के सामने गौशाला के पास रविवार को नियमित अन्नदान किया गया। इस अवसर पर शिव भगवान अग्रवाल गोविंद राम पचेरिया, अनिल अग्रवाल धरसुवाले, अरुण विजयवर्गीय, नीलम विजयवर्गीय एवं अन्य सदस्य उपस्थित थे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.